जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 18 जनवरी, 2023

OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

66 वर्षों का विश्वास

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

ओसवाल ही है
धुलाई के मैदान का
असली चैम्पियन

ज़्यादा सफ़ाई
कपड़ों की देखभाल
कम पानी में धुलाई
त्वचा का पूरा ख़्याल
अखाद्य तेल से बना
बरसों का विश्वास

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और **ओसवाल एप** डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

ओसवाल सोप ग्रुप । OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए +91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

MercuryDesign.in

ओसवाल सोप ग्रुप

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

6 करोड़ परिवारों का विश्वास | **जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल** | **क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला**

ओसवाल सोप

1kg
डिशवॉश टब

1kg
व्हाइट सोप

1kg
वॉशिंग पाउडर

1kg
डिटर्जेंट पाउडर

100g
नहाने का साबुन

100g
ग्लिसरिन बाथ सोप

250ml
लिक्विड हैंड वॉश

500ml
लिक्विड डिशवॉश

1Ltr.
डिटर्जेंट लिक्विड

1Ltr.
टॉयलेट क्लीनर

1kg
देसी खांड

1kg
चाय पत्ती

250g
डस्ट चाय

800g
पोहा

1kg
जीरा

1kg
सैंधा नमक

1kg
काला नमक

1kg
बासमती चावल

500g
हल्दी पाउडर

1kg
मिर्च पाउडर

500g
धनिया पाउडर

1Ltr. 5Ltr.
कच्ची घानी तेल

1Ltr. 5Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल

1Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच

5Ltr. 1Ltr.
मूंगफली तेल

50g
अगरबत्ती

घास की झाड़ू

1kg
चना दाल

1kg
मूंग दाल

1kg
हरी मूंग दाल

1kg
काबुली चना

1kg
तूअर दाल

1kg
उड़द धुली दाल

ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Follow us on :

OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए

+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें

Marketed by Uttam Chand Desraj

नकली माल से सावधान

अब घर बैठे मँगवाए ओसवाल उत्पाद

स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।

GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 168 प्रभात जयपुर, बुधवार 18 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

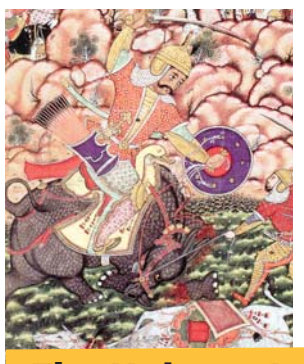

The Unicorn In the Mughal Records

The rhinoceros often finds place amongst the wild animal amongst animals in stance before Aflatun (Plato) playing enchanting music.

Pared-back Simplicity

Expansion of French Language & Culture | A scintillating cultural evening at JKK

‘क्या कारण है कि राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं हो पाती है?’

सचिन पायलट ने कहा- शीला दीक्षित 15 साल मुख्यमंत्री रहीं, तरुण गोगोई लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बने, रेड्डी लगातार दो बार सत्ता लाने में सफल रहे, यहां सोचना होगा कि जनता का मन कैसे जीतें

पीलीबंगा/हनुमानगढ़, 17 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने और राजनीतिक ताकत दिखाने निकले सचिन पायलट ने मंगलवार को एक बार फिर पेपर लीक प्रकरण का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार ने कार्यवाही की है, कुछ लोगों को पकड़ा है, लेकिन एक के बाद एक प्रकरण हो रहा है, इससे मन आहत होता है। पुख्ता इंतजाम करना पड़ेगा। कोई कितना भी बड़ा ताकतवर व्यक्ति हो, किसी भी पद पर हो, नेता हो, अधिकारी हो, किसी दल का भी हो, कहीं का भी हो, अगर बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करेगा, उसको हम कभी नहीं बख्शेंगे। उसको सूद समेत सजा मिले यह बात हम हमेशा बोलते हैं, पार्टी भी बोलती है और मुझे उम्मीद है, कि बहुत जल्द इस दिशा में काम होगा।

- पेपर लीक मामले में सुबह गहलोत ने नेता- अधिकारियों को क्लीन चिट दी, दोपहर में पायलट ने कहा, कोई कितना भी बड़ा हो, नेता हो, अधिकारी हो, उसको सूद समेत सजा मिले, ऐसा करके दिखाना होगा।
- किसानों की समस्याओं पर उन्होंने कहा, हम सिर्फ भाषण दें, घोषणा करें, अपने समय को निकालें, तो किसी के जीवन काल में उसका कोई मतलब नहीं।

दरअसल सचिन पायलट ने यह बात तब कही जब नागौर में पेपर लीक प्रकरण पर उनके भाषण के बाद मंगलवार को सुबह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेपर लीक प्रकरण पर नेता और अधिकारियों को क्लीन चिट दी थी। पायलट ने पीलीबंगा में आयोजित किसान सम्मेलन में कहा कि जब बच्चे मेहनत करते हैं, पढ़ाई करते हैं, पैसे इकट्ठा करके किताब खरीदते हैं। मेहनत करके परीक्षा देते हैं और वहां उनको पता चलता है कि पेपर लीक हो गया, परीक्षा रद्द हो गयी। वो भी दुखी होते हैं, हम भी दुखी होते हैं। जो भी ऐसा काम करता है

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पीलीबंगा में आयोजित कार्यक्रम में एक बार फिर मुखर होकर पेपर लीक मामले में अपनी ही सरकार को घेरा। पायलट ने शीला दीक्षित, तरुण गोगोई व राजशेखर रेड्डी का नाम लेकर कहा कि, आखिर क्यों सिर्फ राजस्थान में ही सरकार रिपीट नहीं हो पाती। पायलट ने मंगलवार को पीलीबंगा में किसानों व आम लोगों की जनसभा को संबोधित किया। जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।

इसी के साथ सचिन पायलट ने राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं होने का मुद्दा उठाया तथा कई उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में शीला दीक्षित लगातार 15 साल मुख्यमंत्री रहीं, सरकार रिपीट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के अंतिम दिन गृह मंत्री अमित शाह ने जे.पी. नड्डा के कार्यकाल पर व्याप्त सस्पैंस हटा दिया और एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में उनका कार्यकाल एक साल के लिए जून 2024 तक बढ़ाने की घोषणा की।

पार्टी के प्रवक्ताओं की प्रैस कॉन्फ्रैंस में नड्डा के कार्यकाल की घोषणा की गई थी। बाद में शाह ने इस निर्णय की घोषणा की जिसका प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रखा था। शाह ने कहा कि नड्डा ने पार्टी का अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व किया है। नड्डा का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला आम सहमति से हुआ है क्योंकि वे 2020, गत तीन वर्ष से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। नड्डा का कार्यकाल इस माह के अंत में खत्म

- भाजपा के पार्टी प्रवक्ताओं की प्रैस कॉन्फ्रैंस में नड्डा के कार्यकाल विस्तार की घोषणा रोक दी गई थी। बाद में गृह मंत्री अमित शाह ने एक अलग प्रैस कॉन्फ्रैंस में इस संबंध में घोषणा की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

17 साल पहले पति विमान हादसे में मारा गया और अब पत्नी भी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। सन् 2006 में, एक छोटी नेपाली एयरलाइन का पायलट प्लेन क्रैश में मारा गया। उसकी विधवा, अंजू खातीवाड़ा ने अपने पति के सपने को आगे बढ़ाने का प्रण लिया। उसने अपने परिवार के विरोध के बावजूद नर्सिंग करियर छोड़कर अमेरिका में पायलट की ट्रेनिंग ली। सन् 2010 में उसने उसी कम्पनी, येती एयरलाइन्स, के लिए हवाई जहाज उड़ाना शुरू कर दिया।

- नेपाल एयरलाइन के 2006 के विमान हादसे में मारे गए पायलट की पत्नी अंजू खाटीवाड़ा ने अपने पति का सपना आगे बढ़ाने के लिए नर्सिंग छोड़कर पायलट का करियर चुना था, हालिया विमान हादसे में वो भी मारी गईं। इन दिनों नेपाल में इस युगल की कहानी बहुत चर्चित हो रही है।

रविवार को 44 वर्षीय कैप्टन अंजू के साथ भी नियति ने वही खेल रचा, जो उसके पति के साथ रचा था। पर्यटन स्थल पोखरा में लैंडिंग स्ट्रिप के पास जो प्रॉपलर विमान दुर्घटना

(शेष पृष्ठ 5 पर)

‘वरुण गांधी से मिलकर बहुत अच्छा लगा’

पर राहुल गांधी ने यह भी जोड़ा कि, वे वरुण गांधी की आर.एस.एस. जनित सोच का कभी समर्थन नहीं कर सकते

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। अपनी सैद्धांतिक धारणा को परिभाषित करने के एक अन्य प्रयास के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज स्पष्ट किया कि वह अपने चचेरे भाई एवं भाजपा सांसद वरुण गांधी से प्रेम से मिल सकते हैं किन्तु राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की जिस विचारधारा से वे बंधे हुए हैं, उसका समर्थन कभी नहीं कर सकते।

वर्तमान में पंजाब में जारी भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुत गांधी ने यह कहते हुए कोई संदेह या अटकल शेष नहीं छोड़ी की प्रतिद्वंदी भाजपा के सैद्धांतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्यालय जाने के बजाए वह अपना सिर कटवाना अधिक पसंद करेंगे।

वायनाड के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान कई बार और उससे पहले भी अपनी सैद्धांतिक विचार प्रक्रिया को स्पष्ट किया है, लेकिन आज उन्होंने वरुण गांधी को लेकर जो बात कही है, वह वर्ष 2004 से शुरु हुए अब तक के उनके 18 वर्ष लम्बे राजनीतिक जीवन के दौरान हुए सैद्धांतिक क्रमिक विकास की एक पारिभाषिक पहचान है।

- वरुण गांधी का भाजपा से मोह भंग हो रहा है, यह काफी उजागर हो गया था, जब से उनकी मां मेनका गांधी को द्वितीय मोदी मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं किया गया था।
- इसके बाद वरुण द्वारा लिखे लेख व भाषणों में उनकी प्र.मंत्री मोदी व भाजपा से नाराज़गी साफ झलकने लगी थी।
- इससे कयासबाजी शुरु हुई थी कि, वरुण अपनी पार्टी बदलेंगे।
- पर, वह पार्टी कांग्रेस नहीं हो सकती, यह राहुल गांधी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में स्पष्ट किया।

यात्रा के दौरान आयोजित एक प्रैस कांफ्रैंस में राहुल गांधी ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि “वरुण गांधी भाजपा में हैं। यदि वे यहां आते हैं तो उनके लिए समस्या हो सकती है। मेरी विचारधारा उनकी विचारधारा से मेल नहीं खाती। मैं आर.एस.एस. के दफ्तर कभी नहीं जा सकता। इससे पहले आपको मेरा सिर काटना होगा। मेरे परिवार की एक विचारधारा है, एक विचार प्रक्रिया है। वरुण ने जिस विचारधारा को स्वीकार किया और शायद आज भी करते हैं, उन्होंने उसे अन्तर्निहित कर लिया है, मैं उसे स्वीकार नहीं कर सकता।”

राहुल ने रहस्योद्घाटन किया कि वरुण गांधी ने कई वर्ष पूर्व यह कहने की कोशिश की थी कि आर.एस.एस. अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि “मैंने उन्हें बताया था कि यदि आपने पढ़ा और देखा होता कि हमारा परिवार किस विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है तो आपने आर.एस.एस. की विचारधारा को स्वीकार नहीं किया होता।”

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान पीलीभीत की सार्वजनिक रैलियों में दिए अपने भाषणों में एक समुदाय विशेष के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के कारण कभी सुर्खियां बने वरुण गांधी पिछले कुछ समय से विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी खुद की ही पार्टी भाजपा को परेशान करते

(शेष पृष्ठ 5 पर)

400 दिन में हर मतदाता से संपर्क का मंत्र दिया मोदी ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक के मंगलवार को हुए समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी

- भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन पर उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, चुनावों में 400 दिन बचे हैं तब तक हर एक वोटर, खासकर 18 से 25 साल के युवा मतदाता से संपर्क किया जाना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्र.मंत्री ने कर्नाटक के मसले में पुनः हस्तक्षेप किया

येदियुरप्पा से प्र.मंत्री मोदी ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान अलग से15 मिनट बात की

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा से नाराज़ चल रहे बी.एस. येदियुरप्पा से मुलाकात कर उन्हें मनाया और शांत किया। येदियुरप्पा को शिकायत थी कि कर्नाटक में पार्टी के मामलों में उनकी अनदेखी की जा रही है।

कर्नाटक से प्राप्त खबरों से संकेत मिलता है कि भाजपा का यह सीनियर नेता स्थानीय नेताओं द्वारा अपने साथ किए गए बर्ताव से किस प्रकार से खिन्न था और इसे लेकर भी कि भाजपा के दक्षिण भारत में पैर जमाने में महत्वपूर्ण रहे इस नेता का तब अपमान किया गया जब भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने कर्नाटक का दौरा किया था।

- येदियुरप्पा काफी नाराज़ दिख रहे थे, स्थानीय नेताओं द्वारा उनकी अवहेलना करने से।
- प्र.मंत्री के हस्तक्षेप करने की आवश्यकता शायद इसलिए हो गई थी, क्योंकि चार बार कर्नाटक के मु.मंत्री रहे येदियुरपपा आज भी राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।
- एक बार पहले वे नाराज़ होकर भाजपा छोड़कर चले गये थे, तथा अपनी पार्टी बना ली थी। हालांकि, येदियुरप्पा की पार्टी ने सीटें नहीं जीतीं थीं, पर, उनकी विद्रोही की भूमिका भाजपा की हार का प्रमुख कारण बनी थी।

पिछले दिनों ही जब प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में सभाओं को संबोधित किया था, तब तीन मौकों पर येदियुरप्पा को आमंत्रित नहीं किया गया था।

येदियुरप्पा के अपमान और उनकी अनदेखी पर कांग्रेस एक उत्साह और उम्मीद के साथ पहले से ही नज़र बनाए हुए है क्योंकि उसका मानना है कि येदियुरप्पा की नाखुशी और गुस्सा कांग्रेस के लिए एक अच्छी खबर हो सकता है। स्मरण रहे कि अपनी अनदेखी किए जाने को लेकर येदियुरप्पा पहले भी भाजपा छोड़कर एक नई पार्टी का गठन कर चुके हैं। हालांकि उनकी पार्टी विधानसभा चुनावों में जीत तो नहीं पायी थी, लेकिन उसने भाजपा की हार को सुनिश्चित किया था।

वे प्रधानमंत्री मोदी ही थे, जिन्होंने येदियुरप्पा को घर वापसी करने और अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करने के लिए राजी किया था। इतना ही नहीं कांग्रेस या जनता दल (सैक्यूलर) से भाजपा में शामिल हुए कई विधायक पार्टी के इस सीनियर नेता का आदर करते हैं और उनका अनुसरण करते हैं। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए येदियुरप्पा को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री का हस्तक्षेप करना और यह सुनिश्चित करना कि इसको लेकर पार्टी में कोई प्रतिकूल घटना ना हो जाए, बिल्कुल सहज था।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के इस नेता से15 मिनट बात की। येदियुरप्पा के समर्थक फिलहाल चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन पार्टी के सूत्र आशान्वित है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। कर्नाटक के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके येदियुरप्पा इस बड़े पद से हटाए जाने के बाद स्वयं को चर्चाओं से दूर रखे हुए थे, यद्यपि उन्हें पार्टी की सर्वोच्च निर्णय इकाई भाजपा संसदीय बोर्ड में एक शीर्ष पद दिया गया था।

येदियुरप्पा कर्नाटक और भाजपा की राजनीति में इसलिए प्रासंगिक बने हुए हैं क्योंकि राज्य के सशक्त लिंगायत

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सचिन पायलट के दौरों से कांग्रेस के सत्ता व संगठन में हलचल मची

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि, यह पार्टी संगठन का कार्यक्रम नहीं है

जयपुर, 17 जनवरी (का.प्र.)। सचिन पायलट को संयम रखने के लिए जाना जाता है और 4 साल से ज्यादा समय तक उन्हें पूरा संयम रखा है। इसी क्रम में वे एक कांग्रेस नेता के रूप में किसान सम्मेलन कर रहे हैं। दूसरी ओर प्रदेश की कांग्रेस सरकार और संगठन पायलट के दौरे पर निकलते ही अपना संयम खोते नजर आ रहे हैं।

यही कारण है कि जहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समय से पहले बजट लाने की घोषणा कर दी है, तो वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने सचिन पायलट के दौरे को अधिकृत बताया है।

ऐसा करके डोटासरा ने कांग्रेसजनों को पायलट के कार्यक्रमों से एक तरह से दूरी बनाए रखने की हिदायत देने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं डोटासरा ने तो 20 जनवरी से जिला स्तरीय कार्यक्रम करने की भी घोषणा कर दी।

- पायलट के दौरों में व्यवधान डालने के मकसद से उन्होंने 20 जनवरी से जिला स्तरीय कार्यक्रमों की घोषणा भी की।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी 8 फरवरी को बजट प्रस्तुत करने की घोषणा की।

जयपुर में मंत्रियों के 2 दिन के शिविर के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि इस बार वह 8 फरवरी को बजट प्रस्तुत करेंगे। यानी कि यह बजट समय से पहले प्रस्तुत होने वाला है, जबकि प्राय: होता यह है कि केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद ही राजस्थान का बजट रखा जाता है, लेकिन इस बार बजट समय से पहले प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने काम में देरी करने वाले अधिकारियों को सीधे बर्खास्त करने की बात भी कही है। हालांकि अधिकारियों को चेतावनी तो कई बार दी गई है, लेकिन कार्यवाही के नाम पर सरकार कभी भी सख्त नजर नहीं आई।

इधर सचिन पायलट के दौरे को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि पायलट के कार्यक्रम संगठन के कार्यक्रम नहीं हैं, लेकिन जो भी व्यक्ति कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है और पार्टी की मजबूती के लिए काम करता है- चाहे वह एमएलए हो, मंत्री हो या कार्यकर्ता हो, तो उससे किसी को एतराज नहीं हो सकता।

डोटासरा ने कहा कि संगठन के कार्यक्रम वह होते हैं जो या तो एआईसीसी की ओर से घोषित किए जाएं या फिर उन्हें प्रदेश कांग्रेस द्वारा घोषित किया जाए, जैसे कि राजस्थान में 20 जनवरी से कांग्रेस संगठन के जिला स्तरीय कार्यक्रम होने जा रहे हैं।

कड़ाके की ठंड में भी पायलट के स्वागत के लिए भीड़ डटी रही

बीकानेर, 17 जनवरी (कासं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सोमवार की देर रात जब बीकानेर के सर्किट हाउस में पहुँचे तो वहाँ, तेज़ सर्दी के बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उनके स्वागत के लिए जमा थी।

गाड़ी से उतरकर पायलट सर्किट हाउस के हॉल में पहुँचे वहाँ भी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ के कारण कुछ टेबल -कुर्सियाँ क्षतिग्रस्त हो गई थीं। आखिरकार सचिन पायलट हॉल से बाहर आकर सर्किट हाउस परिसर के लॉन उनका इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं से रुबरु हुए तथा हर उपस्थित कार्यकर्ता

- सचिन पायलट रात दस बजे बीकानेर सर्किट हाउस पहुंचे। भारी ठंड के बावजूद भी कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भीड़ उनके स्वागत में मौजूद थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पहले से तीन गुना बड़ा शोरुम अब राजापार्क में
WINTER SALE
मीनू ड्रेसेज
315, उदय मार्ग, नियम LBS कॉलेज, गली नं. 7, राजापार्क, जयपुर

विचार बिन्दु

पछतावा हृदय की वेदना है और निर्मल जीवन का उदय। –शेक्सपियर

पूंजीवादी व्यवस्था में नया पनप रहा डिजिटल सामंतवाद

नई डिजिटल तकनीकी क्रांति के प्रभाव से वैश्विक पूंजीवाद के भीतर हो रहे परिवर्तनों को समझने के लिए विशेषज्ञ लगे हुए हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 'एल्गोरिद्म पूंजीवाद', 'संज्ञानात्मक पूंजीवाद', 'संचार पूंजीवाद', 'डेटा पूंजीवाद', 'डिजिटल पूंजीवाद', 'प्रतिरोधहीन पूंजीवाद', 'सूचनात्मक पूंजीवाद', 'प्लेटफ़ॉर्म पूंजीवाद', 'अर्द्ध-पूंजीवाद', 'नियंत्रक पूंजीवाद' और 'आभासी पूंजीवाद' जैसे कुछ नाम और विशेषण अनेक विशेषज्ञों ने और कुछ मसखरों ने दे भी डाले हैं। हाल ही में पूंजीवाद के वर्गीकरण की जो नई अवधारणा प्रस्तुत की गई है वह उसके प्रचलित अर्थों को पीछे छोड़ देती है। यह नयी अवधारणा पूंजीवाद से आगे की भावना वाली नहीं है। फिलहाल तो इसे डेटा की पूंजी बनाने वालों और अंतर्जाल – नेट – पर जानकारियां हासिल करने वाले उपयोगकर्ताओं की दुनिया के लिए एक प्रतिगामी कदम के रूप में ही देखा जा रहा है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि वाम और दक्षिण दोनों पंथों के लिए 'डिजिटल सामंतवाद', 'तकनीकी-सामंतवाद', 'सूचना सामंतवाद', 'नव-सामंतवाद' नये संकेत शब्द बन गए हैं। अकादमिक तथा बुद्धिजीवी लोग मानते हैं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के सबसे उन्नत क्षेत्रों की अवधारणा को अभी ठीक-ठीक समझना बाकी है। इसमें वामपंथियों के सबसे प्रतिभाशाली दिमाग वाले दिग्गज भी अभी अंधेरे में ही भटक रहे हैं कि इसे कैसे समझा जाय और कैसे लिया जाय! उनके सामने मुश्किल यह है कि गूगल, अमेजॉन, और फ़ेसबुक जैसे विराट सूचना-तकनीकी प्लेटफॉर्म जो पुराने जमाने के श्रमिकों के पूंजीवादी शोषण की तरह अपना मुनाफा नहीं बनाते हैं, तो क्या उन्हें जमींदारी के नए मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए, ऐसे गैर-उत्पादक मालिक के रूप में, जो अपने नेटवर्क-प्रभुत्व और एकाधिकार की पकड़ का लाभ उठाते हुए पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में किसी और जगह से उत्पन्न विज्ञापन से आय पाने के लिए 'डेटा-सेट' और 'एल्गोरिद्म' पर निर्भर करते है? या वे एल्गोरिद्म निगरानी के जरिये उपयोगकर्ता के डेटा को संकलित करने और उन्हें उड़ा ले जाने से अमीर बन रहे हैं? बेदखल करके संठाह करने की पुरानी प्रवत्ति की ही भांति क्या यह डिजिटल बेदखली नहीं है?

यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि इक्कीसवीं सदी के तकनीकी दिग्गजों ने सूचना और ज्ञान पर अपने नियंत्रण अर्थात 'बौद्धिक एकाधिकार' से हमें प्रभावी ढंग से अपने अधीन कर लिया है और अब वे उत्पादन प्रक्रिया में शामिल हुए बिना भी बड़ी खूबसूरती से 'सरप्लस मूल्य' हासिल कर लेते है। इसे समझने के लिए गूगल का उदाहरण लिया जा सकता है। डेटा एकत्र करने पर गूगल के एकाधिकार का व्यवसाय मॉडल काफी हद तक किसी वस्तु के उत्पादन पर निर्भर करता है और वह है 'खोज परिणाम' यानी 'सर्च रिज़ल्ट' या यूं कहें कि 'मानव ज्ञान के विशाल भंडार तक वास्तविक समय में पहुंच'। गूगल इसे 'मुफ़्त' उपलब्ध कराता है ताकि वह विज्ञापनदाताओं को अपने उपयोगकर्ताओं तक लक्षित पहुंच देने की बिक्री कर सके। किन्तु इसे क्लासिकल बौद्धिक एकाधिकार नहीं कह सकते क्योंकि जिन वेब पेजों को गूगल क्रमबद्ध करता है वे उनके बनाने वालों की अमूर्त संपत्ति बनी रहती है। उन्हें वास्तव में तो अपनी संपत्ति के उपयोग करने वाले गूगल से किसी भी लाइसेंस शुल्क पाने का अधिकार छोड़ना पड़ता है। इसी पृष्टभूमि में अब वैचारिक जगत में इस बात पर बहस शुरू हुई है कि हमारा आधुनिक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से एक सामंती शक्ति के रूप में संगठित हो रहा है और वह हमारी मौजूदा शक्ति संरचनाओं और स्वतंत्रता को चुनौती देने लगा है।

सामंतवाद की सामान्य अवधारणा यह है कि स्वामित्व वाला एक अपेक्षाकृत छोटा वर्ग उत्पादक वर्ग से काम लेकर बिना कुछ किए धरे मुनाफा कमाता है। इसके लिए यह वर्ग विभिन्न प्रकार की परोक्ष और अपरोक्ष रूप से राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्थाओं का उपयोग करता है। दूसरी तरफ उत्पादक वर्ग के पास आम तौर पर बहुत कम विकल्प होते हैं और वह प्रभावशील नहीं होता है। डिजिटल जगत में उपयोगकर्ता ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं तब उन्हें अक्सर पता ही नहीं होता कि ऐसा करते हुए वे अपने कितने डेटा प्लेटफ़ॉर्म चलाने वालों के साथ साझा कर दे रहे होते हैं। इन डेटा का उपयोग प्लेटफ़ॉर्म के मालिक अपने लिए मूल्य पैदा करने के लिए करते हैं। हमारे वर्तमान डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और सामंती समाजों के बीच इतनी अधिक समानताएं हैं कि यह बेहिचक कहा जा सकता है कि डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र, विशेष रूप से सोशल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र, एक वास्तविक सामंती समाज विकसित कर रहा है। आधुनिक सोशल मीडिया और उसके डेटा विज्ञान का पारिस्थितिकी तंत्र सामंती सामाज और आर्थिक व्यवस्था के ढांचे की ही झलक देता हैं। पुराने सामंती ज़माने में किसान-मजदूर लोग खेती, पशुपालन और कारखानों में अपने श्रम का समर्पण करते थे। अब इस नई प्रणाली में डेटा उत्पादन और समर्पण का काम होता है। इस प्रणाली के स्वामी टेक कंपनियों के संचालक होते हैं। इसीलिए यह भी माना जा रहा है कि यह संपूर्ण बुनियादी ढांचा उपयोगकर्ता के डेटा का संग्रह करने और उसके शोषण पर खड़ा है।

> **आधुनिक इंटरनेट के साथ यह चेतावनी हमेशा होती है कि जो कुछ भी ऑर्डर किया जाता हैं या कहा जाता हैं, उसे कोई ट्रैक करेगा, चाहे वह किसी के जीवन के लिए कितना भी आवश्यक क्यों न हो। नेट के उपयोगकर्ता के पास यह विकल्प ही नहीं बच रहा है कि वह उसमें शामिल न हों।**

बाज़ार की ताकतें दावा करती हैं कि सोशल मीडिया में तो ;स्वैच्छिक भागीदारी; या सहमति होती है। यहां कोई किसी को मजबूर नहीं करता जैसे पुराने जमाने में जमींदार करते थे। डेटा साइंस और सोशल मीडिया इकोसिस्टम पर चर्चा करने वाले किसी भी व्यक्ति के सामने अनिवार्य रूप से यही तर्क रखा जाता है कि सोशल मीडिया में तो भागीदारी स्वैच्छिक है।

फौरी तौर पर देखने पर यह एक प्रभावी तर्क लगता है। लेकिन यह भी सभी जानते हैं कि सामान्यतः सहमति टूटती है और आधुनिक डिजिटल डेटा व्यवस्था में आम भागीदार की निजता कोई महत्व नहीं रखती। इसलिए नई प्रौद्योगिकी जनित डिजिटल मीडिया में राजनीति, नैतिकता और मूल्यों के अंतरसंबंधों की भी बड़ी समस्या है। डेटा की साझेदारी की सहमति को मध्ययुगीन किसानों के ;स्वेच्छा से; अपना श्रम देने के समान ही देखा जा सकता है। वहां स्वेच्छा नहीं थी, मजबूरी थी। आज भी खुद का डेटा देने के लिए एक तरह से बाध्यता ही है। उपयोगकर्ता की जानकारी पाने के लिये उसे अपना डेटा सौंपने के लिए क्लिक करवा ही लिया जाता है। हालांकि मध्ययुगीन समाज की तुलना में आधुनिक समाज में हालत वैसी क्रूर नहीं है जैसे जागीरदारों के आतंकी काल में होती थी। अब लगभग सभी व्यक्तिगत और व्यावसायिक संचार डिजिटल होने लगे हैं, उनमें शामिल न होने की छूट होती है किन्तु ऐसा करने से इनकार करने वाला उस व्यवस्था से बाहर हो जाता हैं। समकालीन समाज में यह लगभग असंभव है कि कोई डिजिटल व्यवस्था में भागीदारी न करने का विकल्प चुने। क्योंकि सरकारें भी आम नागरिक से संपर्क डिजिटल मंच पर करने लगी हैं।

संदेश भेजने और सूचनाएं पाने के डिजिटल मंच तो अब जीवन की जरूरत बन गये हैं। अब तो सरकारी नौकरियों के लिए तथा शिक्षण संस्थानों में आवेदन भी ऑनलाइन ही करने पड़ते हैं। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कई विकलांग और अन्य व्यक्तियों के लिए, डिजिटल जरिया ही एकमात्र विकल्प है, जो उन्हें मजबूरन पूर्ण समर्पण की ओर ही धकेलता है। आधुनिक इंटरनेट के साथ यह चेतावनी हमेशा होती है कि जो कुछ भी ऑर्डर किया जाता हैं या कहा जाता हैं, उसे कोई ट्रैक करेगा, चाहे वह किसी के जीवन के लिए कितना भी आवश्यक क्यों न हो। नेट के उपयोगकर्ता के पास यह विकल्प ही नहीं बच रहा है कि वह उसमें शामिल न हों। भागीदारी के संदर्भ में, मध्ययुगीन सामंतवाद और डिजिटल सामंतवाद के बीच सिर्फ यही अंतर है कि कोई भी व्यक्ति अब केवल एक मंच के साथ बंधा नहीं है। इसके बजाय, प्रत्येक व्यक्ति के पास विभिन्न डिजिटल प्रबंधकों के लिए उसके दायित्वों का एक जाल होता है, जिनमें से प्रत्येक उपयोग के बदले में अलग-अलग डेटा की मांग होती है जिसे पूरी करनी पड़ती है। जिन लोगों के गोपनीयता से सरोकार हैं, उनके लिए सवाल यह है कि वे अपने कितने डेटा को सरेंडर करने के लिए तैयार हैं और क्या उनका व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन उनके निर्णयों के अनुकूल है।

परंपरागत रूप से, जब कर्मचारी काम कर रहे होते हैं तब उनका समय उनका अपना नहीं होता है, और उसके नियोक्ता को उसके सामान्य कार्यक्रम, उसकी उत्पादन क्षमता और कार्य शैली के बारे में सब पता होता है। लेकिन अब नियोक्ता के अलावा एक अन्य तीसरे-पक्ष या कंपनी को भी उन सभी चीज़ों की जानकारी होती है, और वे आपके डेटा को अन्य कंपनियों से एकत्रित किए गये डेटा के साथ साझा कर सकते हैं। किसी कर्मचारी का समय और कार्य आउटपुट उसके नियोक्ता से संबंधित तो हो सकता है, लेकिन अब कोई और कंपनी भी उनका उपयोग करती है। व्यावसायिक वातावरण में क्लाउड-आधारित सेवाओं से यह नई स्थिति बन गई है। पहले के संप्रभु डिजिटल वातावरण में स्थानीय कॉर्पोरेट सर्वर के पास डेटा भंडारण के दायित्व और अधिकार होते थे मगर अब इन दायित्वों तथा अधिकारों का उपयोग तीसरा पक्ष करता है। यह भी सच है कि कई मामलों में, आपका नियोक्ता ठीक उसी स्थिति में हो सकता है जैसे आप अपने डेटा को सौंपने के मामले में हैं। अब तो 'ऑफिस 365' जैसी क्लाउड-आधारित सेवाएं व्यवसायों को आक्रामक रूप से अपनी तरफ खींच रही हैं जिसमें उपयोगकर्ता का निर्णय कोई मायने नहीं रखता। डेटा संग्रहण कंपनियां जोर देती हैं कि किसी एक व्यक्ति के डेटा का कोई सार्थक मूल्य नहीं है। उनका मूल्य कुल मिलाकर बनाता है। इस 'ब्लाइंड स्पॉट' का फायदा उठाया जाता है। व्यक्तिगत डेटा कार्यात्मक रूप से किसी काम का नहीं हो लेकिन कुल डेटा बड़ी कंपनियों के मूल्यांकन को बनाए रखने के लिए पर्याप्त होता है। यही डिजिटल सामंतवाद है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

बाँझ पोस्टमार्टम : आहत मातृत्व

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

चीरघर की ओर शवपरीक्षा (पोस्टमार्टम) के लिए जाते हुए फोरेन्सिक विभाग प्रमुख ज्यूरिस्ट डॉ. लाट ने अपने सहयोगी से पूछा, 'क्या केस है ?' 'जी एल्यूमीनियम फोसफाइड पोइजनिंग का' सहयोगी डॉक्टर ने उत्तर दिया।

'आत्महत्या ?' मन-ही-मन सोचते हुए डॉ. लाट ने संक्षिप्त सवाल किया । उन्हें ध्यान आया कि एल्यूमीनियम फोसफाइड नामक इस कीटनाशक से होने वाली यह तीसवीं मौत है जिसका पोस्टमार्टम वे करने जा रहे हैं। तीस मौत और वे भी केवल एक साल के दौरान।

'जी, आत्महत्या' सहयोगी डॉक्टर से अपने प्रश्न का उत्तर सुनकर सोच में डूबे डॉक्टर लाट कुछ चौंके। वे लंबे समय से इस पद पर काम कर रहे हैं लकिन उन्होंने जहर खाकर मरने वालों की इतनी संख्या एक साल में कभी नहीं देखी। इस कीटनाशक को खाकर तो काई भी नहीं बचा। तो क्या उस नए कीटनाशक के कारण ही इतनी मौतें हो रही हैं? इसी कीटनाशक को खाकर इतने लोग मरे हैं, इसका मतलब है यह सरलता से सुलभ है। अगर यह कीटनाशक इतना खरतनाक जहर है तो इसकी बिक्री पर रोकथाम क्यों नहीं है?

उन्होंने इस विषय में अधिकारियों का ध्यान भी दिलाया था। स्वयं खुद भी कलक्टर आदि से मिले थे। लेकिन किसी ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया। वरन् कुछ ने तो कहा जिसे आत्महत्या करनी है वह यह नहीं तो कोई और जहर खाएगा, या और कुछ करेगा। लेकिन डॉ. लाट जानते थे कि हर जहर खाने वाला आत्महत्या नहीं करना चाहता। भावावेश में अनेक ऐसा कर बैठते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे मरना चाहते हैं। खतरनाक जहर का घरों में सहज उपलब्ध होना डॉक्टर लाट के ख्याल से ठीक नहीं था। उन्होंने प्रश्न पूछकर सहयोगी डॉक्टर से मृत स्त्री के आत्महत्या करने का कारण जानना चाहा।

उत्तर तीसरे डॉक्टर ने दिया। "जी, बाँझपन को लेकर पति-पत्नि में कहा-सुनी हुई थी। शादी को सात साल हो चुके थे। घर के सभी लोग इसके लिए पत्नी को दोषी मानते थे। पति दूसरी शादी करना चाहता था और इसीलिए चाहता था कि पत्नी छोड़कर चली जाए। तकरार के समय सामने अलमारी में कीटनाशक गोलियाँ रखी थीं, बस, तैश में आकर उसने डब्बी खोली और गोली खा ली।"

महिला को जब वार्ड में लाया गया था वह बिलकुल होश में थी। उसे खूब प्यास लग रही थी। कुछ साँस भी उखड़ी हुई थी। सुन्दर और हृष्ट-पुष्ट उस महिला को उस समय देखकर कोई यह सोच भी नहीं सकता था कि वह कुछ ही समय की मेहमान है। करने को सभी कुछ किया गया लेकिन जैसा कि डॉक्टर अनुभव से जानते थे, उस जहर में किसी दवा का कुछ असर नहीं होता। गोली पेट में जाते ही तीव्र गति से जहरीली गैस पैदा करती है जो शीघ्र ही सारे शरीर में फैल जाती है। और फिर कोई ऐसी दवा नहीं जो जहर खत्म कर सके। जहर का कोई एन्टीडोट उपलब्ध नहीं था।

महिला का कुछ समय बाद रक्तचाप गिरना शुरू हुआ तो किसी दवा से ऊपर नहीं उठा। बेहोशी आई और देखते-देखते दो घंटे में सब खत्म हो गया।

चीरघर के पास लोग डॉक्टर को आता देख उठ खड़े हुए थे। कुछ लोगों ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। इन बुझे चेहरे, मासूम और चुप बैठे लोगों में पति कौन था, कहना मुश्किल था।

हाथ के कागज पेन नीचे कर दारोगा और साथ के सिपाही ने सलाम की तो डॉ. लाट ने पूछा, 'क्या, शुरू करें?'

'जी हाँ' दारोगा ने कहा। 'शिनाख्त करवा ली है। पंचनामा भी करीब-करीब पूरा हो गया है। आप शुरू करें सर, वरना शाम हो जाएगी।'

चीरफाड़ करने वाले कर्मचारी ने डॉक्टरों के अंदर घुसने के बाद स्वयं अंदर आकर दरवाजा बंद कर लिया। यहां बनी गैलरी में खड़े होकर डॉक्टरी पढ़ने वाले छात्र शव-परीक्षा देखते हैं।

नीचे टेबल पर शव पड़ा था। इशारा पाकर लाश पर से चादर हटा दी गई। डॉ. लाट ने अपने सहयोगी को लिखाना शुरू किया, "शरीर सुगढ़, अच्छी कदकाठी, पोषण अच्छा, अंग सब ठीक, स्तनों का उभार अच्छा, यौन परिपक्वता के लक्षण मौजूद, रंग गोरा, ओठ हलके नीले, नाखूनों पर नीलापन नहीं, नाक मुँह में झाग नहीं, बाहरी कोई चोट नहीं।"

कुछ रूककर उन्होंने लाश की पीठ दिखाने को कहा। कर्मचारी ने अभ्यस्त हाथों से पलटकर लाश की पीठ दिखाई और साथ ही उसके हाथ-पाँव मोड़कर दिखाए।

डॉ. लाट ने लिखाया, "मरणोत्तर जमा होने वाला खून नहीं, मरणोत्तर शारीरिक ऐठन नहीं।"

उनके चुप होते ही कर्मचारी ने हाथ में चाकू उठा लिया और इशारा पाते ही एक लम्बा नश्तर ठुड्डी से जनेंद्रियों तक लगा दिया। अपने सधे हाथों से कर्मचारी अपना कार्य करने में व्यस्त हो गया।

डॉक्टर लाट ने अपने सहयोगी से पूछा, 'कितनी गोलियाँ खाई थी ?'

'जी, सिर्फ एक' सहयोगी ने उत्तर दिया। किसी बात पर नाराज होकर इसके पति ने 'बाँझ, कुशगुनी' का ताना दिया था इसी को लेकर कहा-सुनी हुई और इसने तैश में आकर पास पड़ी कीटनाशक की डब्बी उठा ली। पति कहता है कि 'उसने छीना तब तक तो वह खोलकर एक गोली गटक चुकी थी। अस्पताल भी जल्दी ही ले आए थे। अस्पताल में भी करने को सभी कुछ किया लेकिन......।'

बीच में ही दूसरे डॉक्टर ने कहा, "एल्यूमीनियम फोसफाइड खाकर आज तक तो कोई बचा नहीं साहब। बहुत ही खतरनाक जहर है। किसी दवा का असर ही नहीं होता।"

"सर एल्यूमीनियम फोसफाइड का प्रचलन घरेलू कीटनाशक के रूप में बंद होना चाहिए।" पहले डॉक्टर ने जोड़ा। "जब से कंपनी ने घरेलू कीटनाशक के रूप में इसका विज्ञापन किया है और बिक्री बढ़ाई है, तभी से यह मौतें शुरू हुई हैं और सब तो....."

"हाँ, इस साल की तो यह तीसवीं मौत है" डॉ. लाट ने बीच ही में कहा, "कुछ करना पड़ेगा। कलेक्टर और यहाँ के अधिकारियों से बात करने से कुछ हुआ नहीं।"

तभी पसलियाँ काटकर कर्मचारी सीना खोल चुका था। डॉ. लाट उतरकर पास आ गए। फेफड़े दिखाए गए, कुछ नहीं था। हृदय दिखाया गया, उसमें भी विशेष कुछ नहीं था, जो हालत थी वह डॉ. लाट ने लिखा दी।

पेट खोला गया। आमाशय, यकृत, प्लीहा, गुर्दा, एक-एक कर सब अंगों को देखा गया, डॉ. लाट देखते रहे, जरूरत के अंगों के टुकड़े जाँच के लिए रखे गए। पेट की सभी शिराएँ खून से खूब भरी हुई थीं और खूब फैली हुई थीं। इसके अलावा किसी भी अंग में और कुछ भी नहीं मिला।

बाँझपन का केस था अतः जननेंद्रियों का परीक्षण विशेष रूप से किया गया। डिंबकोश बिलकुल ठीक थे।

गर्भाशय को देखकर डॉ. लाट ने कहा, "है तो सर्वथा स्वस्थ्य लेकिन कुछ बड़ा नहीं लग रहा ?"

'हाँ, थोड़ा-सा तो लग रहा है।' सहयोगी डॉक्टर ने कागज पर नोट करते हुए सहमति व्यक्त की।

गर्भाशय को काट कर खोला गया। अंदर महीन स्पंजनुमा तंतुओं का गुच्छा-सा था जिसे तीनों डॉक्टर आश्चर्य से देखने लगे। डॉ. लाट ने पूछा, 'यह क्या है ?'

सहयोगी ने उत्तर दिया, "मालूम नहीं साहब, कोई विल्लस ट्यूमर लगता है। शायद इसी के कारण बाँझ रही हो।"

डॉ. लाट ने गर्भाशय को पैथोलोजी विभाग में भेजने के आदेश दिए।

शव परीक्षा खत्म होने पर उन्होंने कर्मचारी से कहा, "ठीक से सिलाई और अच्छी तरह से साफ कर जल्दी बॉडी दे देना।"

दूसरे रोज डॉ. लाट के पास पैथोलोजी के प्रोफेसर डॉ. चौबे का फोन आया।

"कल पोस्टमार्टम किया वह क्या केस था ?" फोन पर डॉ. चौबे ने पूछा।

"एल्यूमीनियम फोसफाइड की गोली खाकर आत्महत्या का। स्त्री बाँझपन से दुखी थी। गुस्से में पति ने कुछ कड़वी बात कह दी और तैश में औरत ने गोली खा ली।" डॉ. लाट ने बताया।

'कुछ कर नहीं रहे तो पाँच मिनट के लिए यहाँ आओ।' डॉ. चौबे ने कहा तो 'अभी आया' कहकर डॉ. लाट उठ खड़े हुए। सहयोगी डॉक्टर भी साथ हो लिये। लेब में डॉ. चौबे सफेद कोट पहने बैठे थे। पास में टेक्नीशियन और डॉक्टर खड़े थे। एक ट्रे में वही स्पंजनुमा तंतुओं का गुच्छा रखा था जो गर्भाशय में मिला था।

उनके पहुँचते ही डॉ. चौबे ने कहा, "बाँझपन की बात इन लोगों को मालूम नहीं है, जरा इन्हें भी बता दो।"

सहयोगी डॉक्टर बता रहा था तो पैथोलोजी विभाग के काफी डॉक्टरों के चेहरे पर घोर आश्चर्य का भाव देखकर डॉ. लाट सकपका गए । उन्होंने प्रश्नसूचक नजरों से डॉ. चौबे की ओर देखा।

डॉ. चौबे ने बिना कुछ बोले ही फोरसेप्स उठाई और उस गोल गुच्छे में लगाए गए नस्तर के किनारों को अलग हटा दिया।

जो दिखा उसे देखकर डॉ. लाट और उनके सहयोगी डॉक्टरों के मुँह आश्चर्य से खुले रह गए। गुच्छे के अंदर के कोने में था नन्हा-सा एक महीने का गर्भस्थ भ्रूण और जिसे वे जालनुमा ट्यूमर समझे थे वह था गर्भ के चारों ओर का आवरण जिससे गर्भ गर्भाशय से जुड़ा रहता है।

- डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

मेहंदीपुर बालाजी में होगा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

मेहंदीपुर बालाजी (नि.सं.)। विश्वविख्यात सिद्धपीठ आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी के बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पीठाधीश्वर श्री महंत नरेश पुरी महाराज की अध्यक्षता एवं पावन सानिध्य में विशाल राधा कृष्ण जी के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा व श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन समस्त भक्त जनों के सहयोग से होने जा रहा है। संस्कृत कॉलेज के पीछे पिछले एक महा से भागवत पांडाल को तैयार किया जा रहा था। जो अब बनकर पूरी तरह तैयार हो गया है।

भागवत कथा के लिये सजा मेंहदीपुर बालाजी धाम।

भागवत कथा पंडाल सहित पूरे बालाजी मंदिर, राम मंदिर सहित सभी मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है । पाटोली बाईपास से लेकर मेहंदीपुर बालाजी मंदिर तक रंगीन रंग बिरंगी लाइट लगाई गई हैं।

बालाजी मंदिर से लेकर बालाजी मोड़ तक व सभी धर्मशालाओं को भी रंगीन लाइटों से सजाया जा रहा है। 22 जनवरी को विशाल कलश यात्रा पाटोली बाईपास से शुरू होगी कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में भी काफी उत्सुकता है । सात दिनों तक प्रसिद्ध भागवताचार्य मृदुल कृष्ण महाराज जी के मुखारविंद से होने वाली भागवत कथा शाम 6:00 बजे से रात्रि 9:00 तक होगी जिसमें विश्ववख्यात कलाकारों द्वारा अलग-अलग दिन भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। यहां जगह-जगह प्रवेश द्वार भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम में राजस्थान सहित अनेकों राज्यों से भी लोग पहुंचेंगे। भागवत कथा के पोस्टर भी जगह-जगह लगाए जा रहे हैं।22 जनवरी को श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा में प्रसिद्ध धर्मगुरु भी शामिल होंगे। कलश यात्रा के दौरान महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज, धर्मगुरु रविशंकर महाराज अयोध्या हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी राजू दास महाराज, उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी सहित बड़ी संख्या में धर्मगुरु कलश यात्रा में शामिल होंगे।

देश छोड़कर भागती प्रतिभाओं को कौन रोकेगा?

रामगोपाल जाट

पिछले दिनों एक आंकड़ा सामने आया कि भारत से हर दिन 550 युवा देश छोड़कर दूसरे देशों में बस रहे हैं। इस आंकड़े को 365 से गुणा कर लिया जाये तो संख्या 2,00,750 हो जाती है। पिछले साल आईएमएफ की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत, चीन जैसे देशों से उद्योगपति अपना देश छोड़कर स्थाई रूप से दूसरे देशों में बस रहे हैं। भारत से यह संख्या करीब 5 लाख सालाना बताई गई थी, जिनको बेहतर औधोगिक वातावरण नहीं मिलने, टैक्स अधिक होने और सिंगल विंडो की सुविधा के अभाव में ऐसे देशों में जाना पड़ रहा है, जहां पर सुविधाएं कारोबार के अनुकूल होती हैं। सोचनीय बात यह है कि उनका पसंदीदा स्थल अमेरिका या ब्रिटेन नहीं हैं, जो अकसर काफी समृद्ध माने जाते हैं, बल्कि ये लोग सिंगापुर और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में बस रहे हैं।

सवाल यह उठता है कि जो देश अगले चार साल में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने का दम भर रहा है, ऐसे देश की बड़ी प्रतिभाएं विदेश क्यों भाग रही हैं? हर दिन जो 550 युवा देश छोड़ रहे हैं, वे ऐसे हैं, जिनको उच्च अध्ययन के उपरांत अपना भविष्य बनाने की चिंता है। उनको ऐसा लगता है कि भारत में रहकर वे अपनी प्रतिभा के साथ ठीक से न्याय नहीं कर पायेंगे। जनसंख्या बहुत अधिक होने के कारण क्या अपनी बहुमुखी प्रतिभाओं को विदेश जाने के लिये मजबूर किया जाये ।

क्या इसीलिये आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का दम भरा जाता है, कि वैश्विक व्यापारी भारत में आकर व्यापार करे कि हमारी प्रतिभाएं जब काम करने की स्थिति में आईं तो विदेश भाग गईं? क्या यह अति सोचनीय विषय नहीं है कि जो देश आज सामाजिक, सांस्कृतिक और सभ्यता के स्तर पर दुनिया को नेतृत्व देने की स्थिति में दिखाई देने लगा है, जिस देश के पास अपनी पुरातन संस्कृति की अकूत संपदा मौजूद है, उसकी नव प्रतिभाएं जब सेवाएं देने का समय आये, तब ऐसे देश में चली जायें, जहां उनका कोई रिश्ता-नाता नहीं है?

इन प्रश्नों का उत्तर देश की केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उच्च जिम्मेदार अधिकारियों और बुद्धिजीवी लोगों की तरफ से मिलना चाहिये, क्योंकि इन्हीं के उपर इस बात की जिम्मेदारी है कि देश का युवा, जो वर्कफॉर्स बनने की स्थिति में देश छोड़कर नहीं भागे, उसको यहीं पर उचित संसाधन और अपनी प्रतिभा दिखाने, देश के विकास में भागीदार बनने का अवसर मिले। आज भारत को जरूरत इस बात की है कि अधिक से अधिक डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक और उद्योगपति विकास के लिये यहीं रहें और यहीं पर अपनी प्रतिभा से दुनिया को चकित करें।

जब भारत हर दिन अपनी 550 प्रतिभाएं खोयेगा, तो एक दिन ऐसा भी आ जायेगा, जब हमारे पास केवल द्वितीय या तृतीय स्तर की प्रतिभाएं बचेंगी, बाकी एक नंबर की सभी प्रतिभाएं उन देशों में सेवाएं दे रही होंगी, जिनका उनका निखारने में कोई योगदान नहीं था। अतः सरकारों को चाहिये कि जो युवा भारत में ही अपना उद्योग लगाना चाहता है, डॉक्टर बनकर देश सेवा करना चाहता है, शिक्षक बनकर देश का भविष्य बनाना चाहता है या इंजीनियर बनकर भारत के निर्माण में अपना योगदान देने की इच्छा रखता है, उसको उचित और सम्पूर्ण संसाधन सरकार के स्तर पर उपलब्ध करवाये जायें, ताकि उसकी प्रतिभा की असामयिक मृत्यु ना हो ।

यह बात सही है कि हम आंत्रपन्योरशिप के स्तर पर दुनिया को चकित कर रहे हैं, केंद्र सरकार भी अपनी पीठ थपथपाती है और जब कोई नया कारोबारी अपने दम पर शिखर को छूता है तो सरकारें खुद का किया बताने लगती हैं। तब यह वास्तविकता भी देख लेनी चाहिये कि हर दिन 550 युवा नये कारोबारी विदेश में क्यों बस जाने को बेबस हैं? जब हम यह दावा करते हैं कि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में सर्वाधिक डॉक्टर-वैज्ञानिक भारत के सेवाएं दे रहे हैं, तब यह भी ध्यान रखना होगा कि नये युवाओं को विदेश जाने से रोकने के उचित और सम्पूर्ण उपाय कैसे किये जायें?

इंटरनेट के इस जमाने में हम बहुत कुछ एक बटन दबाकर हासिल कर सकते हैं। धन होने पर कुछ भी खरीदने की क्षमता भी हमें मिल जाती है। किंतु जब बात युवाओं देश छोड़ने और उनकी प्रतिभा को उचित अवसर नहीं मिलने की आती है, तब उनको बचाने की बेहद आवश्यकता महसूस होती है। आज भारत के पास टाटा, बिडला, महेंद्रा, अडानी, अंबानी जैसे उद्योग घराने हैं, लेकिन ये सब अपने दम से यहां तक पहुंचे हैं। इनको कोई सरकार मदद देकर बड़ा नहीं बना पाई है। अन्यथा इनके जैसे जाने कितने प्रतिभाशाली लोग या तो देश छोड़कर चले गये या यहीं पर संसाधनों के अभाव में घुट-घुटकर दम तोड़ चुके हैं। हमारा लाचार और भ्रष्ट सरकारी तंत्र तो वैसे ही प्रतिभा की हत्या करने को हमेशा तैयार रहता है। ऐसे में जो नये कारोबारी पनप रहे हैं, जो अपने दम पर पढ़-लिखकर वैज्ञानिक या डॉक्टर बनकर विदेश जा रहे हैं, उनको रोकना, उनको उचित संसाधन उपलब्ध करवाना और एक ऐसा वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जिसके कारण ये लोग भारत को ही अपना सब कुछ माने और यहीं पर अपना भविष्य देखें, उसको संवारें, देश की सेवा में अपना योगदान करें और नई प्रतिभाओं के लिये रॉल मॉडल बन सकें।

- रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 18 जनवरी, 2023

माघ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र सांय 5:23 तक, वृद्धि योग रात्रि 2:56 तक, बालव करण सांय 4:03 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से सांय 5:23 तक है। राजयोग सांय 4:30 से सांय 5:23 तक है। आज बुध मार्गी सांय 6:40 पर होगा। आज षटतिला एकादशी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:59 तक, शुभ 11:18 से 12:37 तक, चर 3:15 से 4:34 तक, लाभ 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कर्क
परिजनों का व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

'प्रदेश में हर रात 12 बजे से पहले बंद करने होंगे बार और क्लब'

राजस्थान मंत्रिपरिषद् के दो दिन के चिंतन शिविर में यह निर्णय हुआ

- 'शराब के ठेके रात 8 बजे बाद भी खुले मिले तो थानेदार-एसपी जिम्मेदार होंगे'
- 8 फरवरी को विधानसभा में पेश होगा बजट, महिलाओं व युवाओं पर फोकस होगा
- पूरे देश में सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू किया जाए, संसद में इसका बिल लाया जाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में हर रात 12 बजे से पहले बार-क्लब बंद करने होंगे। शराब के ठेके अगर रात 8 बजे बाद भी खुले मिले तो जिम्मेदार थानेदार और पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) जिम्मेदार होंगे और उन पर एक्शन लिया जाएगा। मंत्रिपरिषद के दो दिन के चिंतन शिविर में यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिविर के आखिरी दिन मंगलवार को पत्रकारों से रूबरू होकर इस फैसले की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजकल गली-गली में बार खुल रहे है, जो कि रात 3-4 बजे तक ये खुले रहते हैं, इसे रेगुलेट करने का तो बाद में देखेंगे, लेकिन अभी ये तय किया गया है कि बार चलाने वाले रात साढ़े 11 बजे से रात 12 बजे के बीच इन्हें बंद कर दें। पुलिस की जिम्मेदारी होगी कि इस फैसले की पालना हो।

गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार का पांचवां और अंतिम बजट 8 फरवरी को विधानसभा में पेश किया जाएगा। इस बजट में यूथ और महिलाओं पर फोकस किया जाएगा। पिछली बार किसानों के लिए अलग से बजट पेश किया था। गहलोत ने कहा कि आज कैबिनेट में एक प्रस्ताव पास हुआ है। इसमें केन्द्र सरकार से मांग की गई हैं कि पूरे देश में सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू किया जाए। संसद में इसका बिल लाया जाए। गहलोत ने कहा कि यूपीए राज में नरेगा, सूचना का अधिकार जैसे कानून बनाए गए। आज देश को जरूरत हैं कि सभी को ये सुरक्षा मिले। गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार एक करोड़ लोगों को पेंशन दे रही है।

अपहृत युवक से फिरौती वसूली

जयपुर। प्रताप नगर इलाके में एक युवक का अपहरण कर मारपीट के बाद फिरौती वसूलने का मामला सामने आया है।

जांच-अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया मूलतया गंगापुर सिटी हाल अशोक विहार, जगतपुरा निवासी विष्णु मीणा (25) ने रिपोर्ट दी है। आरोप है 26 जनवरी को दोस्त के जन्मदिन पर इलाके स्थित खंडेलवाल ढाबा पर आया था। यहां रात 9 बजे करीब अखिल, मनोज, नेहरू और शैतान जबरन कार में अपहरण कर ले गए। रास्ते में उसके साथ मारपीट की, शराब पिलाई और कपडे खोल कर अश्लील हरकत की। जेब में रखे 8 हजार रूपए छीन लिए और 2 लाख रूपए की फिरौती मांगी। पीड़ित ने अपने भाई से 50 हजार रूपए आरोपियों को फोन पे कराए, तब जाकर सुनसान जगह पर छोड़ कर फरार हो गए।

पुलिस के अच्छे काम सोशल मीडिया पर बताएं : डीजीपी

जयपुर (कासं)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए राजस्थान पुलिस के सकारात्मक और अच्छे कार्यों के बारे में आमजन को बताने की जरूरत है। राजस्थान पुलिस ने सोशल मीडिया पर बहुत ही कम समय में अच्छी पकड़ बनाई है। इस समय ट्विटर पर 7 लाख 41 हजार फॉलोवर्स है। मिश्रा मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय सोशल मीडिया प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत कर रहे थे। कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) सुनील दत्त व अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

दरअसल सरदार पटेल यूनिवर्सिटी जोधपुर और राजस्थान पुलिस के मध्य एमओयू हुआ है। इसके तहत राजस्थान पुलिस के जवानों को साइबर सुरक्षा के संबंध में 9 माह का ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। एमओयू पर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) सुनील दत्त ने हस्ताक्षर किए। डीजीपी ने सोशल मीडिया पर फेक न्यूज के संबंध में तत्काल फेक्टचेक कर फेक्न्यूज के प्रसारण को रोकने एवं वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने गलत जानकारी के जरिए पुलिस के बारे में दुष्प्रचार का प्रयास करने के संबंध में भी सतर्कता बरतने का आग्रह किया। कोरोना के समय पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर सकारात्मक छवि बनाई है।

पुलिस के जवानों को साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए सरदार पटेल यूनिवर्सिटी जोधपुर और राजस्थान पुलिस के बीच एमओयू हुआ।

पंकज सिंह डिप्टी एन.एस.ए. बने

जयपुर (कासं)। नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी में राजस्थान के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी पंकज सिंह डिप्टी एनएसए की भूमिका निभाएंगे। केंद्र सरकार ने मंगलवार शाम इस संबंध में आदेश जारी कर दिए।

इससे पहले सिंह बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स में डीजी का पद भी संभाल चुके हैं। वह पिछले महीने ही रिटायर्ड हुए हैं। वह राजस्थान में एसपी से लेकर आईजी और एडीजी के पदों पर काम कर चुके हैं। राजस्थान से जाने से पहले वह एडीजी ट्रैफिक के पद पर तैनात थे।

गौरतलब है कि राजस्थान के 1988 कैडर के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार सिंह का जन्म 1962 में लखनऊ में हुआ था। आईपीएस में चयन के बाद पहली पोस्टिंग 1990 में सहायक पुलिस अधीक्षक जोधपुर पूर्व के पद पर हुई थी। अपने कार्यकाल में वह एक साल के लिए बोस्निया में डेपुटेशन पर गए थे। अगस्त 1999 में सिंह सीबीआई में दिल्ली में पुलिस अधीक्षक के रूप में गए। साल 2002 में सीबीआई ने दिल्ली में ही उप महानिरीक्षक पुलिस के पद पर पदोन्नत हुए। अगस्त 2007 में पदोन्नित पर आईजी जयपुर रेंज का कार्यभार संभाला। 2009 में आईजी कार्मिक राजस्थान, 2010 में आईजी कानून एवं व्यवस्था-प्रशासन रहे।

'ए.एस.पी. दिव्या ने परिवादी के पिता को गिरफ्तार करने की धमकी देकर घूस देने का दबाव बनाया'

बताया जा रहा है कि दिव्या मित्तल ने सात जनवरी की बातचीत के बाद परिवादी को अजमेर एसओजी ऑफिस से एक और नोटिस देकर 10 जनवरी को अपने पिता के साथ बुलाया था

- सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया कि आरोपी एएसपी ने परिवादी को धमकाते हुए कहा कि पहले भी गुरनानी ने रुपए नहीं दिए तो उसको भी गिरफ्तार किया था। बेइज्जती का दाग एक बार लग गया तो फिर कभी नहीं धुलेगा। तुम बिजनेसमैन हो ज्यादा बारगेनिंग मत करो।

जयपुर। एनडीपीएस के मामले में दवा कारोबारी को राहत देने के एवज में दो करोड़ की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल ने परिवादी को गिरफ्तार करने की धमकी देकर रुपए देने के लिए दबाव बनाया था।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच पड़ताल में सामने आया कि आरोपी एएसपी दिव्या मित्तल ने परिवादी से कहा कि अगर रुपए नहीं दोगे तो हमें आगरा पहुंचकर तुम्हारे पिता को गिरफ्तार करना होगा। उन्होंने परिवादी को धमकाते हुए कहा कि पहले भी गुरनानी ने रुपए नहीं दिए तो उसको भी गिरफ्तार किया था। बेइज्जती का दाग एक बार लग गया तो फिर कभी नहीं धुलेगा। तुम बिजनेसमैन हो ज्यादा बारगेनिंग मत करो। एएसपी ने कहा कि तुम्हें उदयपुर वाले रिसोर्ट पर जाकर रुपए देने होंगे। इस पर परिवादी ने अजमेर में ही 25 लाख रुपए की व्यवस्था कर देने को कहा। दिव्या मित्तल ने कहा कि थोड़ी देर आपके पास कॉल आएगा। इसके बाद बता देंगे कि रुपए कहा देने हैं। इस बीच एसीबी ने करीब दो घंटे की यह सारी बातचीत सीक्रेट वॉइस रिकॉर्डर के जरिए कैद कर ली। एसीबी ने परिवादी की शिकायत पर एक कांस्टेबल को उसके साथ तैनात कर दिया था। जब भी एएसपी और दलाल का फोन आता तो परिवादी उसके सामने ही उनसे बात करता था। कांस्टेबल परिवादी के साथ आगरा भी गया था, जहां दलाल सुमीत का दो दिन बाद वाटसएप कॉल आया था। 7 जनवरी को परिवादी ने दिव्या मित्तल और दलाल के नम्बरों पर फोन किया था, लेकिन दोनों ने ही फोन नहीं उठाया था। इसके बाद दोपहर को दलाल ने परिवादी को वाटसएप कॉल किया और पेमेंट के बारे में पूछा। परिवादी ने उसे बताया कि उसके पिता एक करोड़ रुपए नहीं दे सकते। ज्यादा से ज्यादा दस लाख रुपए ही दे सकते हैं। इस पर दलाल ने फोन काट दिया। इस बीच कांस्टेबल ने दलाल का फोन रिकॉर्ड कर लिया। इस मामले में एसीबी के पास यह आरोपियों के खिलाफ पहला सबूत था। दिव्या मित्तल ने सात जनवरी की बातचीत के बाद परिवादी को अजमेर एसओजी ऑफिस से एक और नोटिस देकर 10 जनवरी को अपने पिता के साथ बुलाया था। इस पर परिवादी ने मेल पर ही 10 जनवरी को आने में असमर्थता जताते हुए 12 जनवरी तक का समय मांगा था। परिवादी अपने दोस्त और कॉन्स्टेबल के साथ 10 जनवरी की सुबह ऑफिस जयपुर पहुंच गया। वहां पूरी डिटेल लेने के बाद 12 जनवरी के लिए ट्रैप की प्लानिंग करनी शुरू कर दी गई। विकास को भी ट्रैप की रकम का इंतजाम करने के लिए कहा गया। अगले दिन 11 जनवरी को परिवादी एसओजी ऑफिस पहुंचा और बताया कि उसने 25 लाख रुपए की व्यवस्था कर ली है। इसके अलावा 25 लाख रुपए के डमी नोट भी लाया है। तय हुआ कि एक करोड़ की रिश्वत में से मित्तल और दलाल सुमित को पहली किस्त 50 लाख रुपए देते हुए ही ट्रैप कर लिया जाएगा। दिव्या के उदयपुर के फार्म हाउस, जयपुर के फ्लैट, अजमेर में दो जगह मकानों पर निरंतर सर्च चल रही है। हालांकि अभी तक एसीबी ने दिव्या की सम्पत्ति को लेकर कोई खुलासा नहीं किया हैं। सूत्रों की माने तो एसीबी दिव्या के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा भी दर्ज कर सकती है। एसपी दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी की जानकारी एसओजी और कार्मिक विभाग को दे दी गई है। वहीं, दिव्या मित्तल के कार्यालय में उनकी टेबल पर रखी हुई इस केस से जुड़ी फाइल के अलावा तीन और फाइलों को सीज कर दिया गया है।

सार-समाचार

शिविर में 300 रोगियों की जांच

जयपुर। नव इम्पीरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर और आर्यन कविया स्मृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में स्व. रामसिंह कविया की स्मृति में सोमवार को सेवापुरा में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब तीन सौ रोगियों की जांच व परामर्श दिया गया। संस्थान के अध्यक्ष अजीत सिंह और सचिव कंचन कविया ने बताया कि इस अवसर पर कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी सुरेंद्र सिंह कविया, राजपूत सभा के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, ग्राम पंचायत सेवापुरा के सरपंच रोहिताश भूमला आदि मौजूद रहे। शिविर में डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. महेश जांगिड़, डॉ. मोहित बोहरा, डॉ. मनीषा दाधीच, डॉ. अभिनंदन सिंह सहित उनकी टीम मौजद रही।

इन्टर कॉलेज फेस्ट 'गूंज' आयोजित

जयपुर, (का.सं.)। लाल बहादुर शास्त्री पी.जी. कॉलेज में दो दिवसीय इन्टर कॉलेज फेस्ट "गूंज-2022" का मंगलवार को शुभारम्भ हुआ। जिसमें प्रथम दिन चार अन्तर- महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं जैसे रंगोली, पोस्टर मेकिंग, स्टैंड अप कॉमेडी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रागेश्वर तिवारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुदित गुप्ता एवं निर्णायक मण्डल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में प्रो. (डॉ.) विजय कुमार झा, इतिहास विभाग, विजय सिंह पथिक पी.जी. कॉलेज, महावीर, डॉ. नन्दिनी गुप्ता, प्राचार्या, लाल बहादुर शास्त्री महिला टीटी कॉलेज, जयपुर, डॉ. निधि बंसल, सहायक आचार्य, रसायन शास्त्र विभाग, जे.ई.सी.आर.सी. विश्वविद्यालय, जयपुर, डॉ. हार्दिक पाठक, विभागाध्यक्ष, बॉयो टेक्नोलॉजी विभाग, जे.ई.सी. आर.सी. विश्वविद्यालय, डॉ. आशुतोष शर्मा, प्राचार्य, सेंट जेवियर्स कॉलेज, फागी, डॉ. रेखा शर्मा, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग, विजय सेन्ट्रल एकेडमी, जयपुर रहे। डॉ. झा ने समान नागरिक संहिता संबंधी कानून की व्याख्या करते हुए भारतीय संविधान के नियमों को बताया साथ ही समाज के लिए अनुपयुक्त कानूनों को हटाने का सुझाव दिया। रंगोली प्रतियोगिता में वन्दना सोनी, बियानी गर्ल्स कॉलेज, जयपुर, पोस्टर मेकिंग में विशाखा हेमानी, महारानी कॉलेज, जयपुर, स्टैंड अप कॉमेडी प्रतियोगिता में तनिष अग्रवाल तथा वादविवाद प्रतियोगिता में लाल बहादुर शास्त्री पी. जी. महाविद्यालय के अभिनव भंडारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम दिन जयपुर के 25 प्रतिष्ठित महाविद्यालयों से लगभग 120 प्रतियोगियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. सुनिता अग्रवाल, संयोजिका, सह-शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधि द्वारा किया गया।

चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान के मौन कला साधक स्व. नरेंद्रसिंह चौहान की स्मृति में आज उनके चित्रों की प्रदर्शनी जवाहर कला केंद्र की सुरेख कला दीर्घा में आयोजित की गई। इस अवसर पर शहीदों के घर घर जाकर तैल चित्र भेंट करने वाले चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता एवं वरिष्ठ चित्रकार वीरेंद्र बन्नू को शॉल ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र व 5100 रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

फार्म पॉन्ड में मिला महिला का शव

जयपुर। सिरसी रोड पर बिंदायका इलाके में फार्म पॉन्ड में मंगलवार सुबह एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बिंदायका थाना पुलिस ने लोगों की मदद से लाश को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिजवाया। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि पॉन्ड में भरे पानी में कूदकर महिला ने सुसाइड किया है। पुलिस ने बताया कि पिण्डलोई गांव में बने खेत में स्थित फार्म पॉन्ड में बुजुर्ग महिला का शव पड़ा मिला। सुबह करीब 10:45 बजे स्थानीय लोगों को फार्म पॉन्ड में शव पड़ा दिखाई दिया था। लाश मिलने का पता चलने पर लोगों में सनसनी फैल गई। बिंदायका थाना पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शव को पॉन्ड से बाहर निकाला। मृतका की पहचान प्रेम देवी (45) पत्नी मंगल चंद निवासी मांचवा के रूप में हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिवजाया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि प्रेम देवी कैंसर की बीमारी से पीड़ित थी। सुबह करीब 9 बजे वह घर से मॉर्निंग वॉक पर जाने की कहकर निकली थी। पुलिस ने टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए। पानी में डूबने से प्रेम देवी की मौत हुई है। वह कैंसर बीमारी के चलते काफी दिनों से डिप्रेशन में चल रही थी।

महेन्द्र प्रताप बने मीडिया प्रभारी

जयपुर। श्री राजपूत करण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने जिला संयोजक जितेन्द्र सिंह राजावत की सहमति से महेन्द्र प्रताप सिंह को जयपुर जिला का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है।

आवास निर्माण में देरी बर्दाश्त नहीं : अरोड़ा

राजस्थान आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा (बीच में) ने मंगलवार को मुख्यालय भवन में अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनआवास योजना के तहत बन रहे आवास तय समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। संवेदक या अधिकारियों के स्तर पर देरी या लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अरोड़ा मंगलवार को मंडल मुख्यालय पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत प्रताप नगर के सेक्टर 3, 8, 26 और 28 के अलावा इंदिरा गांधी नगर के सेक्टर 7 में बन रहे आवासों के निर्माण कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का विश्वास है कि मंडल उन्हें गुणवत्तायुक्त आवास उपलब्ध कराएगा। उन्होंने किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के भी निर्देश दिए। आयुक्त ने सभी सेक्टरों में बन रहे निर्माण कार्यों का पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रस्तुतिकरण देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान आवासों में बिजली-पानी कनेक्शन, सीवरेज लाइन, पौधारोपण सहित अन्य कार्यों की भी समीक्षा की गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत प्रताप नगर के विभिन्न सेक्टरों में कुल 3358 और इंदिरा गांधी नगर के सेक्टर 7 में कुल 732 विभिन्न श्रेणियों के फ्लैटों का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश में मंगलवार को नया करोना संक्रमित नहीं मिला

जयपुर (कासं)। प्रदेश में पिछले सप्ताह से करोना संक्रमण को लेकर काफी राहत बनी हुई है। इसके चलते मंगलवार को प्रदेश में कोई नया संक्रमित नहीं मिला है। वहीं इस बीच एक और मरीज के ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 4 रह गए हैं।

प्रदेश में पिछले तीन दिन में दूसरी बार मंगलवार को भी कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। इससे पहले 15 जनवरी को भी राज्य में एक भी नया संक्रमित सामने नहीं आया था। हालांकि सोमवार को केवल सीकर में ही एक मरीज पाया गया था। इधर राजधानी जयपुर में आज लगातार चौथे दिन भी कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। अब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

राज्य में मंगलवार को 1 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 4 रह गए हैं। इनमें जैसलमेर, जोधपुर, सीकर और उदयपुर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर प्रदेश में कोविशील्ड की वैक्सीन की 1.5 लाख डोज की खैप आई है। ये वैक्सीन मंगलवार को जयपुर से दूसरे जिलों में भिजवाई गई। बुधवार से सभी जिलों के चुनिंदा सेंटर्स पर कोविशील्ड वैक्सीन लग सकेगी।

जयपुर के आठ हजार सफाई कर्मचारी आज से हड़ताल पर

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के 8 हजार सफाई कर्मचारी आज से हड़ताल पर उतर गए हैं। ऐसे में अब जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था बिगड़ना तय है। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि इस हड़ताल में न केवल सफाई कर्मचारी काम बंद रखेंगे, बल्कि हूपरों पर काम कर रहे ठेके के कर्मचारियों को भी जोडेंगे।

दरअसल ग्रेटर व हैरिटेज निगम में कार्यरत 8 हजार सफाई कर्मचारी पिछले लम्बे समय से अपनी मांगें प्रशासन के समक्ष रख रखे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अब स्वच्छता सर्वेक्षण सिर पर आते ही कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने का फैसला ले लिया। मंगलवार दोपहर बाद सैकड़ों कर्मचारियों व संगठन के पदाधिकारी नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर भी जुटे और प्रदर्शन किया।

ज्ञात रहे कि वर्तमान में जयपुर के दोनों नगर निगम में 8200 सफाई कर्मचारी है, जो शहर की मुख्य सड़कों पर झाड़ू लगाने और कचरा उठाने का काम करते है। इसके अलावा शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का काम अलग से ठेकेदारों के जरिए करवाया जा रहा है। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि सफाई कर्मचारियों के 4500 रिक्त पदों पर भर्ती, इस भर्ती में 2018 से पहले मस्टर रोल पर लगे कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की मांग की गई। साथ ही 1995 से पहले कोई कर्मचारी 45 वर्ष की आयु के बाद गंभीर बीमारी से पीड़ित हो जाता था, तो उसके परिवार के किसी भी आश्रित को नौकरी लगाई जा जाए। अभी दूसरे कई राज्यों में अभी भी यह व्यवस्था लागू है। ऐसे में उन्होंने प्रदेश में इस व्यवस्था को लागू करने की भी मांग उठाई है। आंदोलन के तहत डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए जो हूपर घरों पर जाएंगे उन्हें भी रोका जाएगा। डंडोरिया ने बताया कि हमारी मांग है कि सफाई कर्मचारियों की भर्ती में वाल्मीकि समाज को शत प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। नगरीय निकायों के कर्मचारियों का वेतन राज्य निधि कोष से दिया जाए। सफाई कर्मचारियों की भर्ती नियमों में संशोधन किया जाए।

- हड़ताल के कारण शहर की सफाई बिगड़ना तय

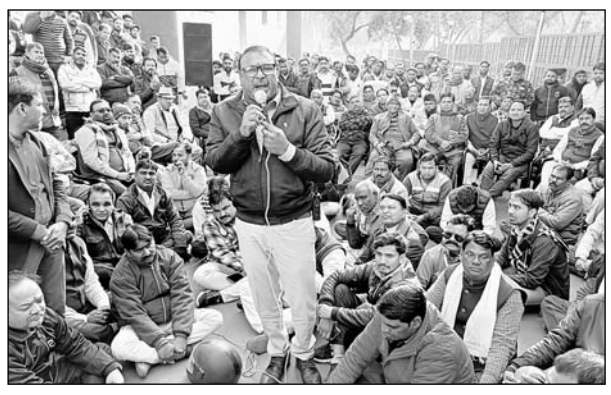

ग्रेटर निगम मुख्यालय पर आंदोलन की रूपरेखा बनाने जुटे सफाई कर्मचारियों को संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने संबोधित किया।

'राजस्थान जैसे पेपर लीक तो कई राज्यों में हुआ, बीजेपी तो बेवजह हल्ला कर रही है'

मंत्रिपरिषद् के चिंतन शिविर के बाद प्रैस कॉफ्रेंस में मुख्यमंत्री गहलोत ने खुद की पीठ थपथपाते हुए कहा कि "राजस्थान में पेपरलीक करने वालों को हमने जेल भेजा, उनके मकान तक तोड़े"

- चिरंजीवी योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम, पुलिस थानों में आवश्यक रूप से एफआईआर दर्ज कराने जैसे फैसले को दोहराते हुए भी सीएम ने खुद की तारीफों में कसीदे गढ़े

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान की तरह भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक और भी राज्यों में हुए हैं, लेकिन हमारा जैसा सख्त एक्शन कहीं नहीं हुआ। जो कर्मचारी लिप्त थे, उन्हें बर्खास्त कर जेल भेजा, उनका मकान तोड़ दिया। जो बच्चे पकड़े जाएंगे उनको हमेशा के लिए परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य कर दिया। बीजेपी तो बेवजह हल्ला कर रही है। राजस्थान मंत्रिपरिषद् के दो दिवसीय चिंतन शिविर के बाद पत्रकारों से रूबरू होकर गहलोत ने खुद की यह तारीफ की। गहलोत ने राजस्थान की कानून-व्यवस्था को दूसरे राज्यों से बेहतर बताते हुए खुद की पीठ थपथपाई।

मुख्यमंत्री यहां तक कहा कि करौली दंगा, उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड व राजसमंद में रेल की पटरियों को बम से उडाने वाले बदमाशों को पुलिस ने तुरंत पकड़ा। राजू ठेहद खुद अपराधी था, उसके हत्यारों को भी पुलिस ने पकड़ा। इसके बाद चिरंजीवी योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम, पुलिस थानों में आवश्यक रूप से एफआईआर दर्ज कराने व स्वागत कक्ष बनाने जैसे फैसले को दोहराते हुए गहलोत ने खुद के शासनकाल की तारीफों में कसीदे गढ़े। यहां तक कि राजस्थान में भ्रष्टाचारियों पर लगातार एसीबी द्वारा पकड़े जाने को भी जीरो टोलरेंस नीति बताया। गहलोत ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में वर्ष 2021 में 2019 की तुलना में करीब 5 प्रतिशत अपराध कम दर्ज हुए हैं। जबकि मध्यप्रदेश, हरियाणा, गुजरात व उत्तराखंड समेत 17 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में यह आंकड़ा बेहद ज्यादा है। गुजरात में अपराधों में करीब 69 प्रतिशत, हरियाणा में 24 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में करीब 20 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान में पुलिस थानों में अनिवार्य एफआईआर पंजीकरण नीति से दर्ज केस जरूर बढ़े हैं, लेकिन पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल रहा है। पहले पुलिस थानों में आमजन से तू-तड़ाक से बात होती थी, अब पीड़ित परिवार थाने में अथवा एसपी ऑफिस में मामला दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बलात्कार के प्रकरणों में राजस्थान में सजा का प्रतिशत करीब 48 है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर ये मात्र 28.60 प्रतिशत है। प्रदेश में वर्ष 2019 में महिला अपराधों की 45.28 प्रतिशत, 2020 में 44.77 प्रतिशत एवं 2021 में 45.26 प्रतिशत एफआईआर जांच में झूठी निकली।

ARBiT
it happens here...

Get A Balanced Life Month

We are obsessed with getting our lives into some sort of a balanced state. Since time has been so considerate, we shall look into the month known as Get A Balanced Life Month. Seeing as how it starts near the beginning of a new year, we would say that Get A Balanced Life Month is for those hoping for a new start to get their lives into some sort of order and balance, to relieve the stresses of everyday life.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
18 January 2023
A-B

#NEW BEGINNINGS

Expansion of French Language & Culture

The Alliance Francaise of Jaipur opened its doors recently with a scintillating cultural evening at Pink City's multi arts and culture centre, Jawahar Kala Kendra.

A view of the performance by Dastangoi Collective, Poonam Girdhani (left) and Rajesh Kumar (right).

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Dr. BD Kalla addressing the audience.

The opening of an Alliance Française in the historic city of Jaipur reflects the deep links between France and the Pink City, and will contribute to our growing cooperation with Rajasthan. It will provide language courses to students of all ages and backgrounds, and will allow everyone to engage with French culture in its manifold aspects, including history, gastronomy and the arts. The Alliance also hosts the office of Campus France, the French agency that helps foreign students access higher education in France, as France is keen to welcome more students from Rajasthan. "This was stated by the Ambassador of France to India, Emmanuel Lenain on the occasion of the opening of the Alliance Française of Jaipur recently. With the opening of this center, which is the 15th Alliance Française network in India, French language and culture will now be more accessible than ever to the citizens of the Pink City.

The French Ambassador to India, H.E. Mr Emmanuel Lenain addressing the audience.

History of Alliance Française

The Alliance Française (AF) is a non-profit organization established to promote French language and culture throughout the world. It was founded in 1883 by two French historians, Pierre Foncin and Pierre Cambon, who were deeply committed to the development of Francophonie and expansion of French culture globally. The Alliance Française network in India comprises 15 Alliances Françaises, AF Jaipur being the latest to join the ranks. The promotion of Francophonie and the French language remains one of the biggest objectives of the Alliances all over the world.

The AF of Jaipur will regularly host events including exhibitions, seminars, online and offline meetings with eminent French personalities, concerts, French cinema showings, French theatre performances, literary readings, etc. What is particularly significant is that all of these events happen in a true spirit of collaboration with Indian partners, cultural practitioners, artists, students, etc. and not as an imposition of one culture over the other.

A cultural treat

The inauguration of AF Jaipur was marked by a remarkable cultural evening. During the cultural performance, the French story 'The Little Prince' by the renowned french author Antoine de Saint-Exupéry, was adapted into the ancient Urdu art of storytelling, Dastangoi. The perfomance was given by Poonam Girdhani and Rajesh Kumar of the Dastangoi Collective. The evening also witnessed a special opening act by the celebrated puppets of Barefoot College, Tilonia where the iconic Jokhim Chacha led the audience into the evening.

The Minister of Art & Culture, Government of Rajasthan, Dr. BD Kalla was also present on this milestone occasion. After witnessing the performance, he said: "This performance of the Dastangoi of 'The Little Prince' is a true example of culmination of our two cultures - an essentially Indian performance embracing a French story. It is indeed a moment of pride for us to open the doors to this new chapter in the history of the bilateral relation between France and Rajasthan. I sincerely believe that the Alliance Francaise will add new dimension to the historical city of Jaipur."

Viewv of the Puppet Show.

The Unicorn In the Mughal Records

#STORY OF THE INDIAN RHINOS

The large-size paintings of the Hamzanama, executed on cloth backed with paper that contains the text, are considered as the first major artistic productions of the Mughal taswirkhana started under the supervision of the Persian master painters Mir Sayyid Ali and Khwaja Abd us-Samad not long after the beginning of Akbar's reign. The unnamed painters responsible for the composition and colour rendering in the two works representing the rhino appear to have been familiar with the animal but have taken some liberties to suit the demands of the work which celebrates the legendary exploits of the hero, Amir Hamza, an uncle of Prophet Muhammad, and his band of heroes. It is well-known that the hide of a rhino is extremely tough and it is almost impossible to cut through it with a sword; however one picture shows the leg amputated while the other shows the sword slicing through the neck, perhaps to demonstrate the supernatural power of the hero. Also, there is no record of using a rhinoceros as a war animal; it is not an animal that could be trained for the battlefield!

A Muslim hero fights a duel against a gigantic black warrior astride a rhinoceros, folio from the Hamzanama, c. 1570.
Photograph: MAK/Georg Mayer. Courtesy MAK - Austrian Museum of appied arts/ contemporary art, vienna, B.I. 8770-17

Asok Kumar Das
writetoarbit@rashtradoot.com

Artists of Akbar's taswirkhana had depicted rhinoceroses long before the illustration of the different copies of the Baburnama undertaken in the last decade of the 16th century. Perhaps the earliest representations of a rhinoceros in Mughal Painting are in two folios of the dispersed copies of the Hamzanama in the Austrian Museum of Applied Arts/Contemporary Art (MAK), Vienna. One is titled "Prince Qasim beheads the rhinoceros mount of the giant Keyhur Dev in the battle for control of the Shisan Dam", and the second, "A Muslim hero fights a duel against a gigantic black warrior astride a rhinoceros. In the large composition of the second painting, the rhinoceros occupies most of the lower foreground. It is drawn with amazing clarity and care, with appropriate life-like colours. In spite of losing part of its left foreleg the animal has gored and killed the horse of the attacking hero.

The large-size paintings of the Hamzanama, executed on cloth backed with paper that contains the text, are considered as the first major artistic productions of the Mughal taswirkhana started under the supervision of the Persian master painters Mir Sayyid Ali and Khwaja Abd us-Samad not long after the beginning of Akbar's reign. The unnamed painters responsible for the composition and colour rendering in the two works representing the rhino appear to have been familiar with the animal but have taken some liberties to suit the demands of the work which celebrates the legendary exploits of the hero, Amir Hamza, an uncle of Prophet Muhammad, and his band of heroes. It is well-known that the hide of a rhino is extremely tough and it is almost impossible to cut through it with a sword; however one picture shows the leg amputated while the other shows the sword slicing through the neck, perhaps to demonstrate the supernatural power of the hero. Also, there is no record of using a rhinoceros as a war animal; it is not an animal that could be trained for the battlefield! The ears of the rhinoceros in both paintings look larger than life, while the markings on the skin are different in each as is the shape of the head. This is perhaps indicative of the employment of two different artists for these paintings.

In a solitary example in the manuscript of the Razmnama, the Farsi translation of the Mahabharata prepared for the personal library of Akbar in circa 1584-86, a rhinoceros is visible amongst the large number of birds, animals and plants given refuge in the giant ship to escape the Great Flood unleashed to cleanse the Universe. The treatment of the animal is, however, conventional. As the artists were required to show a large number of birds and animals in small scale for this subject, they had little opportunity to depict them with accuracy. Similarly, in a painting of the episode Burning of the Khandava forest, in another copy of the same text prepared for an unnamed patron in 1604, the unknown artist has included a rhinoceros amongst the animals fleeing the forest fire. Again here the style is less sophisticated, the treatment summarily done and the rendering devoid of life.

Page showing a rhinoceros, from a dispersed copy of aja'ib al-makhluqat, Delhi (?), 1789.
Freer Gallery of Art and Arthur M. Sackler Galleryy, Smithsonian Institution, washington, DC: Gift of Charles Lang Freer, no. f 1907.625.

Literary Works

The task of drawing rhinoceroses to illustrate the Baburnama manuscripts brought about greater familiarity with the animal, and the artists of Akbar's taswirkhana began to depict them in illustrations to literary works and individual pictures with greater confidence. The most remarkable example is to be found in the picture of Isfandiyar hunting rhinoceros from a dispersed copy of the Shahnama of circa 1585. This illustration is by that well-known master Miskin who excelled in drawing birds and animals. It shows two full-grown rhinoceroses: one has been wounded by Isgandiyar with his spear, while the other hides beside the hilly tract. While illustrating this episode and some related ones the painters often interpreted the Farsi word kark or karg as a rhino, though in numerous other examples of the Shahnama prepared in Persia the animal being hunted is shown as a wolf with horns.

Instances of Shahnama heroes hunting rhinoceroses, or of rhinoceroses present in animal groups in other scenes, are not rare in Persian painting, as noted by Richard Ettinghausen, Basil Robinson and Norah Titley, among others. Similar hunting scenes with rhinoceroses involving Shahnama heroes have been noticed in some later Mughal manuscripts. Two notable examples are in a Shahnama manuscript in the Chester Beatty library, Dublin, written at the command of one Mirza Rustam (whose identity is not clear) at the city of Kangra in Himachal Pradesh in 1695. Clearly the artist has depended on some second-hand source as revealed by the stereotyped depicted of the animals.

Thoughtful and Sensitive

In scenes from Nizami's Khamsa the rhinoceros often finds place amongst the wild animal assembled near Manju as he wanders in the wilderness, or amongst animals in stance before Aflatun (Plato) playing enchanting music. The finest image of this genre is found in the picture of Aflatun playing music (in this case a European organ!) in the deluxe copy of the Khamsa-i-Nizami completed for Akbar in 1596, now in the British Library. This is true of the numerous images of rhinoceroses found in compositions showing an assembly of animals, be it in the scene of Manju wandering in the forest, or the meeting of Layla and Majnu in the wilderness, or Suleiman (Solomon) presiding over the animals, or the animal kingdom being addressed by a raven. In earlier examples drawn by masters like Miskin the composition is thoughtful and sensitive, with the animals, mostly in pairs, drawn with care and liveliness. In the Majnu scenes the animals, mostly in pairs, drawn with care and liveliness. In the Majnu scenes the animals have assembled to express sympathy for the forlorn lover; and where the lovers unite in the wilderness the animals assemble in close proximity to demonstrate their joy. The rhino is also there, with other ferocious animals, standing or squatting before them.

Amongst many examples of Layla-Majnu scenes in the wilderness drawn in various centre's at various times, the ones in the Museum of Fine Arts, Boston, National Museum, New Delhi, and Museum Rietberg Zurich stand out for their neat execution. While the first one probably belongs to the Akbari atelier the second one appears to be from a sub-imperial atelier like that of the Khan-i-Khanan, Akbar's minister who was also a poet. The pair of rhinoceroses in the Alice Boner copy of later date in the Rietberg, though lightly coloured, looks very lively, with a pair of rhinos in the lower part of the composition. Mention should be made also of two excellent late 17th and late 18th-century pictures in the Bodleian Library, showing the union of the lovers Layla and Manju in the wilderness before this birds and animals. In the former picture a pair of full-grown rather bloated rhinoceroses stand in a shallow pool in the foreground with elephants and ducks, fishes, turtles and an alligator; in the latter, painted in Avadh style, the landscape is greener and the rhinoceroses stand in a grassy path as they normally do. For painters of Avadh the rhinoceros was never a stranger as hordes of them lived in the neighbouring Terai grasslands close to the foothills of the Himalaya.

Isfandiyar hunting rhinoceros, by Miskin folio 261b from a dispersed copy of Shahnama, c. 1585.
Present whereabouts unknown (from Sotheby's London, October 19, 1994, lot 112).

> **In scenes from Nizami's Khamsa the rhinoceros often finds place amongst the wild animal assembled near Manju as he wanders in the wilderness.**

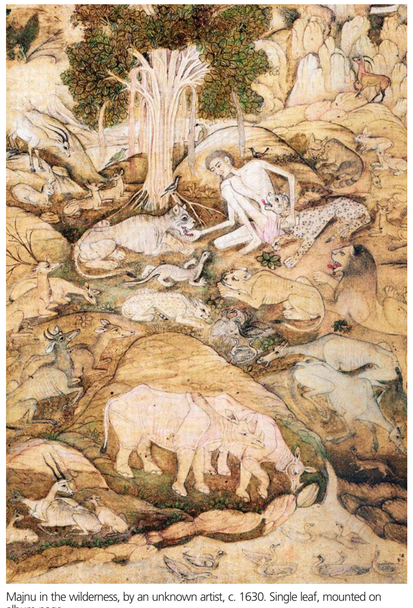

Majnu in the wilderness, by an unknown artist, c. 1630. Single leaf, mounted on album page.
Museum Rietberg Zurich, RVI 1036, collection alice boner. Photograph: Rainer Wolfsberger.

In illustrated copes of Zakariyya ibn-Muhammad Qazvini's 'Aja'ib al-Makhlhuqat (The Wonders of Creation), prepared both in Persia and India, a lone rhinoceros is often shown standing in a landscape following the textual description. There are many examples available in different collections, both public and private: Norah Titley found as many as 18 examples in 12 different manuscripts from early 16th century Timurid to mid-19th-century Qajar and Punjabi manuscripts in the British Library alone. An image of a caparisoned rhinoceros standing in a landscape on a stray page of the 'Aja'ib al-Makhlhuqat dated 1789, probably written in Delhi, shows the artist's lack of familiarity with the animal. Devoid of the characteristics folded and armoured hide, though the horn and ears are of a rhinoceros, it looks more like an elephant without a trunk!

Acknowledgement

1. **The Book:** 'The story of India's Unicorns'
2. **Authors:** Divyabhanusinh, Asok Kumar Das & Shibani Bose.
3. **Publisher:** The Marg Foundation.
4. **For Purchase:** The book is available for purchase on www.marg-art.org

#INSIGHT

Pared-back Simplicity

Religion, art and politics have all led to the minimalist idea of "less is more".

Housingblog.

Strictly speaking, the word "minimalist" belongs to the world of fine art. It was first used in the early 20th Century to describe an uncompromisingly abstract artwork by avant-garde Russian painter Kazimir Malevich, The Black Square, 1915. Later, in the 1950s and '60s, the label was given to an emerging band of like-minded US artists who sought to distance themselves from Abstract Expressionism. The new generation of Minimalists exchanged wild self-expression for hard-edged or monochrome paintings or sculptures in the form of grids or crisply rectilinear cubes.

A taste for simplicity in interiors has fallen in and out of favour for centuries, influenced not just by aesthetic preferences but, more profoundly, by religion, philosophy, politics and economics, too.

Architectural historian and

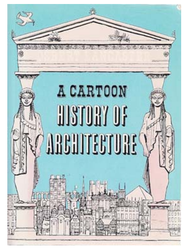

cartoonist Osbert Lancaster observed this in his 1964 book, A Cartoon History of Architecture, a survey of architecture and interiors from the Parthenon to 1960s high-rise housing.

Influence on Interiors

Early on in his interiors-through-the-ages-chronicle, Lancaster highlights "the Spartan simplicity of the Norman home". But during the Middle Ages, he writes, "the upper classes began to interest themselves in... decoration and the plain whitewashed walls of their Norman ancestors were hidden behind tapestries, painted canvas or frescoes, according to the financial resources of the householder".

By contrast, the Elizabethan era ushered in "decoration for decoration's sake... The simple, linen-fold panelling of Tudor times had given way to acres of woodwork carved and chiselled with patterns of quite staggering complication and hideousness." However, he points out, the Jacobean era that followed (during the reign of King James I), heralded "a progressive and welcome simplification".

Religion also influenced interiors, notes Lancaster. The Reformation reined in ornamentation inside its churches because it was "equated with idolatry". He wrote: "For the Calvinist, the problem of adornment was forcefully... solved by the simple device of almost total suppression."

This yearning for simplicity is still shared by the Christian sect the Shakers, founded in England and whose members first settled in the US in the 1780s. Its adherents have traditionally produced practical furniture, such as skeletal ladder-back chairs made from inexpensive woods such as pine, while the walls of their plain interiors have featured continuous peg rails to hang the lightweight chairs when they're not in use. Shaker or Shaker-style furniture was coveted in the minimalism-loving 1990s.

Lutheranism, another branch of early Protestantism, was adopted in Finland (then part of Sweden) and its influence later dovetailed with the purity of form espoused by modernism. According to TeemuKiiski, CEO of Finnish Design Shop, which sells design from Nordic countries: "The Lutheran tradition affected the development of the Finnish minimalist aesthetic. Its asceticism in architecture and interiors and its endeavour to abolish all frills had the same agenda as modernism. Its ideals led early modernist Finnish designers to seek out minimalistic solutions [and this led] modernist designers to study the simple furniture and tools of Finnish folk culture.

When it comes to modernism, Lancaster applauds the way functionalism stripped interiors of fussy features but, in his view, by the late 20th Century, this trend had gone too far: "Functionalism, that arose as... a praiseworthy reaction against 19th-Century architectural fancy dress, has been exalted into a dogma so that now nothing is ever left to our imagination." However, he amusingly noted that even British fans of modernism pushed back against plain, angular interiors by domesticating them with plants and ornaments. "The cactus sprouts where once flourished the aspidistra... the little bronze from Benin grimaces where smiled the shepherdess from Dresden".

Radically Modern

Yet it was modernism that wholeheartedly and self-consciously championed minimalist, open-plan, white-walled interiors. These spaces emphasised the connection between outdoors, making rooms feel more spacious. Adolf Loos articulated early modernism's aims with his 1908 polemical essay, Ornament and Crime, which took its main inspiration from the simplicity of vernacular architecture. Another modernist luminary, architect Ludwig Mies van der Rohe, who described his buildings as "skin and bones", championed minimalist interiors, complemented by his radically modern, tubular steel cantilevered furniture. Van der Rohe, a director of the Bauhaus from 1930 to 1933, who immigrated to the US in 1937, lived by the motto "Less is more".

A wider acceptance of eclecticism in recent years, resulting in a vogue for exuberant maximalism, has seen the popularity of minimalism fade. A younger generation of influential designers, such as Luke Edward Hall and Rachel Chudley, have espoused maximalism as they rediscovered antiques and historical references long banished from homes by the previous generation. But now minimalist interiors, reflecting a growing awareness of and commitment to sustainability, coupled with a desire to make a visual impact with fewer elements, are returning to fashion.

Today, a push for sustainability could see the popularity of minimalist interiors grow for years to come. One contemporary example is Architecture for London's Low Energy House in Muswell Hill, London, which features a limited palette of natural materials, including stone, wood and lime plaster.

Ludwig Mies van der Rohe.

THE WALL

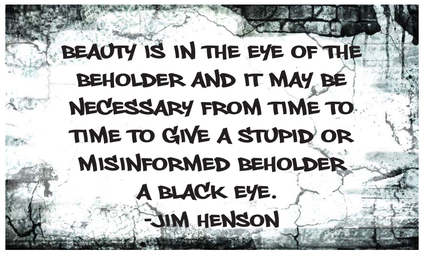

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

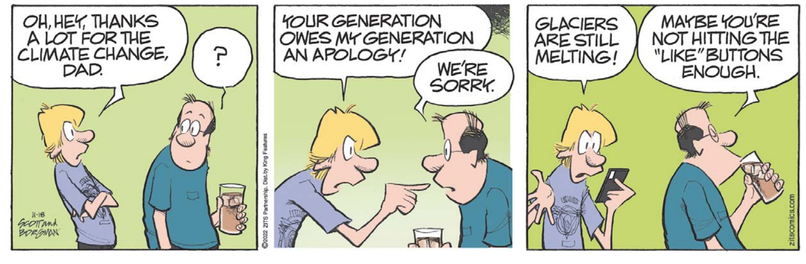

'इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में नहीं हुआ महिला मजदूरों का भुगतान'

धोइंदा ब्लॉक की महिलाओं ने भुगतान की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

राजसमंद, (निसं)। राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में गरीब परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना चला रखी है, लेकिन जिला मुख्यालय के धोइंदा ब्लॉक की करीब 260 महिला मजदूरों को लंबे समय से मानदेय नहीं मिल पाया है।

ऐसे में नाराज महिलाओं ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और भुगतान दिलाने की मांग को लेकर कलेक्टर चेंबर के बाहर धरने पर बैठ गई। आखिरकार जिला कलेक्टर निलाभ सक्सेना अपने कक्ष से उठकर महिलाओं के बीच में पहुंचे और उन्हें जल्द भुगतान करने और नया रोजगार दिलाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद महिलाएं शांत हुई। जानकारी के मुताबिक धोइंदा ब्लॉक में 7 मस्टरोल नगर परिषद ने स्वीकृत कर रखे हैं। जिस पर करीब 260 महिला और पुरुष श्रमिक काम कर रहे हैं।

महिला मजदूरों का आरोप है कि उन्हें लंबे समय से भुगतान नहीं मिला है। जब वह नगर परिषद आयुक्त के पास अपनी शिकायत को लेकर पहुंची तो उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया कि गरीब लोगों को इस योजना में कार्य करने की जरूरत नहीं है। नगर परिषद ने उनका कार्य भी बंद करवा दिया। इससे नाराज बडी संख्या में महिलाएं जिला कलेक्ट्रेट पहुंची और कलेक्टर चेंबर के बाहर धरने पर बैठ गई। महिलाओं को धरने पर बैठे देख कलेक्टर अपने चेंबर से बाहर निकले और महिलाओं के बीच में पहुंचकर उनकी सुनवाई की। कलेक्टर ने 2 दिन में नया मस्टरोल स्वीकृत कराने और उनका बकाया भुगतान जल्द ही दिलवाले का आश्वासन दिया। जिसके बाद महिलाएं शांत हुई।

भुगतान नहीं मिलने पर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करती इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना से जुड़ी महिलाएं।

शहरी रोजगार गारण्टी योजना के श्रमिक 3 माह के वेतन भुगतान को तरसे:- धोईन्दा क्षेत्र में शहरी रोजगार गारण्टी योजना के तहत पिछले 3 माह से मनरेगा श्रमिक लगी हुई है जिनके वेतन का भुगतान अक्टुबर माह से अभी तक नहीं हुआ जिससे नाराज महिला श्रमिकों ने जिला कलक्टर निलाभ सक्सेना को मुख्यमंत्री अशेक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि भुगतान नही होने पर धोईन्दा ग्राम के मेट व जनसेवा के सदस्यों ने नगर परिषद् आयुक्त जर्नादन शर्मा को गरीब व एवं भील समाज की जनता को भुगतान न होने पर उनकी हो रही दहनीय स्थिति के बारे में अवगत कराया और कहा कि इनकी रोजी-रोटी यही है। इस बात को सुनकर आयुक्त भडकते हुए कहा कि आप एसी गरीब जनता को मनरेगा में क्यों लगाते हो और उसी समय आयुक्त ने धोईन्दा क्षैत्र के जेटीओ अधिकारी तन्मय को धोईन्दा तलाई व इस क्षैत्र के अन्य मस्टरॉल बन्द करने का आदेश दिया।

परन्तु जेटीओ तन्मय ने आयुक्त के मना करने के आदेश के बावजुद धोइन्दा तलाई के नाम पर 8० लेबर का मस्टरॉल निकालकर काम शुरू कर दिया बाकि के मस्टरॉल नहीं निकाले। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त जनार्दन शर्मा एवं इन्दिरा शहरी रोजगार योजना धोईन्दा क्षैत्र में कार्यरत जेटीओ तन्मय पर उचित कार्यवाही एवं गरीब मनरेगा श्रमिकों का बकाया मानदेय दिलाने की मांग की।

नर्मदा नहर के ओवरफ्लो पानी से फसलों को नुकसान

नेहड़ क्षेत्र में लोगों को पीने का पानी नहीं हो पा रहा उपलब्ध

भाजपा नेता दानाराम चौधरी ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

सांचोर, (निसं)। सांचोर क्षेत्र में नर्मदा नहर का ओवरफ्लो पानी खेतो में जाने से खड़ी फसलो को नुकसान हुआ।

सांचोर के भाजपा नेता दानाराम चौधरी ने मौके पर पहुँच कर नर्मदा के संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात करके पानी को कम करवाया। भाजपा नेता दानाराम चौधरी कहा कि एक तरफ पानी के अभाव में फसलें सुख रही है और नेहड क्षेत्र में लोगों के पीने के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। नेहड के लोग पशुओं व पीने के पानी के लिए प्रति टैंकर 1200 रूपये देकर पानी मंगवाते है। वहीं दूसरी ओर नर्मदा अधिकारियों व राज्य सरकार की लापरवाही के कारण किसानों की खडी फसल में ओवरफ्लो पानी से किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिन किसानों का नुकसान हुआ है। उनका जल्दी सर्वे करवाकर राज्य सरकार मुआवजा दे व लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त करवाई करे।

तकनीकी सहायक की विचारित सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा तकनीकी सहायक (रसायन) पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा-2022 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा भू जल विभाग में तकनीकी सहायक (रसायन) पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए 2 अगस्त 2022 को संवीक्षा परीक्षा का आयोजन कराया गया था। संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप 25 अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। अटल ने कहा कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी।

पूर्व सैनिक का पहाड़ियों में शव मिला

चार दिन से परिजन कर रहे थे तलाश

खेतड़ी, (निसं)। खेतडी क्षेत्र के माधोगढ गांव की पहाड़ियों में एक पूर्व सैनिक मृत अवस्था में पाया गया है। मृतक पिछले चार दिन से घर से लापता हो था, जिसकी परिजन काफी तलाश भी कर रहे थे। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को खेतडी के राजकीय अजीत अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है तथा परिजनों की मौजूदगी में उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। रसूलपुर निवासी सोनू सिंह ने बताया कि उसके पिता महावीर सिंह (55 वर्ष) पुत्र गणपत राम भारतीय सेना में कार्यरत थे। वर्ष 2012 में वह सेना से रिटायर हो गये थे जिसके बाद से वह घर पर रहकर खेती का कार्य करते थे। महावीर सिंह की पिछले कुछ दिनों से दिमागी हालत ठीक नहीं थी, जिसका परिजन उपचार भी करवा रहे थे। 12 जनवरी को महावीर सिंह नीमकाथाना में पेंशन लेने के लिए घर से निकले थे, जो वापस शाम तक घर नहीं पहुंचे। जब वह दूसरे दिन भी घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने खेतडीनगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई और अपने स्तर पर भी कई जगह उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया।

मंगलवार को पहाडी पर मवेशी चराने गए एक व्यक्ति को माधोगढ गांव में स्थित गुणीनीचा जोहड के पास एक व्यक्ति पडा हुआ मिला। जिस पर उसने खेतडीनगर थाने में सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा महावीर सिंह के परिजनों को शिनाख्त के लिए बुलाया गया। परिजनों के शिनाख्त करने के बाद परिजन व पुलिस ने महावीर सिंह को खेतडी के राजकीय अजीत अस्पताल लेकर आए जहां उनके शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। पूर्व सैनिक महावीर सिंह के दो बेटे सोनू व मनीष कुमार हैं जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं दो बेटियां हैं जिनकी शादी हो चुकी है। खेतडीनगर थाने के एएसआई रमेश कुमार ने बताया कि मृतक महावीर सिंह की पहचान परिजनों से करवा दी गई है, उसके शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है और परिजनों की ओर से रिपोर्ट देने पर पुलिस द्वारा आगामी कार्यवाही की जाएगी।

सिलेण्डर जब्त

अजमेर, (कासं)। रसद विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग को रोकने के लिए अजमेर शहर में कार्यवाही कर 14 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। जिला रसद अधिकारी अरविन्द शर्मा ने बताया कि जेएलएन मार्ग, बारहदडी क्षेत्र में कार्यवाही कर 14 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए।जीएमबी स्वीट्स से 2 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर, 2 व्यवसायिक सिलेण्डर एवं एक बांसुरी जब्त की गई। प्राईवेट बस स्टेण्ड के सामने स्थित मिठाई की इस दुकान के गोदाम में घरेलू गैस सिलेण्डर से व्यावसायिक गैस सिलेण्डरों में बांसुरी के जरिए गैस रिफिलिंग करना पाया गया। गहलोत नाश्ता सेन्टर से 2, गरमा गरम पौहे सेंटर, गुडिया एग सेन्टर, वीर गुर्जर टी स्टॉल से एक-एक सिलेंडर जब्त किए गए।

नहर के पास मिला बच्ची का शव

- ट्रेन से फेंके जाने या गिरने की संभावना
- लापता बच्चों की ली जानकारी

श्रीगंगानगर, (निसं.)। नहर के किनारे करीब आठ से नौ साल की बच्ची का शव मिला है। रेलवे ट्रेक से कुछ दूरी पर ही है। ऐसे में शव को रात के समय भी किसी ट्रेन से फेंके जाने या ट्रेन से गिरने की संभावना है। मामला श्रीगंगानगर के हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र का है। गांव खाट लबाना के पास लक्ष्मीनारायण नहर फट्टे वाले पुल के पास शव मिला।

आठ से नौ साल की इस बच्ची के चेहरे पर गंभीर घाव हैं। आसपास के ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे एसएचओ संजीव कुमार ने आस-पास के इलाके में लापता हुई बच्चियों के बारे में जानकारी जुटाई है। बच्ची का शव गांव खाट लबाना के रेलवे ट्रैक की बुर्जी नंबर 112 के पास मिला है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि रात को किसी ने ट्रेन से बच्ची का शव फेंका हो। बच्ची के चेहरे पर गंभीर घाव हैं। शव मिलने की जानकारी मिलने पर खाट लबाना की सरपंच सीमादेवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने शीत लहर से खराब हुई फसलों का जायजा लिया

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने राजगढ तहसील के आधा दर्जन गांवों का दौरा कर पाला से नष्ट हुई फसल निरीक्षण कर फसल खराबे का जायजा लिया। वहीं विधायक पूनिया ने निरीक्षण के फसल खराबे के निरीक्षण के दौरान कहा कि किसानों को निराश होने की जरूरत नहीं है, किसानों को मिलेगा पूरा मुआवजा मिलेगा तथा सरकार उनका पूरा ध्यान रखेगी और मुआवजे से किसानों के नुकसान की भरपाई हो जाएगी। उन्होंने बताया कि शीत लहर से फसलों पर जमी बर्फ एवं कम बारिश की मार झेल रहे सादुलपुर विधानसभा के किसानों के लिए राहत भरी खबर है।

मंगलवार को सादुलपुर की विधायक पूनिया ने शीत लहर से खराब हुई फसलों का आधे दर्जन भर गाँवो में निरीक्षण किया व तीव्र गिरदावरी करने के आदेश दिए हैं। साथ ही पूनिया ने कहा, कि कम बरसात एवं शीतलहर से खराब हुई फसलों को नुकसान हुआ है, उनकी विशेष गिरदावरी करवाई जायेगी। गौरतलब है कि शीत लहर एवं पाला पडने के साथ-साथ लगातार गिरे तापमान के चलते दो-तीन दिन तक 2.5 डिग्री माईनस में पहुंचे तापमान के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में विशेष गिरदावरी के आदेशों के बाद किसानों को भी अपने नुकसान की भरपाई की उम्मीद जगी है। जानकारी के अनुसार कई इलाकों में तो पूरी फसल बर्बाद हो चुकी है।

किसानों की बर्बाद हुई फसल का जायजा लेती सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनिया।

- 'कम बारिश व शीत लहर से से खराब हुई फसलों की होगी विशेष गिरदावरी, किसानों को मिलेगा मुआवजा'

ठंड में 16वें दिन भी धरना जारी

गंगापुर सिटी, (निस) गत दिनों नगर परिषद के कचरा डंपिंग यार्ड में हुई गौकशी घटना के शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग व दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाही की मांग को लेकर पिछले 29 दिन से मिनी सचिवालय के सामने कड़ाके की ठण्ड में गौ भक्त तम्बू लगा कर बैठे है वहीं कुछ गौ भक्त 16 दिन से भूख हड़ताल पर है।

परन्तु प्रशासन को ना तो कुछ दिखाई दे रहा है और ना ही कुछ सुनाई दे रहा है और ना ही प्रशासन कुछ बोलने की स्थिति में है। केवल एक ही शब्द रट रखा है कि शीघ्र ही कार्रवाही करेंगे। लेकिन एक महिने से ज्यादा समय होने के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाही नहीं कर पा रहे है वहीं गौ भक्त न्याय के लिए कडाके की ठण्ड में डटे हुए है। लोगों में चर्चा है कि प्रशासन किसी जनप्रतिनिधी के इशारे पर कार्रवाही करने से कतरा रहा है जिससे आमजन में आक्रोश बढ़ रहा है। कांग्रेस शासन में स्थानीय अधिकारी व जनप्रतिनिधी संवेदनहीन होकर सरकार के मुखिया के दावे के विपरीत कार्य कर रहे है।

फसल पर जमी ओस बर्फ में बदली

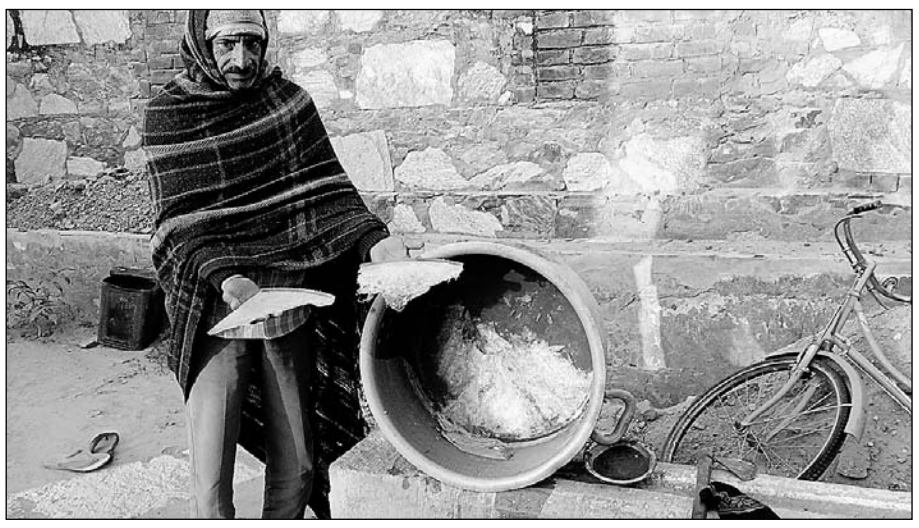

श्रीमाधोपुर में बर्तनों में जमी बर्फ दिखाता ग्रामीण।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण इलाके में मंगलवार को भी क्षेत्र के तापमान में गिरावट के चलते खेतों में खड़ी फसल पर ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील होती नजर आई घरों के बाहर पक्षियों के लिए लगाएं गये परिंडों में रखा पानी भी बर्फ में तब्दील हो गया। लगातार पड़ रही सर्दी से आम जनजीवन अस्त-वयस्त हो गया है।

सोमवार सुबह चारों और बर्फ ही बर्फ नजर आई। वहीं लोगों ने अलाव का सहारा लेते हुए दिन बिताया। राजेंद्र और कजोड़ जाट ने बताया कि आगली रोही जयरामपुरा, विष्णु धाम रलावता, लूणावाली की ढाणी, जसवंतपुरा में फसलों में भारी नुकसान है सरकार से मुआवजे की मांग की है।

कांग्रेस नेता की कार के कांच फोड़े

हिरण मगरी थाना क्षेत्र में खड़ी कांग्रेस नेता की गाड़ी।

उदयपुर, (कासं)। हिरण मगरी थानाक्षेत्र के सेंट्रल एरिया में मध्यरात्रि बाद घर के बाहर खड़ी गाड़ी के अज्ञात लोगों ने कांच फोड़ दिए। कॉलोनी की जिस गली में वारदात हुई वहां अन्य चार पहिया वाहन थे, लेकिन सिर्फ इस वाहन को ही निशाना बनाने से किसी साजिश की आशंका है।

सेंट्रल एरिया निवासी योगेंद्र कुमार भट्ट कृषि विश्वविघालय की स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले शैक्षणोत्तर कर्मचारी संघ के नेता रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के चुनाव संयोजक जैसी भूमिका में उनकी अपनी विशेष पहचान है। उन्होंने बातचीत में बताया कि परिवार रात करीब 12 बजे तक जागा हुआ था तब तक भी कोई आहट नहीं थी। उसके बाद आज सुबह जब योगेन्द्र का पुत्र दफ्तर के लिए निकल रहे थे तब सीट पर कांच बिखरे दिखे।

गाड़ी के पीछे का कांच फूटा हुआ था और जब डिग्गी खोली तो अंदर दो बड़े पत्थर पड़े थे जिसके वार से कांच फोड़ा गया। साजिश का संदेह इसलिए भी है कि इस गाड़ी के आस-पास कई गाडियां थी लंकिन सिर्फ इस गाडी को नुकसान पहुंचाया। वारदात सिर्फ कांच फोड़कर भय फैलाने मात्र जैसी प्रतीत हो रही है।

रामदेवरा परिसर ने नहीं हटी शराब की दुकान

पोकरण, (निसं)। तीर्थ नगरी रामदेवरा में प्रशासन द्वारा रामदेवरा में नियमानुसार शराबबंदी की दूरी लागू नहीं करने पर जोधपुर उच्च न्यायालय में वाद दायर किया गया। 7 मार्च 2019 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रामदेवरा में शराबबंदी लागू करने के लिए ग्रामीणों द्वारा चल रहे आन्दोलन स्थल पर पहुँचकर रामदेवरा में बाबा रामदेव के मन्दिर परिसर की परिधि से तीन किलोमीटर तक सरकारी शराब की दुकाने नहीं लगाने की घोषणा की थी।

इस घोषणा पर अमल नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने दो बार और आंदोलन किया। इसके बाद भी सरकारी अधिकारियों ने उस पर अमल नहीं किया। इस आदेश को लागू करवाने के लिए रामदेवरा निवासी आनन्द सिंह तँवर अन्य लोगों ने अधिवक्ता पुष्कर तैमनी के जरिये माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में रामदेवरा मंदिर के परिसर में शराब की दुकानों को हटाने के सरकारी वादे को लागू करने की मांग वाली एक जनहित याचिका दायर की। जिस पर 16 जनवरी को न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने राज्य को नोटिस जारी किया है।

लॉ कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष ने छत से कूदने की धमकी दी

अंक कम होने और एल.एल.एम. में प्रवेश नहीं मिलने पर संजय वैष्णव को पद से हटाने का मामला

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के संघटक लॉ कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष संजय कुमार वैष्णव को पद से हटाने के मामले में मंगलवार को हाई वॉल्टेज ड्रामा देखन को मिला। सुबह अपनी मांगों को लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ वैष्णव ऑफिस के बाहर पहुंच गए। यहां उनके समर्थक स्टूडेंट्स बाहर ही धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। छात्रसंघ अध्यक्ष यूनिवर्सिटी की छत पर चढ़ गए और वहां से कूदने की धमकी देने लगे।

सूचना पर पुलिस का जाब्ता मौके पर आया और वैष्णव को समझाया। इधर विद्यार्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल रजिस्ट्रार सी आर देवासी से मिला और अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज करवाया। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने बताया कि अंक कम होने की वजह से एल एल एम में प्रवेश नहीं मिलने के कारण संजय वैष्णव को पद से हटा दिया गया जबकि उपाध्यक्ष हरिश कुमार मेनारिया को अध्यक्ष पद पर पदोन्नत कर दिया गया। यूनिवर्सिटी में अब तक का ऐसा पहला मामला है जब किसी निर्वाचित अध्यक्ष को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही हटा दिया गया हो। इधर, वैष्णव ने पद से हटाने को षड्यंत्रकारी कार्य बताते हुए तानाशाही फरमान करार दिया और विद्यार्थियों के साथ जमकर प्रदर्शन किया।

रजिस्ट्रार से मिलकर प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि संजय वैष्णव को कम अंकों का हवाला और देकर प्रवेश से रोका, जबकि दूसरी ओर कम अंकों वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया गया। ऐसे में राजनीतिक दबाव और षड्यंत्र की बात सामने आती है। उन्होंने बताया कि संजय वैष्णव को प्रवेश नहीं मिला तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस पर रजिस्ट्रार सीआर देवासी ने कहा कि कम अंकों वाले विद्यार्थियों को प्रवेश मिला है तो उसकी भी जांच करवाई जाएगी। अगर आरोप सिद्ध होते हैं तो आदेश पर कार्रवाई की जाएगी।

- उपाध्यक्ष हरिश कुमार मेनारिया को अध्यक्ष पद पर पदोन्नत किया
- पुलिस ने समझाइश कर लॉ कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष को नीचे उतारा

इधर लॉ कॉलेज डीन डॉ.राजश्री चौधरी ने के अनुसार अध्यक्ष वैष्णव एलएलएम की एडमिशन मेरिट में जगह नहीं बना पाए, इसलिए उनका एलएलएम में प्रवेश नहीं हो सका। कॉलेज में दाखिला खत्म होते ही लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के अनुसार उन्हें पद से हटा दिया गया। इससे पहले वैष्णव एलएलबी फाइनल ईयर की परीक्षा में फेल हो गए थे। फिर भी प्रदेश सरकार के नए नियमों के तहत रिवेल्युएशन का रिजल्ट आने तक पद पर बने रहने का अवसर मिला हुआ था। रिवेल्युएशन में 21 अंक लाकर एलएलबी पास हो तो गए, लेकिन एलएलएम में एडमिशन नहीं मिल पाया।

मंगलवार को हुए प्रदर्शन में लॉ कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष गौरव जैन, नवीन मेनारिया, सोहन डोंगी, ईश्वर अहारी, कॉमर्स कॉलेज अध्यक्ष मूमल चूंडावत, रौनक राज सिंह शक्तावत, राजकुमार माली, राहुल मारवाड़ी, भूपेंद्र नागदा सहित कई छात्र मौजूद रहे।

अपने सर्वश्रेष्ठ चार गेंदबाजों को चुनें- और अगर ये तीन तेज गेंदबाज हैं जो वास्तव में अच्छी रिवर्स स्विंग प्राप्त कर सकते हैं और नाथन लियोन, जो स्पष्ट रूप से हमारे पास अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर हैं तो ये अपनी भूमिका निभा सकते हैं। -एडम गिलक्रिस्ट

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शैफाली वर्मा

भारतीय अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप टीम की कप्तान शैफाली वर्मा ने कहा है कि वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को खेलता देखकर बड़ी हुई है और वह भी मेरे आदर्श है। शैफाली ने स्टार स्पोर्ट्स से एक विशेष बातचीत में यह बात कही। उन्होंने अपने आदर्श और अंडर-19 विश्व कप खेलने में टीम इंडिया की ताकत के संदर्भ में विचार व्यक्त किये। शैफाली ने कहा, मुझे लगता है कि आजकल मुझे लिविंगस्टोन की बल्लेबाजी पसंद है क्योंकि वह बहुत अच्छा हिट कर रहा है, और निश्चित रूप से मैं सचिन तेंदुलकर सर खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हूं।

क्या आप जानते हैं ?... 1950 के विश्वकप फुटबॉल के मेजबान ब्राजील की फाइनल में उरुग्वे की हार से आयोजक इतने निराश हुए कि वे विजेता उरुग्वे को विजयी ट्रॉफी देना तक भूल गये।

जर्मनी, बेल्जियम ने रोमांचक ड्रॉ खेला

भुवनेश्वर, 17 जनवरी। दो बार की विश्व विजेता जर्मनी और गत चैंपियन बेल्जियम के बीच मंगलवार को खेला गया एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 का पूल-बी मुकाबला 2-2 के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में सेड्रिक चार्लियर (नौवां) और विक्टर सेग्नेज़ (54वां मिनट) ने बेल्जियम के लिये गोल किये, जबकि निकलास वेलेन (22वां) और टॉम ग्रैम्बुश (52वां मिनट) ने जर्मनी के गोल दागे।

विश्व कप 2018 के क्वार्टरफाइनल में जब दोनों टीमें आमने-सामने आयी थीं, तब बेल्जियम ने जर्मनी को 2-1 से मात दी थी। बेल्जियम ने यहां भी नौवें मिनट में ही सेड्रिक के गोल से शुरुआती बढ़त बना ली। पहले क्वार्टर में पिछड़ने के बाद भी जर्मनी ने आक्रमण नहीं छोड़ा और निकलस ने 22वें मिनट में गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया।

इस गोल के बाद दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली लेकिन आधे घंटे तक कोई स्कोर नहीं कर सका। चौथे क्वार्टर में आखिरकार जर्मनी की कोशिशों ने फल दिया और उन्हें 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक प्राप्त हुआ। टॉम ने इसका लाभ लेते हुए गोल किया और जर्मनी को बढ़त दिला दी, लेकिन थिएस प्रिंज़ को ग्रीन कार्ड मिला और उन्हें पिच से बाहर जाना पड़ा। बेल्जियम ने जर्मनी के रक्षण में एक खिलाड़ी कम पाकर मौके का फायदा उठाया और सेग्नेज़ ने पांच मिनट रहते हुए गत चैंपियन के लिये गोल कर दिया। सेग्नेज़ के इस गोल के कारण मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों ने दो-दो अंक बांटे। बेल्जियम और जर्मनी अब भी पूल-बी में क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर हैं एवं क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बरकरार हैं।

दुनिया की नंबर एक वनडे टीम से भिड़ेगा भारत

भारत-न्यूजीलैंड में एकदिवसीय मुकाबला आज

हैदराबाद, 17 जनवरी। श्रीलंका को क्लीन स्वीप करने के बाद भारत अब तीन मैचों की एकदिवसीय (वनडे) शृंखला में दुनिया की नंबर एक वनडे टीम न्यूजीलैंड का सामना करेगा, जिसकी शुरुआत यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर बुधवार को होगी।

इस वर्ष भारत में विश्वकप की मेजबानी करने वाला है। भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाज रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली के बल्लों से रन निकलना टीम के लिये अच्छे संकेत हैं, हालांकि रोहित अपनी शुरुआत को अब बड़ी पारी में बदलना चाहेंगे। कोहली (दो) और गिल ने जहां श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक जड़े, वहीं रोहित क्रमश: 83, 17 और 42 के स्कोर तक ही पहुंच सके। विश्व कप 2019 के नौ मैचों में पांच शतक जड़ने वाले रोहित ने 502 दिनों से 100 रन का आंकड़ा नहीं छुआ है और वह इस सीरीज में शतक का सूखा खत्म करना चाहेंगे।

साल 2022 के बाद से एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर का चोट के कारण टीम से बाहर होना जहां भारत के लिये बुरी खबर है, वहीं सूर्यकुमार यादव के पास एक मौका है जिस पर वह पूरी तरह से खरे उतरने का प्रयास करेंगे। ताकि वह खेल के इस प्रारूप में खुद को साबित कर सकें। टी20 में अपना लोहा मनवा चुके इस बल्लेबाज ने वनडे क्रिकेट की 16 पारियों में 29.85 की औसत से सिर्फ 388 रन बनाये हैं। अय्यर की अनुपस्थिति में अगर सूर्यकुमार को मध्यक्रम में मौका मिलता है तो वह इसका पूरा-पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक ने तेज गेंदबाजी में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, हालांकि टीम प्रबंधन एकाध मैच में शार्दुल ठाकुर को भी आज़मा सकता है, जो बल्लेबाजी में गहराई भी प्रदान करते हैं। हैदराबाद की पिच दूसरी पारी में गेंदबाजों के लिये सहायक होती है, हालांकि शाम को पड़ने वाली ओस को ध्यान में रखते हो टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी कर सकती है। भारतीय टीम जब दो माह पहले वरिष्ठ खिलाड़ियों के बिना न्यूजीलैंड गयी थी तब उसे एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की हार मिली थी। रोहित शर्मा की टीम यहां हिसाब चुकता करते हुए एकदिवसीय क्रिकेट की नंबर एक टीम बनना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया ओपन : एंडी मरे ने बेरेटिनी को पांच सेट में हराया, रूबलेव भी जीते

मेलबर्न, 17 जनवरी। एंडी मरे ने आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर के पांच सेट चले रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को यहां मातियो बेरेटिनी के खिलाफ 6.3, 6.3, 4.6, 6.7, 7.6 से जीत दर्ज की। पैंतीस साल के मरे ने अपने से लगभग एक दशक कम उम्र के और विश्व रैंकिंग में 50 से अधिक स्थान बेहतर बेरेटिनी को हराने के लिए साढ़े चार घंटे से कुछ अधिक का समय लिया। तीन बार के ठौंडस्लैम चैंपियन मरे ने किसी मेजर टूर्नामेंट में 2017 के बाद पहली बार शीर्ष 20 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है। स्कॉटलैंड के दुनिया के इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी की मौजूदा विश्व रैंकिंग 66 है।

तेरहवें वरीय बेरेटिनी के खिलाफ जीत के साथ मरे ओपन युग में आस्ट्रेलिया ओपन में 50 मैच जीतने वाले सिर्फ पांचवें पुरुष खिलाड़ी बने। उनसे पहले नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर, रफेल नडाल और स्टीफन एडबर्ग यह उपलब्ध हासिल कर चुके हैं।

पांच सेट के मुकाबलों में मरे की हार-जीत का रिकॉर्ड अब 27.13 है जबकि बेरेटिनी को नौ मुकाबलों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। आंद्रे रूबलेव ने भी वाइल्ड कार्डधारी डोमिनिक थीम को 6.3, 6.4, 6.2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। आस्ट्रेलियाई ओपन 2020 में उपविजेता रहे थीम 2021 में चोट के कारण ज्यादा नहीं खेल सके लेकिन पिछले साल शीर्ष सौ के भीतर पहुंच गए। उन्हें टूर्नामेंट के आयोजकों ने वाइल्ड कार्ड दिया है। अब रूबलेव का सामना आस्ट्रेलियाई क्वालीफायर मैक्स परसेल या फिनलैंड के एमिल रूसुवुओरी से होगा।

यहां 2017 में सेमीफाइनल खेलने वाले ठिगोर दिमित्रोव ने असलान कारात्सेव को 7.6, 7.5, 6.2 से मात दी। पुरुष वर्ग में आठवें वरीय टेलर फ्रिट्ज, नौवें वरीय होल्गर रूने और 12वें वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। पांचवीं रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका ने टेरेजा मार्तिनकोवा को 6.1, 6.4 से हराया। सबालेंका ने जनवरी के पहले सप्ताह में एडीलेड इंटरनेशनल खिताब जीता था। कैरोलिन गार्सिया ने कनाडा की क्वालीफायर कैथरीन सेबोव को 6.3, 6.0 से हराया। अब उनका सामना कनाडा की ही लैला फर्नांडिज से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन उपविजेता लैला फर्नांडिज ने एलिजे कोर्नेत को 7.5, 6.2 से मात दी।

तीन साल पहले यहां उपविजेता रही गारबाइन मुगुरूजा इस साल लगातार पांचवां मैच हार गई जिसे एलिस मर्टेंस के हाथों 3.6, 6.7, 6.1 से पराजय का सामना करना पड़ा। वहीं मां बनने के बाद टेलर टाउनसेंड ने अपना पहला मैच जीता और फ्रांस की वाइल्ड कार्डधारी डायने पैरी को 6.1, 6.1 से हराया। अब उनका सामना एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा। वहीं क्वालीफायर अन्ना कैरोलिना एस ने 21वीं वरीयता प्राप्त मार्तिना ट्रेविसान को 6.3, 6.2 से हराया। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा ने चीन की वांग यि को 6.1, 6.3 से हराया।

जुंगजुन के दम पर कोरिया विजयी

भुवनेश्वर, 17 जनवरी। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-बी मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखा।

कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में केन नागायोशी ने पहले ही मिनट में गोल करके जापान को बढ़त दिलाई, लेकिन जुंगजुन ली (आठवां, 23वां मिनट) ने दो गोल जमाकर कोरिया की जीत सुनिश्चित की। कोरिया दो मैचों में एक हार और एक जीत के साथ पूल-बी में तीसरे स्थान पर आ गया, जबकि जापान अपने दोनों मुकाबले हारकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

एशिया कप 2022 की विजेता कोरिया की इस मुकाबले में शुरुआत अच्छी नहीं रही और जापान ने पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित कर लिया। कोरिया की मुश्किलें तब बढ़ गयीं जब नागायोशी ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर दिया।

एशियाई चैंपियन शुरुआती पलों में ही एक गोल से पिछड़ गया था लेकिन जुंगजुन उनकी मदद के लिये आगे आये और आठवें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। कोरिया को पहले क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। जुंगजुन ने आखिरकार दूसरे क्वार्टर के आठवें मिनट में गोल जमाकर कोरिया को बढ़त की स्थिति में पहुंचा दिया।

जापान के पास तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में स्कोर बराबर करने का मौका था लेकिन वह पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका। कोरिया ने भी चौथे क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया लेकिन इस बार चार शॉट लगाने के बावजूद जापान का रक्षण अभेद्य साबित हुआ। जब मुकाबला समाप्त होने में सिर्फ दो सेकंड बचे थे तब जापान को कुल तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन सभी में असफल रहने के कारण वह अपना दूसरा मुकाबला भी हार गया। पूल-बी का दूसरा मुकाबला बेल्जियम और जर्मनी के बीच शाम सात बजे से खेला जायेगा।

तीन हजार की रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक और दलाल गिरफ्तार

नरेगा का जॉब कार्ड बनवाने व ऑन लाइन करने की एवज में ली थी रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने नरेगा का जॉब कार्ड बनवाने व ऑन लाइन करने की एवज में पंचायत समिति परिसर पहाडी में तीन हजार की रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक आशिक खान व दलाल रामखिलाड़ी को रंगे हाथों पकड़ कर गिरफ्तार किया है।

आरोपी आशिक खान के पास वर्तमान में ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत भौरी पंचायत समिति पहाडी का अतिरिक्त चार्ज भी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भरतपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आशिक खान इस मामले में परिवादी रमेश चन्द पुत्र मोहन सिंह निवासी ग्राम खल्लूका पुलिस थाना पहाडी से रिश्वत की 4 हजार की राशि वसूल चुका था। मीणा ने बताया कि आज पंचायत समिति परिसर पहाड़ी में आरोपी आशिक खान ने परिवादी से तीन हजार प्राप्त कर परिसर स्थित चाय की दुकान पर कार्य करने वाले दलाल रामखिलाडी को दिलवा दिये। आरोपी दलाल रामखिलाडी की पहनी हुई पेन्ट की जेब से रिश्वत राशि तीन हजार बरामद हो चुकी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए.सी.बी एसयू भरतपुर के साथ टीम मौजूद रही।

■ **पहाड़ी निवासी परिवादी रमेशचंद से चार हजार रुपये की रिश्वत वसूल चुका था आरोपी आशिक**

भरतपुर एसीबी की टीम ने पंचायत समिति परिसर पहाड़ी में आरोपियों को गिरफ्तार किया।

चूरू में -2.7 डिग्री पारा दर्ज

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में लोगों ने अलाव जलाकर सर्दी से बचाव किया। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में मंगलवार को न्यूनतम तापमान माइनस 2.7 डिग्री और अधिकतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है।

भाजपा की रैली व कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

झुंझुनूं, (निसं)। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने झुंझुनूं मुख्यालय पर रैली निकालकर कलेक्ट्रेट के समक्ष उग्र प्रदर्शन किया व दोरासर ग्राम में धरना दिया। भाजपा यह विरोध प्रदर्शन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति खंडित करने व दलितों पर लाठीचार्ज करने की घटना को लेकर था। मामले में झुंझुनूं विधानसभा के ग्राम दोरासर में जिला पुलिस प्रशासन द्वारा ग्रामवासियों की गिरफ्तारी की गई थी।

रोड नंबर 3 स्थित भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया जिला प्रवक्ता कमल कांत शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र भांबू, दोरासर सरपंच दिलीप मीणा के नेतृत्व में सैकडों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के समक्ष जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मिला व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति व दलित परिवारों को पुन: स्थापित करने की मांग रखी। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता विश्वंभर पूनिया ने कहा कि जिला पुलिस प्रशासन ने स्थानीय विधायक व राज्य मंत्री बृजेंद्र ओला के कहने पर संविधान रचयिता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया व वहां पर दलित परिवारों के महिलाओं व पुरुषों पर लाठियां भांजी। पूनिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि दलितों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जब तक प्रशासन बाबा साहेब की मूर्ति व दलितों के घर पुन: स्थापित नहीं करेंगे तब तक दोरासर ग्राम में धरना जारी रहेगा।

■ **मूर्ति खंडित करने व लाठीचार्ज करने का मामला**

भाजपा नेता कमलकांत शर्मा ने कांग्रेस पर दलितों पर अत्याचार करने के आरोप लगाए। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र भांबू ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राजस्थान में गरीब, दलित व महिलाएं सुरक्षित नहीं है।

सरपंच दिलीप मीणा ने कहा कि पंचायत से लिए प्रस्ताव के बाद ही बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाई गई थी, लेकिन कांग्रेस के नेताओं के दबाव में प्रशासन ने संविधान रचयिता की मूर्ति को खंडित करने का कार्य किया है। गलत कार्यवाही का विरोध करने पर पुलिस प्रशासन द्वारा भाजपा कुलोद मंडल संयोजक एवं पूर्व सरपंच अर्जुन महला सहित 15 महिला व पुरुषों को जबरन गिरफ्तार कर प्रताड़ित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील लांबा, पूर्व सरपंच बाकरा व कुलोद मंडल अध्यक्ष सतीश खीचड सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौशाला में 10 गोवंश मृत मिले

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर नगर पालिका द्वारा संचालित गौशाला में लगभग 10 गोवंश मृत मिले गोवंश के मरने का सिलसिला लगभग आठ 10 दिनों से चल रहा है इस संबंध में नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी बनवारी लाल ने बताया कि हमारी तरफ से पूरी व्यवस्था है। पुष्कर के खरेखरी रोड पर नगरपालिका की गौशाला में लगभग 11 गोवंश मृत मिले माना जा रहा है कि यह गोवंश ठंड की वजह से मरे हैं जिसमें सांड ज्यादा है और गाय कम गौशाला में मर रही गायों को लेकर पुष्कर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि हमारी तरफ से पूरी व्यवस्था है इसमें कोई कमी नहीं है।

गायों को प्रतिदिन गुड देने वाले भक्तों ने बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग गाय वह सांड मरे हुए नजर आ रहे हैं जिस पर पुष्कर के मीडिया कर्मी वहां पहुंचे वहां देखा गया कि लगभग तीन से चार गाय एक छोटी बछड़ी व 6 से 7 सांड मरे हुए नजर आए वहां कार्यरत जो मजदूर मिले उन्होंने बताया कि -तीन 4 सांड दो-तीन दिन पहले मरे हैं पालिका को सूचित कर दिया है लेकिन जेसीबी भी नहीं आई कुछ जानवर आज मरे। मीडिया कर्मियों ने पशुपालन विभाग के डॉक्टर विष्णु बरगड ने बताया कि प्लास्टिक की वजह से गायों की मौत हो रही है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि पुष्कर मेले में पकड़ी हुई गाय अब जाकर मर रही है तो कहां प्लास्टिक का मामला है पुष्कर मेला नवंबर में लगा था उस दौरान इन गायों को पकड़ा गायों का मरने का सिलसिला गत चार-पांच दिनों से चल रहा है। मूल रूप से माना जा रहा है कि गोवंश ठंड की वजह से मर रहा है।

■ **आठ-दस दिनों से मर रही है गायें**

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री रामबाबू राव शर्मा पुत्र श्री देवीलाल निवासी वार्ड सं. 08, कस्बा चाकसू अपने पुत्र अतुल राव को गलत संगत मे पडने व उसका कहना नही मानने के कारण उसको अपनी समस्त चल/अचल संपति से बेदखल करता है। भविष्य में अपने कृत्य के लिये स्वंय अतुल राव जिम्मेदार होंगा। सूचित रहे।
प्रेषक-अजय सिंह चौहान एडवोकेट मोबाइल-9261727893

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य बाबूलाल धाकड़ पुत्र श्री हरदेव धाकड़ निवासी-चावण्डपुरा, तहसील -नैनवा, जिला -बून्दी (राज़) ने तेजाराम पुत्र श्री बीज राम जाति -जाट निवासी-जयपुर हाल आबाद, खिरखड़ी के स्वामित्व की भूमि जो कि सेवती कलां खिरखड़ी तहसील व जिला -सवाईमाधोपुर मे स्थित खसरा नम्बर 196-9.7800, 197-1.9500, 198-0.9200 कुल रकबा 12.6500 उक्त समस्त खसरान की भूमि मेरे अभिभाष्य ने क्रय करली है। यदि किसी को इस संबंध में किसी व्यक्ति विशेष को आपत्ति है तो 7 दिवस में आपत्ति दर्ज करा देवें।
सुनील कुमार गोठवाल, (एडवोकेट) मो.नं.9001259895

आम सूचना मेरी अभिभाष्या दिव्या पुत्री स्वं श्री कालूराम पत्नि श्री भवानी सिंह, उम्र 22 वर्ष, पता 288, जे.डी.ए.क्वार्टर, पानी की टंकी के पास, सिरसी बिन्दायका, जयपुर के दादा स्वं श्री रामलाल के स्वामित्व की सम्पति मं.नं.8, अमृतपरी, आर.ए.सी. लाईन के पास, घाटगेट, जयपुर में है जिनकी मृत्यु के पश्चात मेरी अभिभाष्य के पिताजी की मृत्यु हो गई और वारियान मे मेरी अभिभाष्या एकमात्र वारीस है उक्त सम्पति में मेरी अभिभाष्या का अधिकार हैं। अत सर्व साधारण से निवदेन है कि उक्त सम्पत्ति को मेरी अभिभाष्या की बिना इज्जात के क्रय ना करे। अगर कोई क्रय करेगा तो उसकी हानि का स्वयं जिम्मेदार होगा। सोनू कंवर, एडवाकेट, मो.9521619418

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य मोहम्मद खालिद सिदिद्की पुत्र मज्जन सिदिद्की आयु 38 वर्ष जाति मुसलमान निवासी मकान नम्बर 71, कल्याण नगर, बावडी का बास, तहसील सांगानेर जिला जयपुर, राजस्थान द्वारा प्लाट नम्बर 572, जेडीए कॉलोनी, गोविन्दपुरा, तहसील सांगानेर जिला जयपुर, राजस्थान स्थित सम्पत्ति मय निर्मित ग्राउण्ड फ्लोर फर्स्ट फ्लोर, छत को उक्त सम्पत्ति के स्वामी श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री हरिशंकर छींपा निवासी मकान न. 572, जेडीए कॉलोनी, गोविन्दपुरा, तहसील सांगानेर जिला जयपुर, राजस्थान से खरीद कर रहा है। मेरा अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति को एच.डी.एफ.सी. लि. में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करना चाहता है। यदि किसी भी व्यक्ति संस्था आदि को उक्त सम्पत्तिके खरीद/बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करें, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।
जयपुर (रामेश्वरसिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनाक 17-01-23 मो.न.9829256466

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या नाहिद पत्नी फारूक अहमद, निवासी 109, कृष्णा कॉलोनी, बेनीवाल काटा, रामगढ़ रोड़, जयपुर, के पुत्र मिर्जा तौसीफ बैग पुत्र मिर्जा जहिर बैग मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है। मेरी अभिभाष्या के साथ गलत तरीके से पेश आता है। लड़ाई झगड़ा करने में उतारू रहता है। मरने मारने की धमकी देता है। अपनी मनमर्जी करता है। इसलिये मेरी अभिभाष्या ने अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इसका भविष्य में मेरी अभिभाष्या व इनकी सम्पत्ति में कोई हक व अधिकार नहीं होगा, जो कोई व्यक्ति, संस्था, बैंक, फाईनेंस कम्पनी लेन देन करेंगे, उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी, मेरी अभिभाष्या की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहें। दिनांक 17.1.2023
जयपुर शोएब मिर्जा, एडवाकेट

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्य श्रीमती पिंकी कुमावत धर्मपत्नी श्री रामनिवास कुमावत आयु 32 वर्ष जाति कुमावत निवासी मकान नम्बर जे-539, आजाद नगर, पवकी सोड़ाला, अजमेर रोड, जिला जयपुर, राजस्थान द्वारा प्लाट नम्बर 69, गायत्री नगर, अजमेर रोड, सोड़ाला, जिला जयपुर, राजस्थान में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज अर्थात 222.95 वर्गमीटर में से पूर्वी हिस्सा प्लाट नम्बर 69, गायत्री नगर, अजमेर रोड, सोड़ाला, जिला जयपुर राजस्थान में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज अर्थात 111.48 वर्गमीटर सम्पूर्ण खाली भूखण्ड को उक्त सम्पति के स्वामी श्रीमती बबीता खण्डेलवाल धर्मपत्नी श्री अमित खण्डेलवाल आयु 42 वर्ष जाति महाजन निवासी मकान नम्बर 63, गायत्री नगर, अजमेर रोड, सोड़ाला, जिला जयपुर, राजस्थान से खरीद कर रही है। मेरी अभिभाष्य उक्त सम्पति को एच.डी.एफ.सी. लि. में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करना चाहती है। यदि किसी भी व्यक्ति संस्था आदि को उक्त सम्पत्तिके खरीद/बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करें, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id:dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/2383 दिनाक-16.1.2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 21/224, मानसरोवर, जयपुर क्षैत्रफल 189.900 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री नन्दलाल बैरवा पुत्र श्री बजरंग लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4136 दिनांक 17.02.19986 को जारी किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 09.7.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1801 दिनांक 27.03.2001 के द्वारा श्री नन्दलाल बैरवा पुत्र श्री बजरंग लाल के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 26.9.2001 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री नन्दलाल बैरवा की मृत्यु दिनांक 20.9.2008 को हो जाने के कारण इनके पुत्रांन श्री ओमप्रकाश वर्मा, श्री वेद प्रकाश वर्माएवं श्री जितेन्द्र प्रकाश वर्मा पुत्रांन स्व.श्री नन्दलाल बैरवा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हक त्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अत : उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री ओमप्रकाश वर्मा, श्री वेद प्रकाश वर्मा एवं श्री जितेन्द्र प्रकाश वर्मा पुत्रांन स्व.श्री नन्दलाल बैरवा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:14003 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:16.01.2023
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 101/172 (HIG), (एरिया 158.010 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री विष्णु कुमार गुरनानी पुत्र श्री रेवाचन्द गुरनानी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3545 दिनांक 29.03.2001 को जारी किया गया। तत्पश्चात आवास का नियमितिकरण श्री नेमीचन्द जैन पुत्र श्री भूरालाल जैन के नाम पत्र क्रमांक 1254 दिनांक 26.08.2004 के द्वारा इनके नाम किया जाकर इनके पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहाँ दिनांक 31.08.2004 को पंजीकृत करवाये गये। श्री नेमीचन्द जैन की मृत्यु दिनांक 16.11.2021 को हो जाने के कारण इनकी पुत्रान् 1. श्री तारा चन्द जैन 2. श्री ओम प्रकाश जैन 3. श्री अशोक कुमार जैन 4. श्री रामअवतार जैन 5. श्री धर्म चन्द जैन पुत्रान् श्री नेमीचन्द जैन द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, 1. श्री तारा चन्द जैन 2. श्री ओम प्रकाश जैन 3. श्री अशोक कुमार जैन 4. श्री रामअवतार जैन 5. श्री धर्म चन्द जैन पुत्रान् श्री नेमीचन्द जैन का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती, गीता सक्सेना पत्नी श्री अनूप कुमार सक्सेना निवासी 1/11 विक्रम आदित्य नगर रेजीडेंसी रोड, जोधपुर राजस्थान, (हाल पता 33/66 एच. आई.जी. वाके मानसरोवर, राजस्थान आवासन मंडल योजना जयपुर) को उसकी स्वर्गीय माता श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव पत्नी स्वर्गीय डॉ श्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा के तहत नीचे वर्णित अनुसूची की संपत्ति के आधार निहित किए गए है जिसके तहत मेरी मुवक्किल ने वर्णित संपत्ति को उसके नाम पर स्थानांतरण के लिए संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन किया है। यदि किसी को कोई आपत्ति है, तो वह इस प्रकाशन के 7 दिनों (सात) के भीतर अपने दावे की पुष्टि करने वाले दस्तावेजी प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते है, जिसमें विफल रहने पर कोई दावा/ आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।
संपत्ति की अनुसूची-33/66, एच. आई.जी. वाके मानसरोवर, राजस्थान आवासन मंडल योजना जयपुर
अधिवक्ता-Adv.Abhilasha Sharma (729906222)
AS Law Chambers, 153/24, Shipra Path
Mansarovar Jaipur, Rajasthan-302020

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमाक-एफ-6()उपा.राज-द्वितीय (सा.प्र.)/ननिज./2023/1677 दिनांक 17/01/2023
सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या 7, लाल निवास योजना, जयपुर को दिनांक 21.11.1996 को मेजर जनरल जोरावर सिंह पुत्र स्व. ठाकुर भैरू सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या 7, लाल निवास, जयपुर जिसकी पैमाईश पुर्व पश्चिम 66 फीट उत्तर दक्षिण 61 फीट डाक्टर कृष्णमोहन माथुर पुत्र स्व. श्री नन्दलाल माथुर को बेचान किया गया था। दिनांक 15.01.1972 को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 7, योजना लाल निवास, जयपुर डॉ. के.एम. माथुर के नाम से भवन निर्माण पत्र जारी किया गया। दिनांक 01.12.1987 को डॉ. कृष्णमोहन पुत्र स्व. श्री नन्दलाल माथुर द्वारा भूखण्ड संख्या 7, लाल निवास, जयपुरश्री राजेराज पुत्र डॉ. रमेश माथुर के पक्ष में इच्छा पत्र निष्पादित किया गया। श्रीमती डॉ. कृष्ण मोहन माथुर की मृत्यु उपरांत आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नोटेरी प्रमाणित इच्छा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अण्डटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्री राजे राज पुत्र श्री रमेश मोहन माथुर के पक्ष में क्षेत्रफल 447.33 वर्गगज का फ्री होल्ड पट्टा जारी किया जाना है। इस फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार फ्री होल्ट पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
(सोहन राम चौधरी)
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका निवाई, जिला (टोंक)
क्रमांक- न.पा.नि./2022-23/13017 दिनांक- 17.1.2023
आवासीय भूखण्डो की संशोधित निलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका क्षैत्र निवाई में पालिका की अनुमोदित शास्त्री नगर आवासीय योजन के आवासीय भू-खण्डो की निलामी को कार्यालय की निलामी सूचना क्रमांक न.पा.नि/2022-23/12631 दिनांक 05.01.2023 मे निर्धारित दिनांक व समयानुसार रखी गई है जिसमें निलामी शर्त की बिन्दू संख्या 06 में निम्नानुसार संसोधन किया जाता है।
सफल बोली दाता द्वारा बोली की रकम का 35 प्रतिशत भाग निलामी दिनांक से 120 दिवस के अन्तर्गत जमा करना आवश्यक होगा। तथा शेष 50 प्रतिशत राशि निलामी दिनांक से 180 दिवस के अन्तर्गत जमा करना आवश्यक होग। असफल रहने पर बोली स्वीकार करने की तिथि से मूल राशि पर 15 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्रभारित किया जायेगा। सफल बोलीदाता द्वारा डिमाण्ड की दिनांक से 15 दिवस सम्पूर्ण राशि जमा कराने पर 01 प्रतिशत राशि की छूट देय होगी। अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका निवाई

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपा.श्रीमा./2022-23/6224-25 दिनांक-16.01.2023
आपत्ति आमंत्रण सूचना
श्री रतनलाल कसेरा पुत्र स्व. श्री दीनदयाल कसेरा निवासी वार्ड नम्बर 20 कसेरों का मोहल्ला श्रीमाधोपुर, जिला सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये हैं।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 20 कसेरों का मोहल्ला श्रीमाधोपुर	चर्तुसमीऐं निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में किशनलाल कसेरा का मकान, पश्चिम दिशा में आम रास्ता, उत्तर दिशा में माठोलिया का मकान व दक्षिण दिशा में किशनलाल कसेरा का मकान अवस्थित है।	मकान आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 50 फुट, उत्तर से दक्षिणी 35 फुट कुल क्षेत्रफल 194.44 वर्गगज या 162.55 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16.01.2023 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए अब भाजपा की नजरें नव मतदाताओं पर

पार्टी के पक्ष में मतदान की बन रही रणनीति, इसको लेकर चल रही है बैठकें

- प्रदेश में करीब 20 लाख नए मतदाता वोटर लिस्ट से जुड़े
- 20 जनवरी से 11 फरवरी तक नव मतदाता अभियान के द्वारा जोड़े जाएंगे युवा

जयपुर। भाजपा की ओर से विधनसभा चुनाव और लोकसभा चुनावों को देखते हुए अब भाजपा प्रदेश के नव व युवा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए नव मतदाता अभियान चलाकर उन्हे अपने पक्ष में कर रही है। इस अभियान के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में पिछले दिनों बैठकें हो चुकी हैं और सभी जिलों में भी बैठकें जल्द की जाएगी। इसके लिए नव मतदाता अभियान के लिए संयोजक और सह संयोजक भी लगाए गए हैं। वोटर लिस्ट में जुड़े करीब 20 लाख नए मतदाताओं को पार्टी अपनी ओर खींचेगी। इसके लिए नव मतदाता अभियान चलाया जाएगा।

पार्टी का मकसद है कि अगर ये वोटर भाजपा खेमे में आ जाएं तो पार्टी को जीत से कोई नहीं रोक सकता है। पार्टी नव मतदाता अभियान के तहत इन युवा मतदाताओं के बीच जाएगी। मोदी सरकार की ओर से युवाओं को लेकर चलाई जा रही योजनाओं का खाका इन युवाओं के समक्ष रखा जाएगा और बताया जाएगा कि अगर भाजपा की सरकार आती है तो राजस्थान में भी युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जाएंगी। खासकर रोजगार पर फोकस किया जाएगा, ताकि बेरोजगारी को दूर किया जा सके। अभी बेरोजगारी के मामले में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। इस अभियान में एक वरिश्ठ भाजपा कार्यकर्ता के साथ एक महिला और एक युवा कार्यकर्ता को लगाया गया है। ये सभी विधानसभा और मंडल स्तर तक लगाएगे। इन सभी की जिला स्तर की कार्यशालाएं 20 जनवरी से पहले की जाएगी। इसके बाद तीन चरणों में इस नव मतदाता अभियान को चलाया जाएगा। प्रथम चरण 21 से 28 जनवरी तक सर्वजनिक स्थानों पर किया जाएगा। जिसमे मडल स्तर पर चौराहे, व्यापार मंडल आदि सर्वाजनिक स्थानों पर कैनोपी लगाकर आने वाले लोगों को जोड़ा जाएगा। द्वितीय चरण 29 जनवरी से 4 फरवरी तक कॉलेज आदि स्थानों पर युवा मोर्चा के द्वारा किया जाएगा। तीसरे चरण में संगठनात्मक स्तर पर प्रत्येक बूथ शक्ति कैन्दों के स्थान पर होगा और नव मतदाताओं को ऑनलाइन जोड़ा जाएगा और 11 फरवरी को इस अभियान का समापन होगा।

गौरतलब है कि वोटर लिस्ट में जुड़े नए मतदाताओं में 10 लाख 18 हजार 685 महिला और नौ लाख 70 हजार 497 पुरुष मतदाता हैं। अब राज्य में मतदाताओं को कुल संख्या पांच करोड़ 11 लाख 64 हजार 685 हो गई है। इसके साथ ही जिलों में बढ़े मतदाताओं में अजमेर में 68495, अलवर में एक 37742, बांसवाड़ा में 48351, बारां में 36544, भरतपुर में 73419, भीलवाडा में 75940, बीकानेर में 62426, बूदी में 86454, चित्तोडगढ में 32825, चूरु में 44522, दौसा में 55680, धौलपुर में 37500, डूंगरपुर में 50446, गंगानगर में 62046, हनुमानगढ़ में 50188, जयपुर में 171751, जैसलमर में 15778, जालौर में 53244, झालावाड़ में 35442, झूण्झूनू में 63031, जोधपुर में 82544, करौली में 50750, कोटा में 38134, नागौर में 129025, पाली में 61817, प्रतापगढ़ में 23790, राजसमन्द में 27442, सवाई माधोपुर में 46620, सीकर में 85558, सीरोही में 34840, टोक में 39267, उदयपुर में 77304 नव मतदाता जुड़े है। इन सभी पर भाजपा का पूरा फोकस रहेगा की आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में वोट कर सके। देश में 2024 में लोकसभा चुनाव भी हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव में नव मतदाता भाजपा की तरफ आए तो लोकसभा चुनाव में भी इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। 2018 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच 1.5 लाख वोटों का अंतर था। नव मतदाता भाजपा में मिलते हैं तो जीत में आसानी होगी।

पेपर लीक मामलों की सी.बी.आई.जांच को लेकर रा.लो.पा. का प्रदर्शन

प्रदेश में पेपर लीक मामलों की सीबीआई जांच को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने मंगलवार को सिविल लाइंस फाटक पर सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

- बेरीकेड्स पर चढ़े सांसद हनुमान बेनीवाल

जयपुर (कासं)। प्रदेश में पेपर लीक मामलों की सीबीआई जांच को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) ने मंगलवार को जयपुर में प्रदर्शन किया। शहीद स्मारक पर सभा के बाद सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सीएम हाउस की तरफ कूच किया। मगर पुलिस ने उन्हें सिविल लाइन फाटक पर ही रोक लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान बेनीवाल बेरीकेड्स पर चढ़ गए। यह घटनाक्रम करीब 20 मिनट चला। इसके बाद कार्यकर्ता वहां से रवाना हो गए। अब 19 जनवरी को अवैध बजरी खनन के खिलाफ बालोतरा में प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन से पहले शहीद स्मारक पर सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान हनुमान बेनीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री को इस बात का डर है कि अगर मामले की जांच सीबीआई करेगी तो उसकी आंच सीएमओ तक जरूर आएगी, क्योंकि पेपर लीक में सीएमओ के सीधी तार जुड़े हुए हैं। अगर सरकार को लगता है कि पेपर लीक मामले में निष्पक्ष तरीके से जांच हो रही है, तो फिर तमाम राजनीतिक विपक्षी दलों की मांग को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रकरण की जांच के लिए सीबीआई को अनुशंसा क्यों नहीं कर रहे हैं। बेनीवाल ने कहा कि यह जो आज राजधानी जयपुर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। यह तो एक छोटा सा ट्रेलर है, अगर सरकार ने सीबीआई जांच की अनुशंसा नहीं की तो राजधानी जयपुर को घेरने के लिए भी आरएलपी तैयार है।

हिरण की श्रद्धांजलि सभा आज

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के निमंत्रित सदस्य, ज्येष्ठ प्रचारक हस्तीमल हिरण का शनिवार निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्होंने देहदान का संकल्प ले रखा था। बुधवार को जयपुर में उनको श्रद्धांजलि देने के लिए सभा का आयोजन किया जाएगा।

दुष्कर्म के अभियुक्त को बीस साल की कैद

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मनोज कुमार उर्फ मोनू को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर सात हजार पांच सौ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि नाबालिग पीड़िता की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। इसके साथ ही अदालत ने मेडिकल साक्ष्य और डीएन रिपोर्ट के आधार पर माना कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 4 जनवरी 2021 को मुरलीपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि रात को उसकी नाबालिग बेटी बाहर के कमरे में सो रही थी। उसकी दादी ने जब रात 12 बजे करीब देखा तो वह कमरे में नहीं मिली। उसकी कॉपी में एक मोबाइल नंबर मिला, जो आरोपी मनोज का था। वे मनोज के घर गए तो उसने पीड़िता को कमरे में छिपा रखा था। वहीं पीड़िता ने कहा कि मनोज उसे मोटरसाइकिल से घर से लाया है और उसके साथ गलत काम किया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

वहीं ट्रायल के दौरान पीड़िता अपने बयानों से मुकर गई और कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ कोई गलत काम नहीं किया है, लेकिन कोर्ट ने डीएनए व मेडिकल साक्ष्य में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर अभियुक्त को बीस साल कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है।

रिश्वत में अस्मत मांगने के मामले में बर्खास्त डीएसपी बोहरा को जमानत

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता के केस में कार्रवाई करने की एवज में रिश्वत में उसकी अस्मत मांगने के आरोपी बर्खास्त डीएसपी कैलाश बोहरा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस पंकज भंडारी की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी कैलाश बोहरा की ओर से पेश जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता ने अलग-अलग लोगों के खिलाफ यौन संबंधों को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने पीड़िता के समझौते के आधार पर एफआर पेश कर दी। वहीं इस प्रकरण में आरोपी एक साल और दस माह से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ देना उचित है।

जमानत याचिका में अधिवक्ता वीआर बाजवा ने प्रकरण में आरोप पत्र पेश किया जा चुका है और अभियोजन पक्ष की ओर से पीड़िता के बयान भी दर्ज हो चुके हैं। पीड़िता के बयानों में भी याचिकाकर्ता के खिलाफ अपराध बनने का तत्व गठित नहीं होता है। याचिकाकर्ता की ओर से संबंधित महिला के खिलाफ ब्लैकमेल करने का मामला भी दर्ज कराया गया है। वहीं प्रकरण में वह करीब दो साल से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

सराफ ने 1500 गर्म कंबल भेंट किये

जयपुर। मालवीय नगर विधायक एवं पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने विधायक कोष से प्रदत्त 27 लाख रुपये लागत से सवाई मानसिंह अस्पताल में 1500 गर्म कंबल मरीजों के लिए एसएमएस अधीक्षक को भेंट किए। अस्पताल अधीक्षक डॉ अचल शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक सराफ की अभिनव पहल है इन 1500 कंबलों को अस्पताल में भर्ती मरीजों को बांटे जाएंगे जिससे सर्दी में उनको राहत मिलेगी।

जे.एल.एफ. में विज्ञान, तकनीक और एआई पर होगी चर्चा

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया के सबसे करिश्माई लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन 19 से 23 जनवरी, को गुलाबी नगरी जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होने जा रहा है। इस साल, फेस्टिवल के 16वें संस्करण में, विज्ञान, तकनीक और एआई की दुनिया के विशेषज्ञ इन जटिल विषयों पर रौशनी डालेंगे।

प्रोग्राम की विविधता के साथ, फेस्टिवल के एक सत्र में पुरस्कृत खोजी पत्रकार विद्या कृष्णन से संवाद करेंगे वस्कुलर सर्जन और लेखक अम्बरीश सात्विक। सत्र के दौरान, कृष्णन अपनी नई किताब, फैटम प्लेग: हाउ ट्यूबरक्लोसिस शेप्ड आवर हिस्ट्री, के माध्यम से बतायेंगी कि विभिन्न बीमारियों के उपचार ने कैसे मानवजाति को प्रभावित कर, विकास में योगदान दिया। एक अन्य सत्र में, जाने-माने कैंसर चिकित्सा विज्ञानी, जीवविज्ञानी और पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित लेखक, सिद्धार्थ मुखर्जी, अपनी नई किताब, द सोंग ऑफ़ द सेल के माध्यम से हमारे अंगों की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण ईकाई के बारे में बताएँगे।

'बुचारा बांध की लुटती असमत बचा लो सरकार'

कोटपूतली, (निसं)। एक ओर जहां सरकार गिरते जल स्तर व लोगों की प्यास बुझाने के उद्देश्य को लेकर जल स्वालम्बन को बढ़ावा देने के लिए जोहड़ खुदाई सहित बरसात के बहते जल को रोकने के लिए प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर कोटपूतली के निकटवर्ती ग्राम बुचारा स्थित करीब 300 वर्ष पुराने करीब 36 किलोमीटर में बने बुचारा बांध का अस्तित्व वर्तमान में सरकार की अनदेखी के चलते खनन माफियाओं व गुंडा तत्वों की शरण स्थली बन गया है।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राज पुरोहित को ज्ञापन सौंपा।

- मुख्यमंत्री से लेकर राहुल गांधी तक खनन माफियाओं पर लगाम लगाने की गुहार निष्फल
- ग्रामीणों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बुचारा बांध की असमत बचाने के लिए अलवर में लगाई थी गुहार
- चार दिवसीय पदयात्रा भी रही बेअसर, अब ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर का खटकटाया दरवाजा

जिसके चलते बेखौफ खनन माफिया ऊंची रसूखात व प्रशासनिक सांठ-गांठ से इस बांध की अस्मत लूट रहे हैं। बावजूद इसके की विगत दिनों राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 20 दिसम्बर को अलवर में विभिन्न सामाजिक संगठनों से अवैध खनन को लेकर हुए राहुल गांधी के संवाद के दौरान राहुल गांधी द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खनन माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया था जिसके बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने वहां मौजूद लोगों को उचित कार्यवाही का आश्वासन भी दिया था।

लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होने के बाद ग्रामीणों ने 4 दिवसीय पदयात्रा निकाल कर सरकार व प्रशासन को उक्त बांध की अस्मत बचाने की गुहार लगाई थी। साथ ही कार्यवाही नहीं होने पर अनिश्चित कालीन धरने की भी चेतावनी दी थी और अब एक बार फिर खनन ग्रस्त संघर्ष समिति कोटपूतली व जयपुर जिला भर के किसान संगठनों व सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि मण्डल ने राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राज पुरोहित से मिलकर विरासत कालीन धरोहर बुचारा बांध को खनन माफिया से बचाने की गुहार लगाई है। जिसमें राधेश्याम शुक्लावासस ने बताया कि बुचारा बांध राजस्थान की वह पहचान है जो जयपुर से लेकर पटौदी (हरियाणा) तक के किसानों को जिंदगी व रोजगार देता रहा है। आज बुचारा बांध पर खनन माफिया की नजर लग चुकी है। बुचारा बांध की पाल (डोल) सहित पूरे केचमेंट एरिया को खनन माफिया अवैध तरीके से जबरन लूट रहा है। इसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ गैंगस्टर, माइनिंग की रॉयल्टी वसूली कंपनियां व सिंचाई विभाग, माइनिंग विभाग, पुलिस, प्रशासन की मिलीभगत से हमारी विरासत कालीन धरोहर बुचारा बांध को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया है। लोगों का कहना है कि खनन माफिया बुचारा बांध को नहीं,बल्कि किसानों की अस्मत को लूट रहा है। सरकार एक तरफ तो नहर परियोजना लाना चाहती है तथा दूसरी ओर बांधों का अस्तित्व नष्ट करने पर आमदा है।

किन्तु खनन माफियाओं की ऊंची रसुखात व सांठ-गांठ तो देखिए इतना सब होने के बावजूद भी आखिर सब बेअसर क्यों है? क्या यहां खान विभाग के तमाम अधिकारी से लेकर प्रशासनिक तंत्र तक खनन माफियाओं की कठपुतली बन गया है? आखिर लम्बे समय से इस 36 किलोमीटर बांध की परिधी में किये जा रहे खनन की खैर-खबर क्यों नहीं ली गई? क्या 300 साल पहले राजा मानसिंह ने इस बांध को खनन माफियाओं की शरण स्थली बनने के लिए बनाया था? यदि नहीं तो इस बांध की अस्मत बचा लो हे गहलोत सरकार!

डिग्गी कस्बे के दर्जनों मकानों में आई दरारें

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी कस्बे के दर्जनों मकानों में दरारें आ जाने से भयभीत ग्रामीणों ने मंगलवार को एसडीएम रामकुमार वर्मा को ज्ञापन सौंप मामले की जांच व सुरक्षा की गुहार लगाई है।

- नागरिकों ने एसडीएम से लगाई सुरक्षा की गुहार

ज्ञापन में बताया कि जलदाय विभाग की लाइनों में हो रहे रिसाव के कारण पूर्व में भी कल्याणजी मंदिर के पीछे मकानों में दरारें आ जाने से मकान क्षतिग्रस्त हो गये थे। अब कस्बे के वार्ड नम्बर 12 में गणेश खाती, बद्री माली, पप्पू बाबर, छीतर खारोल, कुम्हार समाज की धर्मशाला सहित दर्जनों मकानों में जगह-जगह दरारें आ जाने से पीड़ित मकान मालिकों ने अपने स्तर पर जांच करवा दरारें आने का कारण जानने का प्रयास किया लेकिन मकानों में दरारे आने का क्रम बदस्तूर जारी है।

एसडीएम ने लोगों की सुरक्षा को पहली प्राथमिकता बताते हुए तत्काल सार्वजनिक निर्माण विभाग व जलदाय विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त हुए मकानों का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट तत्काल देने के आदेश दिये। आदेश पर पीडब्ल्यूडी विभाग के एइएन व जलदाय विभाग के अधिकारियों ने नायब तहसीलदार के साथ वार्ड नम्बर 12 में पहुंच मकानों में आई दरारों का निरीक्षण कर जांच शुरू की। मंगलवार की देर शाम डिग्गी पहुंचे एसडीएम रामकुमार वर्मा ने भी मकानों में आई दरारों का निरीक्षण किया।

110 छात्रों को स्वेटर बांटे

पावटा, (निसं)। उडान सेवा समिति ने ग्राम भूरी भडाज के तीन राजकीय विद्यालयों में धालेडा, मोहनदास वाली, भडाज बस्ती में सर्दी के मौसम में जरूरतमंद 110 विद्यार्थियों को स्वेटर, जूते- जुराब वितरित किए। उडान सेवा समिति के सदस्यों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से सर्दी के मौसम में स्कूली बच्चों तथा अन्य जरूरतमंद बच्चों को गर्म वस्त्र बांटने का कार्य कर रही है।

सिन्धु नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि., जयपुर
1434, भूप टीबा, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, जयपुर 302001
Ref No. SNCHS/2023/09 **आम सूचना** दि. 12/01/2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्याम सुन्दर खत्री पुत्र श्री रामचरण खत्री निवासी 69, बिलूची नगर, बैनाड़ रोड़, जयपुर हाल निवासी 63, भगवान नगर 31, बालाजी इंजीनियर कॉलेज के पीछे, बैनाड़ रोड़, हरमाड़ा, जयपुर ने समिति कार्यालय में शपथ-पत्र, गुमशुदगी एल.आर. नम्बर 1690318/2023 दिनांक 11/01/2023 को साईबर पुलिस थाना में प्रस्तुत कर समिति की योजना श्री गोपाल नगर, बैनाड़ रोड़, जयपुर में भूखण्ड संख्या एम-45, क्षेत्रफल 50 वर्गगज का डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी करने की प्रार्थना की है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था व अन्य को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 14 दिवसो में समिति कार्यालय में ऐतराज प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजरे मियाद कोई ऐतराज स्वीकार नही होगा तथा डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी कर दिया जायेगा। (अध्यक्ष)

सिन्धु नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि., जयपुर
1434, भूप टीबा, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, जयपुर 302001
Ref No. SNCHS/2023/10 **आम सूचना** दि. 12/01/2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शांती देवी पत्नी श्री प्रताप सिंह निवासी प्रताप डेयरी, झोटवाडा, जयपुर हाल निवासी 15, महादेव नगर, गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर ने समिति कार्यालय में शपथ-पत्र व गुमशुदगी सूचना क्रमांक 369 दिनांक 05/07/2009 को पुलिस थाना झोटवाडा, जयपुर में प्रस्तुत कर समिति की योजना स्कीम नम्बर 10 (शक्ति नगर), निवारू रोड़, जयपुर में भूखण्ड संख्या 145, क्षेत्रफल 300 वर्गगज का डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी करने की प्रार्थना की है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था व अन्य को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 14 दिवसो में समिति कार्यालय में ऐतराज प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजरे मियाद कोई ऐतराज स्वीकार नही होगा तथा डुप्लीकेट आवंटन पत्र जारी कर दिया जायेगा। (अध्यक्ष)

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम रोहित गोयल से बदलकर रोहित कुमार गोयल पुत्र महावीर प्रसाद मिरणका (Miranka) व माता वंदना देवी मिरणका (Miranka) रख लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जाये। पताः 75, सागर सदन, विवेक विहार, नियर संजीवनी हॉस्पिटल, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर राजस्थान 302019

मेरे पुत्र के मूल दस्तावेजों में उसका नाम अभिषेक Abhishek है व मेरे सर्विस रिकॉर्ड में अभिषेक Abhishekh लिखा गया जो गलत है भविष्य में इसे अभिषेक Abhishek पुत्र सुभाष कुमार जाति जाट निवासी जोरावरनगर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान के नाम से जाना जावे।

I have changed my name Naznin Begam to Nazneen Begum W/o Abdul Shakoor. Now I will be known my new name Nazneen Begum. Address H.No. 3311, Mohalla Silwatan, Chowkri Ramchandra Ji Ki, Jaipur, Rajasthan-302002.

I have changed my name from Sharma abhishek pawan to Sharma Abhishek S/o Pawan kumar for all future purposes. Resident- 9, village Tatiyawas, Amer, Jaipur Rajasthan

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

राजगढ़, (निसं)। पिनान ग्राम निवासी गोपाल माली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा विश्वनाथ एवं उसकी पत्नी धप्पी देवी राजगढ़ गए थे जो 17 जनवरी को दोपहर बाद वापस गांव लौट रहे थे। इस दौरान उसकी पत्नी की तबीयत खराब होने पर वह साइड में उल्टी कर रही थी। इसी समय नांगल गांव की ओर से एक बाइक सवार ने तेजी से उसकी पत्नी को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण

टोंक, (निसं)। भीम आर्मी ग्रुप एवं मोहम्मदनगर (बडकांवाली) के ग्रामवासियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का मुख्य अतिथि रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान एवं भीम आर्मी सेना के प्रवक्ता शोएब खान ने अनावरण किया।

ग्रामीणों ने तूड़ी एकत्रित कर उस राशि से बाबा साहेब की प्रतिमा बनवाई। इस मौके पर रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अकबर खान ने कहा कि मैं खुशनसीब हूं कि मुझे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण करने का मौका मिला है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि अखिल भारतीय बैरवा महासभा के सरंक्षक सुखलाल आर्य, भीम सेना जिलाध्यक्ष अशोक बैरवा, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष राकेश बैरवा रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया।

सरपंच ने चरागाह भूमि में बने निर्माण की कराई रजिस्ट्री

लालसोट, (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र की चादसेन ग्राम पंचायत में पिछले कई दिनों से चल रहे अवैध अतिक्रमण विवाद में अब नया मोड़ आया है।

- रजिस्ट्री कराने के कागजात हुए सार्वजनिक
- अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर टंकी पर चढ़ चुकी हैं महिला सरपंच

चादसेन ग्राम पंचायत की मौजूदा सरपंच कौशल्या देवी ग्राम पंचायत क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग पर टंकी पर चढ़ीं थी और खुद की मांगें मनवाने के लिए प्रशासन से लिखित समझौता किया था। लेकिन चांदसेन सरपंच कौशल्या देवी द्वारा ही मौजूदा समय में चरागाह किस्म भूमि में बने निर्माण की रजिस्ट्री कराने के कागजातों के सार्वजनिक होने के बाद खुद सरपंच भी फंसती नजर आ रही है।

वहीं सरपंच के विरोधियों द्वारा महिला सरपंच ने चरागाह भूमि में हुए निर्माण की गलत तरीके से कराई रजिस्ट्री के दस्तावेजों को सार्वजनिक कर महिला सरपंच द्वारा किए गलत कार्य पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

महिला सरपंच द्वारा चरागाह किस्म की भूमि का तहसील में गलत तरीके से रजिस्ट्री कराने के कागजात सामने आने के बाद खुद के हक एवं इमानदारी की लड़ाई लड़ रही सरपंच कोशल्या देवी की नियत पर ही अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर चांदसेन ग्राम पंचायत में हो रहे अवैध अतिक्रमण को लेकर पहले उस जगह पट्टा जारी करने वाले पूर्व सरपंच शंभू लाल यादव के पुत्र राहुल यादव व एक अन्य व्यक्ति द्वारा हाईकोर्ट में इन अतिक्रमण मामले को लेकर अपील दायर करने के बाद चादसेन ग्राम पंचायत का अतिक्रमण हटाओ मामले में और ज्यादा रोचकता आई है।

वहीं अपील दायर होने के बाद हाईकोर्ट द्वारा राजस्व विभाग से जानकारी लेने के बाद अब राजस्व विभाग एवं ग्राम पंचायत द्वारा भी चादसेन ग्राम पंचायत में हो रहे अवैध अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं इस मामले को लेकर पूर्व सरपंच शंभू लाल यादव द्वारा कहा गया कि उनके समय जब पट्टा जारी किया गया था तो वह भूमि की किस्म आबादी थी। उनके बाद बनी पंचायत कोरम द्वारा तरमीम कराके उस भूमि की किस्म को राजनैतिक तौर पर बदलवाया गया है। वहीं पूर्व सरपंच शंभू लाल यादव के बाद बने सरपंच सीताराम बैरवा द्वारा कहा गया कि उनके कार्यकाल में ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा कभी ना तो तरमीम कराई गई ना ही ग्राम पंचायत क्षेत्र में भूमि की किस्म बदलने के लिए प्रशासन से मांग की गई।

वहीं चादसेन ग्राम पंचायत में पूर्व बने पट्टों के आधार पर बिना मौजूदा किस्म स्थिति देखे ही उन पट्टों का नवीनीकरण कर तहसील में रजिस्ट्री कराने वाली मौजूदा सरपंच कौशल्या देवी का कहना है कि उनके द्वारा मौजूदा पट्टे के आधार पर ही रजिस्ट्रेशन तहसील में करवाया गया है। बरहाल सरपंच जैसे जिम्मेदार पद पर रहते हुए एवं क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त कराने की रोल माडल बनी सरपंच कौशल्या देवी द्वारा ग्राम पंचायत में चरागाह किस्म की भूमि पर बने निर्माण की तहसील में कराई गई रजिस्ट्री सरपंच की गलफास बनने के साथ छवि प्रभावित होती रही है साथ ही वही इस मामले को लेकर स्थानीय राजनीति भी सर्दी में गर्म होती नजर आ रही है।

खोया पाया

आवास 42/64/04, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर के मूल इकरारनामा एवं वसीयतनामा वरूण पथ, मानसरोवर के आस पास कहीं खो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें 8209815889

मेरे आवास 22, गणेश विहार कॉलोनी, टीबा वाली ढाणी, कपुरावाला, सांगानेर, जयपुर के मूल रजिस्ट्री/ विक्रय पत्र जो कि1000/-रु. के स्टाम्प पेपर नं. D797540, उप पंजीयक कार्यालय सांगानेर द्वितीय में क्रमांक नं.201503025107964 दिनांक 22.12.2015 को रजिस्टर्ड है, कहीं खो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें 8426890991

सार्वजनिक सूचना कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
क्र:एफ-13( ) उपा.आयो.द्वि./ ननिज/2022/1932 दि.12.01.23
भूखण्ड संख्या 56, सूर्य नगर(भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि.) जयपुर का जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री रणजीत सिंह शेखावत पुत्र श्री पूर्ण सिंह शेखावत को क्षेत्रफल 196.66 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), रजि. पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, मूल आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड का रजि. विक्रय पत्र द्वारा दिनांक 13.07.2006 को श्रीमती राजकुमार यादव के पक्ष में क्षेत्रफल 196.66 वर्गगज का बेचान किया गया। श्रीमती श्रीमती राजकुमार यादव पत्नी श्री अर्जुन लाल यादव ने दिनांक 18.10.2006 को जरिये रजि. विक्रय पत्र द्वारा श्री गोपाल सिंह पालावत के पक्ष में बेचान किया गया श्री गोपाल सिंह पालावत दिनांक 02.06.2011 को जरिए रजि. विक्रय पत्र द्वारा श्रीमती अल्का पालावत पत्नी श्री जगदीश सिंह के पक्ष में बेचान किया गया। श्रीमती उमा रत्नू पतसनी श्री मानसिंह रत्नू के पक्ष में उपहार किया गया। श्रीमती उमा रत्नू द्वारा दिनांक 01.08.2017 को जरिए रजि. विक्रय पत्र द्वारा श्रीमती प्रेमलता शर्मा को बेचान किया गया। श्रीमती प्रेमलता शर्मा ने नगर निगम जयपुर के पत्रांक 442 दिनांक 24.12.2018 द्वारा स्वयं के नाम से नाम हस्तान्तरण जारी करवा लिया गया। प्रकरण में आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड के दस्तावेजों की फोटोप्रतियां एवं अन्य सेल दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार पर उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा चाहा है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई मूल दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार पर श्रीमती प्रेमलता शर्मा पत्नी श्री ओम प्रकाश शर्मा के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 196.66 वर्गगज का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना- द्वितीय), में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पत्रावली लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (आयोजना द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया मंगलवार को दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुये। बैठक में सतीश पूनिया ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। पूनिया ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष प्रदेश में निकाली गई जनआक्रोश यात्राओं के बारे में प्रैज़ैन्टेशन दिया।

डॉ. पूनिया ने प्र.मंत्री मोदी को जनाक्रोश यात्रा की सफलता की जानकारी दी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने ''जनाक्रोश यात्रा'' पर ''प्रैज़न्टेशन'' दिया

नई दिल्ली/ जयपुर, 17 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के समापन कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली गई जन आक्रोश यात्रा के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी मौजूद थे। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दो दिवसीय (16-17 जनवरी) बैठक में शामिल भाजपा

- **सतीश पूनिया 18 जनवरी को नई दिल्ली से अलवर आएंगे। इस अवसर पर अलवर में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे, सभा को भी संबोधित करेंगे।**

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया ने कांग्रेस सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ राज्य की 200 विधानसभा सीटों में निकाली गई भाजपा की जन आक्रोश यात्रा और रैलियों का ब्यौरा रखा।

सतीश पूनिया 18 जनवरी को सुबह 8:15 बजे नई दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा राजस्थान के लिए प्रस्थान करेंगे और अलवर होते हुए देर शाम जयपुर पहुंचेंगे। अलवर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। अलवर जिले में मनसा चैक, टपूकडा, टपूकडा बस स्टैंड, तिजारा, शाबादी ग्राम, चिकानी, टेल्को सर्किल, नमन होटल, हनुमान सर्किल इत्यादि स्थानों पर उनका अभिनंदन किया जाएगा, जहां वे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन से संवाद करेंगे। दोपहर 12:15 बजे मालाखेडा के झारेडा गांव में स्वर्गीय पुन्याराम जाटव और स्वर्गीय भगवानी देवी जाटव के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 1:30 बजे अलवर भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

'मुख्यमंत्री जी पेपर लीक में शामिल अफसरों-नेताओं को आपकी क्लीन चिट राजस्थान के लाखों बेरोजगारों पर अत्याचार है'

जयपुर, 17 जनवरी (का.सं.)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पेपर लीक में शामिल अफसरों-नेताओं को आपकी क्लीन चिट राजस्थान के लाखों बेरोजगारों पर अत्याचार है। पेपर लीक के एक भी मामले में पुलिस तह तक नहीं पहुंची है।

यदि सरकार की बड़े मगरमच्छों को पकड़ने की मंशा है तो तुरंत सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए।

डॉ. मीणा ने मुख्यमंत्री से कहा कि ''मैं पेपर लीक करने वालों के नाम उजागर कर चुका हूं। रीट पेपर

- **राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिख कर नाराज़गी जताई और मामले की सी.बी.आई. जांच कराने की मांग की।**

लीक में लिप्त होने की वजह से सरकार ने बोर्ड अध्यक्ष डीपी जारोली को बर्खास्त किया, लेकिन पुलिस ने उसे क्लीन चिट दे दी। एसओजी के मोहन पोसवाल लीक में शामिल हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऑफलाइन/ ऑनलाइन परीक्षा के पेपर लीक के सरग़ना सुरेश ढ़ाका से राजनेता ओर ब्यूरोक्रैट के गठजोड़ के बारे में भी बताया है मुख्यमंत्री जी आप कार्रवाई का पक्का भरोसा दें तो मैं खुद आपको नाम बता देता हूं, लेकिन आप लीपापोती के अलावा कुछ नहीं करेंगे। इसीलिए तो आपने नेताओं-अफसरों को क्लीन चिट दी हैं।''

मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में आरोपियों को बचाने के बदले में 2 करोड़ रु. की रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तार ए.एस.पी दिव्या मित्तल को मंगलवार को कोर्ट में पेशी के बाद तीन दिन की रिमांड पर भेज दिया गया।

ए.एस.पी. दिव्या तीन दिन के रिमांड पर

अजमेर, 17 जनवरी (कासं)। नशीली दवाओं की तस्करी मामले में शिकायतकर्ता से दो करोड़ की रिश्वत मांगने वाली एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को मंगलवार को अजमेर ए.सी.बी. कोर्ट में पेश किया गया। जयपुर ए.सी.बी. की ओर से 4 दिन का रिमांड मांगा गया था। न्यायाधीश ने 3 दिन का रिमांड दिया, अब जयपुर ए.सी.बी. रिमांड के दौरान मित्तल से बर्खास्त कॉन्स्टेबल सहित अन्य सूचनाओं एवं बरामदगी के बारे में पूछताछ करेगी।

- **जयपुर ए.सी.बी. ने उन्हें मंगलवार को अजमेर ए.सी.बी. कोर्ट में पेश किया और 4 दिन का रिमांड मांगा, पर कोर्ट ने तीन दिन का ही रिमांड दिया।**

जयपुर ए.सी.बी. दिव्या मित्तल को शाम 3.48 बजे अजमेर ए.सी.बी. कोर्ट लेकर पहुंची। कोर्ट में पेशी से पहले ए.सी.बी. की गिरफ्त में दिव्या मित्तल मुस्कराते हुई दिखी। उनके चेहरे पर कोई शिकन नजर नहीं आई। कोर्ट आए अपने भाई से भी बात करती रही। ए.सी.बी. न्यायालय में जयपुर ए.सी.बी. द्वारा न्यायधीश से 4 दिन का रिमांड मांगा गया था लेकिन गिरफ्तार दिव्या मित्तल के बचाव पक्ष के वकील प्रीतम सिंह सोनी के द्वारा इसका विरोध किया गया बाद में न्यायाधीश ने दिव्या मित्तल को 20 जनवरी तक रिमांड पर लेने के आदेश दिए।

बचाव पक्ष के वकील प्रीतम सिंह सोनी के अनुसार नशीली दवाओं की तस्करी के प्रकरण में रामगंज में दो और अलवर गेट में एक प्रकरण दर्ज है। सभी मामलों की जांच एसओजी एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल कर रही है। ड्रग माफियाओं ने उन्हें जांच से हटाने के लिए साजिश पूर्वक फंसाया है। रिमांड की कोई जरूरत नहीं है। उनसे मोबाइल और अन्य चीजें बरामद करने का कारण बताते हुए ए.सी.बी. ने रिमांड देने की प्रार्थना की है लेकिन बचाव पक्ष के वकील का कहना है कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। दो करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में जयपुर टीम ने अजमेर में 16 जनवरी को एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को पकड़ा गया। दिव्या मित्तल को ए.सी.बी. की टीम अजमेर से जयपुर लाई थी।

इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया। माना जा रहा है कि एसओजी के किसी अधिकारी का रिश्वत में इतनी बड़ी रकम मांगने का यह पहला मामला है। इतनी बड़ी अधिकारी को ट्रैप करना भी आसान नहीं था। दिव्या ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में हरिद्वार की फार्मा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में बर्खास्त पुलिसकर्मी सुमित कुमार के माध्यम से यह घूस मांगी थी। मामले में एसओजी ने मित्तल फार्मा और मित्तल ड्रग एजेंसी के विनय कुमार अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल और अनुज अग्रवाल को गिरफ्तार किया था।

दिव्या मित्तल ने तीनों को धोखाधड़ी, साजिश और आवश्यक वस्तु अधिनियम का दोषी मानते हुए जयपुर में मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या दो के समक्ष चालान पेश किया था।

400 दिन में हर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ताओं 400 दिनों में हरेक मतदाता तक पहुंचने का मंत्र दिया। लोकसभा चुनावों में 400 दिन बाकी हैं और तब तक जनता की सेवा में कोई कसर ना छाड़ें और इतिहास रच दें।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदाता तक पहुंचने में कोई कोर कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 18-25 आयु वर्ग के लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा है।

फड़नवीस ने कहा, मोदी ने कहा है कि ये लोग इतिहास से तथा पूर्व सरकारों के काम से वाकिफ नहीं है। हमें उन्हें जागरुक करना होगा और लोकतांत्रिक तरीकों से परिचित करवाना होगा और उन्हें सुशासन का हिस्सा बनाना होगा।

केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को सरकार का प्रमुख रहने के 21 साल पूरे कर रहे हैं। इसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल भी शामिल है। भाजपा नेता ने उनके नेतृत्व व निस्वार्थ सेवा की सराहना करते हैं। एक अन्य मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मोदी ने पूरी लगन और समर्पण से देश सेवा की है। उनकी नीतियों में वित्तीय व सामाजिक समावेशन के साथ लोगों की जीवन में बदलाव करने वाली नीतियां भी शामिल हैं।

'वरुण गांधी से मिलकर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। वर्ष 2019 में जब वरुण की मां मेनका गांधी को नरेन्द्र मोदी मंत्रिमण्डल में दुबारा नहीं लिया गया था, तभी से उनका भाजपा के प्रति मोहभंग स्पष्ट नजर आता रहा है। उन्होंने बड़े-बड़े मीडिया संस्थानों में जो लेख लिखे हैं और विशालकाय ''ग्रामीण घोषणा पत्र'' भी तैयार किया है, में नरेन्द्र मोदी सरकार को लेकर अच्छी बातें नहीं हैं। इनसे यह सुगबुहाहट होने लगी कि वह पार्टी छोड़ने का प्रयत्न कर रहे हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षक कहते हैं कि राहुल गांधी से 10 वर्ष छोटे उनके चचेरे भाई, जो कभी भाजपा के सबसे युवा महासचिव थे, को पार्टी द्वारा भाजपा की आलोचना करने की अब तक इतनी छूट दी जाती रही है कि पार्टी को उम्मीद है कि आलोचना करते-करते वह अन्ततः थक जाएंगे। कुछ का कहना है कि वरुण गांधी अगले लोकसभा चुनावों से पूर्व अपनी पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जा सकते हैं, जरुरी नहीं कि वह पार्टी कांग्रेस ही हो।

राहुल ने कहा कि देश के सरकारी संस्थानों को आर.एस.एस. और भाजपा द्वारा कंट्रोल किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मीडिया, नौकरशाही, चुनाव आयोग और न्यायपालिका पर दबाव है।

उन्होंने कहा कि पंजाब को केवल पंजाब से ही संचालित किया जा सकता है। यदि सरकार दिल्ली से चलायी जा रही है तो पंजाब की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।'' उन्होंने कहा कि ''पंजाब की फिर से शुरुआत करने के लिए एक नए दृष्टिकोण की जरुरत थी। पंजाब सरकार से मेरी शिकायत यह है कि वह अभी तक कोई भी नया दृष्टिकोण देने में विफल रही है। लोक शिकायतें कर रहे हैं कि उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हो रही है। कांग्रेस द्वारा पंजाब को एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रदान किया जाएगा।''

कांग्रेस नेताओं द्वारा पार्टी छोड़ने के एक प्रश्न के उत्तर में राहुल ने कहा कि जो कोई भी भाजपा में जाता है, वह एक विशेष प्रकार के दबाव के कारण वहां जाता है। आप इसे एक छद्म दबाव कह सकते हैं। यह प्रायः सी.बी.आई., ई.डी., केसों और भ्रष्टाचार के दबावों का परिणाम है। अतः मैं बेहर प्रसन्न हूं कि पार्टी में अब इस तरह के लोग नहीं हैं मैंने सड़कों पर जबर्दस्त उत्साह देखा है। पार्टी के पास अत्यन्त क्रियाशील कार्यकर्ता और सीनियर व युवा नेता हैं।

इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी में शीर्ष से कार्यकर्ता स्तर तक एक बेहद योग्य नेतृत्व देखता हूं। वास्तव में, मैं खुश हूं कि पार्टी के कुछ अवांछित लोग अन्यत्र चले गए हैं। हर किसी के पास एक भूमिका होगी। हमारी पार्टी लोकतांत्रिक है। हम सभी को शामिल करना और एकसाथ काम करना चाहते हैं।

कड़ाके की ठंड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से माला पहनी। इस अवसर पर शहरी व देहात क्षेत्र के, कांग्रेस संगठन ने जुड़े अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार सुबह सचिन पायलट पीलीबंगा में प्रस्तावित किसान सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। पायलट के काफिले के साथ वाहनों की भारी भीड़ चल रही थी।

प्र.मंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदाय पर उनका अच्छा प्रभाव है। यह समुदाय राज्य की कुल आबादी का 17 प्रतिशत है, और अधिकांश लिंगायत भाजा के परम्परागत वोटर्स भी हैं, लेकिन यदि येदियुरप्पा चुप्पी साधे रहते हैं या भाजपा नेतृत्व और कर्नाटक में पार्टी सैटअप की प्रति नाराज़गी जारी रखते हैं तो पद भाजपा की संभावनाओं को यहां संकट में डाल सकता है।

एकल पट्टा प्रकरण में आई.ए.एस. संधू सहित तीन को मिली राहत

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने ए.सी.बी. कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें संधू, दिवाकर और ओंकारमल सैनी के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की अनुमति नहीं दी गई थी।**
- **आरोपियों के वकील ने कहा कि, इस मामले में न तो मूल पट्टाधारकों ने कोई शिकायत की है न ही जे.डी.ए. या सरकार ने और ए.सी.बी. ने भी माना है कि, जमीन सरकारी नहीं है, फिर भी अधिकारियों पर अनावश्यक केस चलेगा तो अधिकारियों का मनोबल गिरेगा।**

जयपुर, 17 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण में आरोपी पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी को राहत दे दी है। अदालत ने ए.सी.बी. कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें इनके विरूद्ध लंबित मुकदमे को वापस लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। जस्टिस फरज़ंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार, पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की आपराधिक याचिकाओं पर दिए। अदालत ने गत चार जनवरी को याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा था।

आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा और अधिवक्ता पंकज गुप्ता सहित अन्य ने बताया कि एन्टी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) मान चुका है कि मामले में विवादित भूमि सरकारी नहीं है। मूल पट्टे धारियों ने कोई शिकायत नहीं दी थी तथा राज्य सरकार और जेडीए ने भी एसीबी में कोई शिकायत पेश नहीं की थी। ऐसे में यदि अधिकारियों को अनावश्यक अभियोजन का सामना करना पड़ेगा तो इससे अफसरों का मनोबल गिरेगा। इसलिए राज्य सरकार ने ए.सी.बी. कोर्ट में मुकदमा वापस लेने के लिए अर्जी लगाई थी, लेकिन ए.सी.बी. कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। इसके साथ ही निजी याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि हाईकोर्ट पूर्व में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ ए.सी.बी. कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कर चुकी है। वहीं दूसरी ओर मामले के शिकायतकर्ता रामशरण सिंह के अधिवक्ता अनिल चौधरी ने कहा कि वे मुकदमे को आगे नहीं चलाना चाहते हैं और उन्हें मामले में कोई आपत्ति भी नहीं है, जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार की याचिका को स्वीकार करते हुए ए.सी.बी. कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है।

मामले के अनुसार ए.सी.बी. ने वर्ष 2014 में परिवादी रामशरण सिंह ने गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में धांधली की शिकायत की थी, जिस पर मामला दर्ज किया था। इसमें कंपनी के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग, यूडीएच के पूर्व सचिव जीएस संधू, जेडीए जोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकार मल सैनी, निष्काम दिवाकर सहित गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों अनिल अग्रवाल और विजय मेहता को आरोपी बनाया गया था।

इसके बाद ए.सी.बी. ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आरोप पत्र पेश करते हुए धारीवाल, एन.एल. मीणा को क्लीन चिट देकर तत्कालीन जेडीसी ललित के पंवार व अतिरिक्त आयुक्त वीएम कपूर के पक्ष में एफआर पेश की थी। इसके बाद ए.सी.बी. ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ लंबित मुकदमे को वापस लेने की अनुमति मांगी थी, लेकिन ए.सी.बी. कोर्ट ने ए.सी.बी. के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था।

जे.सी.बी. की टक्कर से सपोटरा में मंदिर गिरा, महिला की मौत

हादसे में मंदिर में पूजा कर रही महिला की मौत हो गई, दो अन्य घायल हो गए

सपोटरा/ करौली, 17 जनवरी (नि.स.)। सपोटरा उपखंड मुख्यालय के नारायणपुर टटवाड़ा मोड़ पर जेसीबी की टक्कर से शिव मंदिर गिर गया। घटना के वक्त मंदिर में पूजा कर रही एक महिला की मौत हो गई व एक पुरूष व अन्य महिला घायल हो गये, जिन्हें उपचार के लिये भर्ती कराया गया।

शिव मंदिर में मंगलवार को प्रातः पूजा कर रही दो महिलाएं वेबा कांती देवी 48 पत्नी प्रहलाद जांगिड, सीमा 28 पत्नी शिवजी प्रसाद गुप्ता एवं रामजी लाल पुत्र कांजीलाल मलबे में दब गये। दोनों महिलाओं की हालत गंभीर होने पर उनको करौली जिला अस्पताल से जयपुर रैफर कर दिया गया। इस दौरान रास्ते मे महिला सीमा गुप्ता की मृत्यु हो गई और वेबा कांती देवी का गंभीर हालत में जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में उपचार जारी है। मलबे में और भी लोगों के दबे होने की आशंका को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों सहित करौली से पहुंची सिविल डिफेन्स की टीम प्रभारी क्षत्रपाल के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर जेसीबी मशीनों की मदद से मलबे को हटाया जिसमे कोई व्यक्ति नही मिला। मौके पर पीड़ितों के परिवार जन सहित भाजपा के लोगों ने घटना की गंभीरता को देखते हुए आक्रोश किया।

- **बताया जाता है कि, हादसे के समय शिव मंदिर में मौजूद कांति देवी, सीमा गुप्ता व कांजीलाल मलबे में दब गए। कांति देवी और रामजीलाल घायल हैं उनका जयपुर एस.एम.एस. अस्पताल में इलाज चल रहा है।**
- **हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है, उन्होंने जे.सी.बी. पर पथराव किया बाद में पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया।**

सपोटरा कस्बे में पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से नाली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। नाली बनाने के लिए मंगलवार प्रातः कस्बे के नारायणपुर टटवाड़ा मोड़ पर नाली के लिए जेसीबी से खुदाई का काम चल रहा था। इस दौरान लापरवाही के कारण जेसीबी की टक्कर से शिव मंदिर भरभरकर गिर गया। मौके पर पहुँचे जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा की मन्दिर गिराने का कोई ऐसा प्लान नही था। दुर्घटना जरूर हुई है। घायल व मृतक के लिये राज्य सरकार से नियमानुसार सहायता राशि मिलेगी।

कस्बे में शिव मन्दिर के गिरने की सूचना पर सपोटरा कस्बा सहित आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मौके पर करीब 30 मिनट बाद पुलिस जाप्ता घटना स्थल पहुंचा। जबकि घटना स्थल पुलिस थाने से महज 1 किमी दूरी पर है। पुलिस प्रशासन व स्थानीय प्रशासन के लेट पहुंचने से आक्रोशित ग्रामीणों ने जेसीबी पर पथराव कर दिया गया। कस्बे में नारौलीडाग तिराहे पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के संवेदक की लापरवाही के चलते हुई घटना की सूचना पर घटना स्थल पर भीड एकत्रित हो गई।सपोटरा मोड पर बेकाबू हुई भीड से मौके पर मौजूद जेसीबी पर पथराव कर दिया गया। जिससे हालात बिगडते गए। जिसके उपरान्त पुलिस ने बल कर प्रयोग करते हुए भीड को तितर बितर किया। इस दौरान पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी के सपोटरा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष प्रताप पाकड को हिरासत में लिया गया। जिससे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओ ने आक्रोश जाहिर करते हुए सपोटरा पुलिस थाना पहुचकर के भाजपा कार्यकर्त्ता के रिहाई की मांग जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस से की । उधर कस्बे के नारौलीडांग तिराहे स्थित सीताराम मन्दिर कमेटी सदस्यों ने भाजपा जिलाध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया के नेतृत्व मे पुलिस थाना पहुंचकर के जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह,नारायण टोगस व सपोटरा पुलिस उपाधीक्षक मुनेश कुमार मीना को ज्ञापन सौपकर शिव मन्दिर को धराशाही करने की नीयत से घटना की जांच करवाने व सानिवि के अधिकारियों की लापरवाही व लोगो के द्वारा शिव मन्दिर पर जबरदस्ती से जेसीबी चलाकर मन्दिर को गिराने पर संवेदक की लापरवाही की जांच करवाकर के घटना में लिप्त आरोपियों के प्रति कार्यवाही करवाने की मांग की है।

भाजपा अध्यक्ष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो रहा है। उनका कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव राजनाथ सिंह ने रखा तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इसका समर्थन किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठन में उन राज्यों के नेताओं ने अपने रिपोर्ट कार्ड पेश किए जहां चुनाव होने है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पार्टी चुनाव जीतने की ओर अग्रसर है। बताया गया कि पार्टी जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव भी जीत सकती है।

17 साल पहले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रस्त हुआ उसी को- पायलट अंजू ही थी। नेपाल के इस भयंकर हादसे में कम से कम 68 और लोगों की मृत्यु हो गई।

अंजू के परिवार की यह ट्रैजडी एक चिंताजनक पैटर्न का हिस्सा है। पहाड़ों के कारण नेपाल का भू-भाग बहुत दुःसाध्य है। एविएशन सेफ्टी नैटवर्क के अनुसार, यहाँ 1990 के दशक के प्रारंभ से 30 से अधिक भयंकर जानलेवा विमान हादसे हो चुके हैं। गत वर्ष, एक ऑडिट में, एयर नैविगेशन घटनाओं की जांच तथा सुरक्षा मानदण्डों के क्रियान्वन के लिए आवश्यक संगठनात्मक ढांचे में कमियों को लेकर चिंता व्यक्त की गई थी।

क्रैश होने से कुछ क्षण पहले लिए गए एक विडियो में दिखाई दे रहा है कि, खुले आसमान में प्लेन जैसे ही नीचे उतरा, उसका एक विंग अचानक नीचे गिर गया।

क्षेत्र के निर्धनतम देशों में एक, नेपाल, पर्यटन पर निर्भर है। लेकिन, विशेषज्ञ एवं अधिकारी लंबे समय से, पैन्डैमिक के बाद की पर्यटकों की भीड़ को संभालने की एयरपोर्ट की क्षमता को लेकर चिंता व्यक्त करते रहे हैं।

'क्या कारण है कि राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती रही। असम में तरुण गोगोई 15 साल मुख्यमंत्री रहे। आंध्र प्रदेश में राजशेखर रेड्डी लगातार दो बार मुख्यमंत्री बने। ऐसे में क्या कारण है कि सिर्फ राजस्थान में सरकार रिपीट नहीं हो पाती है। इसके बारे में हमें सोचना पड़ेगा कि जनता का मन कैसे जीतें। जनता की भावना से कैसे जुड़े। जनता के सामने उनकी कसौटी पर कैसे उतरे। उस दिशा में हम सबको काम करना है। इस परिपाटी को हमें खत्म करना है। ग्यारह महीने सच्चे मन से, लगन से, त्याग तपस्या से जनता की सेवा करेंगे। सत्ता संगठन मिलकर काम करेंगे, तो मुझे विश्वास है 11महीने बाद दुबारा आप लोग हमको आशीर्वाद देंगे। किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैंने शुरू में कहा ये सीमावर्ती जिला है। यहां पर फ़सल की, सिंचाई की, बिजली की समस्याओं का पूर्ण तरह से समाधान कैसे हो। हर बार ज्ञापन मिलते हैं, धरने होते हैं। आगे पीछे कोई बढ़त होती है। लेकिन हम वहीं फंस के रह जाते हैं। हम बडा क्यों नहीं सोचते। हमेशा के लिए फ़सल की सिंचाई की, बिजली की समस्या का समाधान हो। हम साथ मिलकर हमेशा के लिए पूरे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

इसी के साथ पायलट ने कहा कि आप लोगों ने हम पर विश्वास किया और आप सबके विश्वास से ही, हमारे जहां 21 विधायक थे, आज हमारी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी है। मंच पर हमारे बहुत साथी बैठे हैं, सबको कहना चाहता हूं सरकार कांग्रेस की भी आयी है, बीजेपी की भी आयी, लेकिन देखना यह होगा किसान के जीवन को बेहतर करने के लिए हम किस हद तक कामयाब हुए। ये हमको सोचना पड़ेगा हम सबको आत्मचिंतन करना पड़ेगा कि किसके लिए हम राजनीती करते हैं।

उन्होंने कहा कि मेरे दादाजी फौज में हवलदार थे। मेरे स्वर्गीय पिताजी पहले एयर फ़ोर्स में थे, मैं गांव में नहीं जन्मा, गांव में नहीं रहा। पिताजी अधिकारी बन गये थे, तो हम सब अलग अलग जगह पोस्टिंग में जाते थे, लेकिन एक बात जरूर है गाँव में किसान के ऊपर क्या बीत रही है, यह हम जानते हैं। अपनी बच्ची के हाथ पीले करने के लिए किसान को कहां-कहां भटकना पड़ता है, किस- किस से उसे उधार लेना पड़ता है, किस- किस के हाथ जोड़ने पड़ते हैं। उन व्यवस्थाओं से हम अच्छी तरह से वाकिफ हैं। राजनीती में हम लोग काम करते हैं, तो उन किसान भाइयों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्प हम सब को लेना पडेगा। हम सिर्फ भाषण दें, घोषणा करें, अपने समय को निकाले, तो जीवन काल में उसका कोई मतलब नहीं है। जब ज़ब मुझे मौका मिला मैंने पूरी कोशिश की किसानों, नौजवानों की उम्मीदों पर खरा उताने की, नौजवानो को ताकत देने की।

उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा की जिक्र भी किया और कहा कि आप देख रहे हैं कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं, जो नफरत के माहौल के खिलाफ है। ऐसे में हम सबको 26 जनवरी से कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के जरिए राहुल गांधी का संदेश आमजन तक ले जाना है।

इस मौके पर एआईसीसी सचिव कुलदीप इंदौरा, विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा, मुकेश भाकर, पीलीबंगा से कांग्रेस प्रत्याशी रहें विनोद गोठवाल, राज्य जीव जंतु बोर्ड के अध्यक्ष के.सी. विश्नोई, एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु, पूनिया पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य सहित बड़ी संख्या में नेता उपस्थित रहे। किसान सम्मेलन के बाद सचिन पायलट ने हनुमानगढ़ में भद्रकाली मंदिर में दर्शन किए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

TOUGH, STYLISH, SPORTY.
AND NOW 2,00,000 CUSTOMERS STRONG.

Ignis, a perfect city car, sets a new milestone.
Join the community of the Tough.

CREATE. INSPIRE.

2 LACS MILESTONE

IGNIS
COMPACT URBAN SUV

17.78 cm Smartplay Studio
(Available from Zeta variant onwards)

High Ground Clearance
and SUV-like Stance

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Scan the QR code for more details about the Ignis.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO www.nexaexperience.com TO AVAIL EXCITING OFFERS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: NEXA VKIA SIKAR ROAD (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*Finance scheme details mentioned above are at the sole discretion of financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. For more details, please contact your nearest NEXA dealership. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. For details on functioning of safety features, kindly refer to the Owner's Manual.